RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 4
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

नया ट्रैफिक कानून
एक अच्छी पहल
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

कमलेश तिवारी हत्याकांड का खुलासा

सूरत से हिरासत में लिए गए तीन आरोपी

- डीजीपी का दावा, चार साल पहले दिए विवादित बयान की वजह से की गयी हत्या
- आरोपियों ने हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूला, शूटरों की भी हुई पहचान, गिरफ्तारी के प्रयास जारी
- मुकदमे में नामजद दो मौलानाओं को भी बिजनौर में हिरासत में लेकर चल रही पूछताछ

लखनऊ में कमलेश तिवारी (इनसेट) हत्याकांड के बारे में बोलते डीजीपी ओपी सिंह। वहीं सूरत में पुलिस हिरासत में पकड़े गए आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी की बीते शुक्रवार को लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े की गयी हत्या का 24 घंटे के अंदर पुलिस द्वारा खुलासा किए जाने का डीजीपी ओपी सिंह ने दावा किया है। इस हत्याकांड में किसी भी आतंकी कनेक्शन से साफ इंकार करते हुए डीजीपी ने बताया कि हत्याकांड की साजिश रचने वाले तीन युवकों को गुजरात के सूरत से हिरासत में लिया गया है। जिन दो व्यक्तियों ने लखनऊ में हत्या की घटना की उनकी भी जानकारी हो गयी है और गिरफ्तारी के टीम गठित कर युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि कमलेश तिवारी की हत्या 2015 में दिए गए एक विवादित बयान को लेकर की गयी। वहीं कमलेश की पत्नी की ओर से हत्या की साजिश में नामजद कराए गए आरोपित मौलाना अनवारूल हक (शेष पेज 9)

दहशत पैदा करने वाले तत्वों को कुचलकर रख देंगे: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हिन्दू समाज पार्टी के नेता कमलेश तिवारी हत्याकांड के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तल्ख तेवर में कहा है कि भय और दहशत पैदा करने वाले जो भी तत्व होंगे, सख्ती के साथ उनके मंसूबों को कुचलकर रख देंगे। किसी भी प्रकार की वारदात स्वीकार नहीं की जाएगी। जो भी इस घटना में सम्मित होगा, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हत्यारे जिस रूप में आए और सुरक्षा गार्ड से पूछकर कमरे में गए, उसके बाद हत्यारोपियों ने कमलेश तिवारी के साथ जलपान किया और उनके निजी सहायक और तिवारी के बेटे को कुछ सामान खरीदने के लिए बाजार भेज दिया। इसके बाद कमरे में जब वे अकेले हो गए तो उनकी हत्या कर दी गयी। यह सिर्फ (शेष पेज 9)

उप्र में जंगल राज, तिवारी हत्या मामले में हो कार्रवाई: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कमलेश तिवारी की हत्या मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के तहत जंगल राज में किसी की भी हत्या हो सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने संवाददाताओं से कहाकि उत्तर प्रदेश के बारे में तो उच्चतम न्यायालय ने कह दिया कि वहां जंगल राज है। वहां तो रात को लोग पुलिस स्टेशन में लाकर बच्चे के सामने बाप की हत्या कर देते हैं और दिन में आम लोगों की हत्या हो जाती है। उन्होंने कहा, जंगलराज में तो कुछ भी हो सकता है, कौन किसकी हत्या करेगा, पता नहीं। सिब्बल ने दावा किया, सबको मालूम है किस तरह से कुलदीप सिंह सेंगर को (शेष पेज 9)

हत्याओं से भयभीत सेब उत्पादकों, कारोबारियों के लिए सुरक्षा कवच

- बागानों से भरपूर कश्मीर के अंदरूनी इलाके में फैली सेना, आतंकियों को रोकने के लिए जीत रही लोगों का भरोसा

राहुल दत्ता/मोहित कंधारी। नई दिल्ली/जम्मू

जवानों की भारी मौजूदगी के बावजूद, कश्मीर में सेब का कारोबार करने वाले तीन लोगों की हत्या की घटना को गंभीरता से लेती सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रणनीति की समीक्षा कर उसे नए सिरे से तैयार किया है। अचूक रणनीति के तहत, राज्य के अंदरूनी इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं जहां सेब के बहुतायत बागान हैं। सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों ने ऐसे इलाकों और सघन आबादी वाले केंद्रों में अपनी व्यापक पहुंच बना ली है। इस कवायद का मकसद स्थानीय लोगों से मेलजोल बढ़ाकर उनका भरोसा जीतना और आतंकियों को सक्रिय होने के मौके से वंचित करना है। इतना ही नहीं, पैदा हुए सेबों को उठाने के लिए केंद्र भी खोले गए हैं क्योंकि हत्याओं के चलते दूरदराज स्थित बागान मालिकों के सामने अपनी उपज को कारोबारियों तक पहुंचाना एक समस्या बन गई है। कारोबारियों को सलाह दी गई है कि जिले के अंदरूनी (शेष पेज 9)

सालाना 10 हजार करोड़ रुपए के मूल्य का सेब पैदा करता है कश्मीर

जम्मू। कश्मीर में प्रति वर्ष 10,000 करोड़ मूल्य का 20 से 24 लाख मिट्रिक टन सेब पैदा किया जाता है। अभी तक कश्मीर से 6.82 लाख मिट्रिक टन सेबों का निर्यात हो गया है। सेब की उपज का 30 फीसदी (2773 करोड़ रुपये मूल्य) कश्मीर घाटी से बाहर भेजा जा चुका है। अनुमान है कि घाटी से सेब की पेटियों से भरे 400 से 500 ट्रक निकलते हैं जो इस फल को देश भर के तमाम हिस्सों तक पहुंचाते हैं। एमआईएस के तहत सेब की 1,38,409 पेटियों की खरीद की गई है। 10 करोड़ रुपये मूल्य की सेब की उपज की खरीद जम्मू कश्मीर बागबानी-विपणन -योजना विभाग और किसानों से क्रय करने की नोडल एजेंसी नेफेड द्वारा की गई है। कश्मीर में इस समय छह खरीद केंद्रों का परिचालन किया जा रहा है। एमआईएस योजना आगामी 15 दिसंबर तक जारी रहेगी।

बाजार

सेंसेक्स	39,298	
निफ्टी	11,661	
सोना	38,925	/10g
चांदी	46,325	/kg

क्विक न्यूज

ब्रेक्जिट को टालने के पक्ष में ब्रिटेन के सांसदों ने किया मतदान

लंदन। ब्रिटेन की संसद मे 37 साल मे पहली बार एक ऐतिहासिक सप्ताहांत संसदीय सत्र मे सांसदो ने बोरिस जॉनसन के ब्रेक्जिट समझौते मे देर कराने वाले एक प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए मतदान किया। जॉनसन को एक झटका देते हुए 306 के मुकाबले 322 सांसदो ने ब्रेक्जिट मे देर कराने वाले एक महत्वपूर्ण संशोधन पर मतदान किया। इसका यह मतलब है कि जॉनसन को सांसदो द्वारा पूर्व मे पारित बेन अधिनियम के तहत शनिवार आधी रात तक यूरोपीय संघ को पत्र लिखकर 31 अक्टूबर को खत्म हो रही ब्रेक्जिट की समयसीमा बढ़ाने की मांग करनी ही होगी। प्रधानमंत्री जॉनसन और उनकी टीम ने इससे पहले कहा था कि वह कानून के शासन का पालन करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नही है कि बोरिस जॉनसन का अगला कदम क्या होगा।

बीएसएफ जवान की मौत पर बांग्लादेश ने दी सफाई

कोलकाता। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने विश्वास जताया है कि बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) द्वारा बीएसएफ के एक जवान के मारे जाने की घटना का प्रभाव दोनो देशो के द्विपक्षीय संबंधो पर नही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह स्थिति को शांत करने के लिए अपने समकक्ष अमित शाह से बात करेंगे। खान ने कहा कि बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के जलक्षेत्र मे पकड़े गए मछुआरे को नियमो के अनुसार रिहा किया जाएगा। उन्होंने कहा, सुरक्षाबलो के बीच गलतफहमी की वजह से सीमा सुरक्षाबल (बीएसएफ) के हेड कांस्टेबल विजय भान सिंह की जान चली गई। भविष्य मे ऐसी घटनाएं न हो, इसके लिए कदम उठाए गए हैं और अगर जरूरत पड़ी तो स्थिति को शांत करने कि लिए मै अमित शाह से बात करूंगा। बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के एक जवान ने पश्चिम बंगाल से लगती सीमा पर फ्लैग मीटिंग के दौरान एके-47 से गोली चलाई जिसमे भान सिंह की मौत हो गई और राजवीर यादव घायल हो गए। खान ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि दोनो देशो के सुरक्षाबलो के महानिदेशको को आदर्श तौर पर साथ बैठना चाहिए।

केंद्र ने नगालैंड के लिए अलग झंडा, अलग संविधान की मांग ठुकराई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने नगाओं के लिए अलग झंडा और संविधान की एनएससीएन-आईएम की मांग को नकार दिया है और स्पष्ट कर दिया है कि बंदूकों के साए में उग्रवादी समूह के साथ अंतहीन वार्ता स्वीकार्य नहीं है। नगा वार्ता के लिए वार्ताकार और नगालैंड के राज्यपाल आर. एन. रवि ने कहा कि केंद्र सरकार दशकों लंबी शांति वार्ता की प्रक्रिया को अविलंब निष्कर्ष पर पहुंचाएगी। रवि ने बयान जारी कर कहा कि परस्पर सहमति से विस्तृत समझौते का मसौदा तैयार किया गया है जिसमें सभी महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। बयान में कहा गया है, दुर्भाग्य से इस समय एनएससीएन-आईएम ने विलंब करने का रूख अपना रखा है और अलग नगा राष्ट्रीय झंडा तथा संविधान जैसे विवादास्पद मुद्दों को उठा रहा है जिस पर वे भारत सरकार के रूख से पूरी तरह अवगत हैं। रवि ने कहा कि एनएससीएन-आईएम ने समझौते के प्रारूप को शरारतपूर्ण तरीके से लंबा खींचा है और इसमें काल्पनिक विषय डाल रहा है।

हरियाणा, महाराष्ट्र में थम गया चुनावी शोर

देशभर में कई विस सीटों व दो लोकसभा सीटों पर भी होगा उप चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को चुनाव प्रचार थम गया। यहां 21 अक्टूबर को मतदान होगा जबकि 24 अक्टूबर को मतगणना होगी। वहीं देश के 18 राज्यों में 51 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर भी 21 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए शनिवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। उत्तर प्रदेश की 11 सीटों, गुजरात की छह सीटों, बिहार की पांच, असम की चार और हिमाचल प्रदेश तथा तमिलनाडु की दो-दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। इनके अलावा पंजाब की चार सीटों, केरल की पांच, सिक्किम की तीन, राजस्थान की दो सीटों और अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी, मेघालय और तेलंगाना की एक-एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। लोकसभा की दो सीटों महाराष्ट्र की सतारा और बिहार की समस्तीपुर पर उपचुनाव के लिए भी प्रचार शनिवार को थम गया। इन सीटों पर क्रमशः रांकापा और लोक जनशक्ति पार्टी ने जीत दर्ज की थी।

लखनऊ कैंट सहित प्रदेश की 11 सीटों पर मतदान कल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 11 विधान सभा सीटों के लिए मतदान सोमवार को होगा। इन सीटों पर प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रत्याशियों ने ताकत झोंक दी है। प्रचार शनिवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया। इन सीट पर चुनाव प्रचार में बीजेपी सबसे आगे रही जबकि विपक्ष के नेताओं का प्रचार फीका रहा। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने उक्त सभी विधान सभा में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और प्रचार में भी सभी सीटों पर जनसभा की, बीजेपी ने सोशल मीडिया के जरिए भी अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की है। बीजेपी ने सोशल मीडिया के जरिए केंद्र और योगी सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाया है। बीजेपी कार्यालय में बने सोशल मीडिया रूम से सभी विधान सभा क्षेत्र में नजर रखी जा रही है। उप्र की जिन 11 सीटों पर विधान सभा का उप चुनाव हो रहा है उनमें गंगोह, रामपुर, इगलास, लखनऊ कैंट, गोविंदनगर, मानिकपुर, प्रतापगढ़, जैदपुर, जलालपुर, बलहा और घोसी सीट है। निर्वाचन आयोग ने मतदान की पूरी तैयारी कर ली है और पोलिंग पार्टी मतदान वाले इलाके में रवाना कर दी गई हैं। उपचुनाव केंद्रीय बल की देख रेख में होगा। 11 सीटों के लिये कुल 110 प्रत्याशी मैदान में हैं। इन 11 सीटों में 9 भारतीय जनता पार्टी के पास थीं।

रामपुर सीट पर समाजवादी पार्टी और जलालपुर सीट पर बहुजन समाज पार्टी का कब्जा था। घोसी से जीते फागू चौहान को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है जबकि अन्य सीटों से जीते विधायक लोकसभा के लिये चुन लिए गए थे। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने खुद को उपचुनाव के प्रचार से दूर रखा है। सपा अध्यक्ष ने अंतिम दिन सिर्फ रामपुर में प्रचार किया।

लट्ठमार होली को राजकीय मेला बनाने की तैयारी में योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। मथुरा

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व होली पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ब्रजवासियों की मांग पर बरसाना की लट्ठमार होली को औपचारिक रूप से राजकीय मेला घोषित किए जाने के बाद अब राज्य सरकार इस योजना को अमली जामा पहनाने में जुट गई है। इस संबंध में शासन स्तर से जिला प्रशासन को भेजे गए एक पत्र में तीन प्रमुख बिन्दुओं पर आख्या मांगी गई है। बरसाना की लठामार होली को पूरी तरह से एक राजकीय मेले का रूप दे कर तथा उसका समुचित प्रचार-प्रसार कर अधिकाधिक सैलानियों को आकर्षित किया जा सकेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2018 में बरसाना में पहली बार शासन-प्रशासन एवं कई सरकारी विभागों व गैरसरकारी संगठनों का सहयोग लेते हुए बरसाना की लठामार होली का भव्य आयोजन किया था। इसके अलावा नन्दगांव सहित मथुरा जनपद के अनेक तीर्थस्थलों पर होली से जुड़े विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र ने बताया, अब सरकार देश- विदेश में लोकप्रिय बरसाना और नन्दगांव की होली को देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के बराबर दर्जे पर आयोजित कर एक नई पहचान दिलाना चाहती है। इसके लिए सरकार सभी जरूरी संसाधन जुटाने की पहल कर रही है।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सतीश कुमार त्रिपाठी ने बताया, बरसाना की होली को न केवल पूर्ण राजकीय मेला करार देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, बल्कि इस संबंध में ब्रजवासियों की (शेष पेज 9)

घटी गधों की पूछ, देश में आधे से भी कम बचे

पशु गणना रिपोर्ट के मुताबिक-सात सालों में गधों की आबादी में दर्ज हुई 61 फीसदी की गिरावट

राजेश कुमार। नई दिल्ली

- पहले के 3,20,000 के मुकाबले अब 1,20,000 ही बचे
- सबसे ज्यादा गधे राजस्थान में हैं, सबसे कम लेह लद्दाख में

पिछले सात वर्षों के भीतर देश में गधों की संख्या घटकर आधी से भी कम रह गई है। पशु गणना रिपोर्ट 2019 के मुताबिक, 2012 से गधों की आबादी में 61 फीसदी की जबर्दस्त गिरावट हुई है। इस समय भारत में सिर्फ 1,20,000 गधे रह गए हैं जबकि सात साल पहले इनकी आबादी 3,20,000 थी। इस चौपाए की आबादी में हो रही गिरावट सभी राज्यों में समान है। सबसे गंभीर स्थिति लेह और लद्दाख में है जहां गधे लुप्त होने की कगार पर हैं। भारी गिरावट के साथ लेह लद्दाख में गधों की संख्या मात्र 100 रह गई है। सर्वाधिक संख्या में गधों की मौजूदगी के साथ राजस्थान सूची में पहले नंबर पर है जिसके बाद क्रमश: महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात व बिहार हैं।

चौपाए की कम होती संख्या को गंभीरता से लेते हुए मत्स्यपालन-पशुपालन व डेयरी मंत्रालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से कहा है कि गधी के दूध के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की संभावनाएं तलाशे ताकि इनके संरक्षण को बल मिल सके। गधी के दूध में गाय के दूध के मुकाबले चार गुना ज्यादा विटामिन सी के अलावा इसमें केजिन, लैक्टोज, विटामिन ए, बी1, बी2, बी6, डी और ई भी मौजूद रहता है। इसका इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों में भी किया जाता है।

गधों की गणना रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में इनकी संख्या 81,000 से घटकर 23000 पर पहुंच गई है। राज्य के बाड़मेर जिले में सर्वाधिक गधे हैं जिसके बाद जैसलमेर, बीकानेर, चुरू का नंबर आता है। टोंक जिले में इनकी संख्या सबसे कम है। महाराष्ट्र में पहले के 29,000 की तुलना में अब 18000 गधे रह गए हैं। राज्य पशुपालन विभाग शेर बचाओ मुहिम की तर्ज पर गधे बचाओ कार्यक्रम शुरू कर चुका है। उत्तर प्रदेश में भारी गिरावट दर्ज कराते हुए गधों की आबादी 57,000 के मुकाबले 16,000 रह गई है जबकि गुजरात व बिहार में 11-11 हजार गधे बचे हैं। 2012 में गुजरात में इनकी संख्या 39,000 और बिहार में 21,000 थी। जम्मू कश्मीर में गधों की संख्या 17,000 से 10,000 हो गई है। असम में 13000 और हरियाणा में 10,000 गधे हैं।

कृषि मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि जो काम पहले गधे करते थे उनके लिए अब वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध हैं। संभवत: उपयोगिता घटने से ही गधों की संख्या कम हुई है। इसके अलावा शेरों की खाल और उसके शरीर के अन्य हिस्सों की तस्करी करने वाले वन्यजीव माफिया ने अब गधों पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है जिनकी चिकित्सकीय उपयोगिता के चलते चीन में काफी मांग है। गधों को मारने की कुछ (शेष पेज 9)

नकल रोकने को बच्चों को पहनाया गत्ते का डिब्बा

- कर्नाटक के एक कॉलेज में प्रबंधन किया अजीबो-गरीब प्रयोग, कारण बताओ नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। हुबली

परीक्षा में नकल की कुप्रथा रोकने के लिए एक अजीबो-गरीब 'प्रयोग' ने कर्नाटक के हवेरी स्थित एक कॉलेज के प्रबंधन को मुश्किल में डाल दिया। शैक्षिक संस्थानों में परीक्षा के दौरान नकलबाजी की समस्या से परेशान प्रबंध तंत्र आमतौर पर निगरानी कड़ी कर देते हैं-कुछ तो परीक्षा हाल में सीसीटीवी लगाने जैसे उपाय करते हैं, जबकि अन्य सख्त निगरानी की व्यवस्था करते हैं।

कर्नाटक के हवेरी के एक कॉलेज में गत्ते का डिब्बा पहन परीक्षा देते छात्र

भगत पीयू कॉलेज में 16 अक्टूबर को जब छात्र अर्धवार्षिक परीक्षा देने पहुंचे तो उन्हें अपने सिर पर पहनने के लिए गत्ते के डिब्बे थमा दिए गए। ये डिब्बे एक तरफ से खुले थे, जिससे छात्र अपने आगे ही देख सकते थे। जाहिर है कि यह कोशिश उन्हें अगल-बगल देखने से रोकने के लिए थी और खुले हिस्से से वे केवल अपनी उत्तर पुस्तिका ही देख सकते थे। परीक्षा में नकल रोकने के लिए अनोखा (शेष पेज 9)

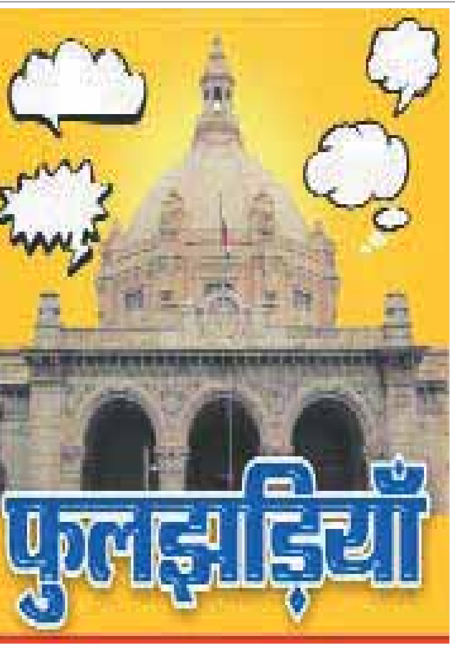

मंत्री की सफाई

योगी सरकार के एक मंत्री इन दिनों सफाई देते घूम रहे है। कभी वह अपने सहयोगी मंत्रियों को सफाई देते है तो कभी करीबी लोगों को। उनका यह सिलसिला पिछले महीने भर से अधिक समय से चल रहा है। कई सहयोगी मंत्रियों तथा खास लोगों को वह एक-दो नहीं, कई-कई बार सफाई दे चुके हैं। मंत्री के कुछ खास मित्र उन्हें सफाई मंत्री कहने लगे हैं। दरअसल योगी सरकार बनने पर इन्हे काफी अहम विभाग की बागडोर सौंप दी गई। इसके साथ ही इन्हें सरकार के प्रवक्ता जैसी अहम जिम्मेदारी दे दी गई। पहली बार मंत्री बनने वाले भाजपा के इस नेता को अपने सिवा हर कोई गलत नजर आने लगा। खासकर मीडिया के लोग उन्हें भ्रष्ट दिखने लगे। एक बार तो मंत्री ने मीडिया के आयोजन में मीडिया को पूरी तरह कठघरे में खड़ा कर दिया। एक इलेक्ट्रानिक मीडिया संपादक का जिक्र करते हुये इस मंत्री ने अपने नाना की ईमानदारी और संपादक को भ्रष्ट बता डाला। मंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने खुद को नानाजी के रास्ते पर चलने वाला बताया। वक्त बदला और सरकार के इस मंत्री के कुछ गलत-सही कार्यों का चिट्ठा सीएम तक पहुंचा और फिर उनके पर कतर दिये गये। अपनी पुरानी धाक को बनाये रखने के लिये मंत्री जी अब पर कतरे जाने के कारण गिनाते हैं।

ऊंट पहाड़ के नीचे

अब जल में रहकर कोई मगर से बैर करेगा तो भी कितने दिन तक। एक न एक दिन उसे शिकार बनना ही पड़ेगा। अब यह बात सरकार की नाक के नीचे चल रहे सबसे बड़े शिक्षण संस्थान के शिक्षक नेता को कौन समझाए। महोदय, निकले तो राजनीति की नर्सरी से हैं, ऐसे में शिक्षक होने के गुण कम नेताओं के गुण ज्यादा हैं। नेताजी पिछले एक साल से संस्थान के मुखिया के खिलाफ सुर की गंगा बहाये जा रहे थे। कभी पीएचडी के नाम पर तो कभी टेम्परिंग के नाम पर तो कभी वाहनों के पास के नाम पर आदि-आदि। यहां तक कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी अप्रत्यक्ष रूप से मुखिया पर हमला बोलने का कोई मौका छोड़ते नहीं थे। चला-चली की बेला में मुखिया के हाथ नेताजी की एक नस पकड़ में आ गयी है। मामला इतना पुराना है कि नेताजी को भी समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे निपटारा हो। फिलहाल नेताजी, यह कह कर बच रहे हैं कि उन्होंने तो हिसाब दे दिया है, अब यह लेखा विभाग जाने। वहीं लेखा विभाग का कहना है कि हिसाब दे दिया है तो सबूत पेश करो। मुखिया भी हाथ आई मछली को इतनी आसानी से छोड़ने वाले नहीं हैं। उन्होंने भी पूरा मूड बना लिया है कि चलते-चलते कुछ करके जायेंगे। अब देखना है कि कल तक मैदानी इलाके में फर्राटा भरने वाले नेताजी पहाड़ के नीचे आने के बाद क्या करेंगे।

भारी पड़ती नौकरशाही

ब्यूरोक्रेसी बड़ी, नेता छोटा यह सिद्ध हो गया नगर निगम में। अभी तक नगर निगम की मुखिया को विकास कार्य पर खर्च हुई कार्यों की लिस्ट नहीं मिली। मुखिया का यह दर्द बार - बार छलक आता है। नगर निगम के सदन से लेकर छोटी बैठकों में भी विकास कार्यों पर खर्च करने की सूची मांगी जा रही है लेकिन कई महीने बीतने के बाद भी सूची मयस्सर नहीं हुई। बेचारी! मुखिया, परेशान, आखिर किस नेता व मंत्री का हाथ बड़े साहब पर है कि मैंडम को सूची मांगते एक महीना हो गया पर अभी तक सूची न बनी और न मिली। वहीं यह दर्द नासूर बनता जा रहा है। हाल ही में यह दर्द पेपर मिल कालोनी में फर्जी भुगतान के मामले में मुखिया के एक पत्र में दिखा। पत्र में मुखिया ने बड़े साहब की ओर इशारा करते हुए कहा कि मेरे द्वारा एक माह पूर्व विकास पर हुए खर्च की सूची मांगी गयी थी वह अभी तक नहीं दी गयी। ऐसा तब है जब प्रदेश में मुखिया की सत्ता है। यही नहीं नगर निगम में सत्ताधारी दल के पार्षदों की बहुतायत है। अभी नहीं तो कभी नहीं कहने वालों ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब भारत से बाहर सरकार बनेगी तभी मैडम को सूची मिलेगी।

चूक रहे चौहान

खाकी वाले एक दूसरे महकमे की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्री ब्यूरोक्रेसी के दांव-पेंच में उलझकर रह गए हैं। खेल की दुनिया से राजनीति में पर्दापण कर नेतागिरी का चोला ओढ़कर मंत्री तो बन गए लेकिन वो ठसक नहीं आ पा रही है। क्रिकेट की पिच पर भी उन्हें हिलाने की बहुत कोशिश होती थी लेकिन बड़े-बड़े गेंदबाज घंटों उनकी गिल्ली नहीं उड़ा पाते थे। अब राजनीति की पिच पर भी उन्हें बोल्ड करने की कोशिशें शुरू हो गयीं हैं और क्रिकेट सरीखा हुनर वह राजनीति में दिखा भी नहीं पा रहे हैं। यही वजह है कि आए दिन उनकी फजीहत हो रही है। अभी पिछले दिनों ही ब्यूरोक्रेसी ने उनके महकमे से जुड़ा एक अहम फैसला लिया। बजट का बहाना बनाकर भारी तादात में जवानों को ड्यूटी से हटाकर घर बिठा दिया गया। इस निर्णय से हाहाकार मच गया लेकिन मंत्री को जानकारी तक नहीं थी। उन्हें अगले दिन मीडिया की खबरों से पता चला। वस्तुस्थिति की जानकारी न होने की वजह से उन्होंने जो बयान दिया उससे उनकी नेतृत्व क्षमता को लेकर भी खूब सवालिया निशान लगे। दरअसल इस मामले में ब्यूरोक्रेसी ने उनके साथ पूरी तरह से खेल किया। ब्यूरोक्रेसी ने इस निर्णय की जानकारी गृह महकमे के मुखिया और सरकार के जिम्मेदार हुक्मरान को तो समय से दे दी लेकिन मंत्रीजी को आखिर तक अंधेरे में ही रखा।

पंडित जी...

वंशी बजईया नाच नचईया की जन्मभूमि वाले जिले से आने वाले एक मंत्री आज कल अपने नाम से पहले पंडित लगाने लगे हैं जबकि पहले ऐसा नहीं था। वह इसलिए क्योंकि लोगों के बीच उनकी जाति को लेकर कुछ संशय की स्थिति रहती थी। मंत्री ब्राहमण कुल के हैं मगर उनका जो टाइटिल है उसकी वजह से कुछ लोग उन्हें बढ़ई समझते हैं। इस बारे में मंत्री के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने अपने नाम के आगे अब पंडित लिखना शुरु कर दिया है। उन्होंने अपने मातहतों को भी सख्त हिदायत जारी कर दी है कि किसी भी लिखा पढ़ी में उनके नाम से पहले पंडित शब्द का इस्तेमाल अवश्य किया जाए। मीडिया को जो उनके विभाग की जो खबरें जारी होती है उसमें विशेषतौर पर नाम से पहले पंडित लिखा होता है।

कैसे बढ़े ताकत

मिठास वाले विभाग के माननीय काफी परेशान हैं। उनका ओहदा पहले से ऊंचा हो गया है। कार्यालय भी पहले से बड़ा गया गया है लेकिन उनकी ताकत है कि बढ़ती नहीं। माननीय जी कई कोशिशें कर चुके हैं कि उनकी ताकत बढ़ जाएं। उन्होंने रस की मिठास को भी काफी बढ़ा दिया कि बड़े महाराज उनकी मनोदशा समझ जाएं और उनकी कार्य क्षमता देखते हुए ओहदे के साथ ही उनकी ताकत को भी बढ़ा दें। विडम्बना यह है कि माननीय की ताकत तो बढ़ जाए लेकिन उनके मिठास वाले विभाग का मुखिया सारी ताकत अपने पास रखे बैठा है। कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ता कि माननीय जी अपनी ताकत बढ़ा सकें। मुखिया की स्थिति ये है कि मिठास वाले विभाग को लेकर चाहे माननीय जी की बैठक हो या फिर बड़े महाराज की हर जगह उपस्थित पाए जाते हैं और सभी कामों का श्रेय स्वयं ले लेते हैं। माननीय जी के लिए कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ते कि वह किसी तरह से विभाग में अपने आप को हावी कर सकें।

बिना वेतन के होगी डेढ़ लाख कर्मियों की दीवाली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने दीपावली पर कर्मचारियों को बोनस, वेतन तथा महंगाई भत्ते का भले ही तोहफा दिया हो, लेकिन दो दर्जन से अधिक सार्वजनिक उद्यमो तथा स्थानीय निकाय सहित कई अन्य विभागों को डेढ़ लाख से अधिक सरकारी और अर्द्ध सरकारी कर्मचारी बिना वेतन के दीपावली मनाने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों को वेतन बांटने के लिये इनके पास पैसा ही नही है। कुल मिलाकर सरकार का दीपावली तोहफा लाखों कर्मचारियों के लिये महज लालीपाप साबित होगा। दीपावली से पहले जिन विभागों में वेतन बंटने के आसार नही है, उनमे अस्सी हजार से ज्यादा स्थानीय निकायों के कर्मचारी हैं। इसके अलावा जल निगम के 23 हजार तथा कर्मचारी कल्याण निगम, यूपी एग्रो, वित्तीय विकास निगम, मत्स विकास निगम, बीज निगम, यूपिका तथा आवश्यक वस्तु निगम सहित अन्य निगमों के कर्मचारी है। सरकारी की घोषणा से इनके कर्मचारियों में उम्मीदे तो जागी है, लेकिन विभाग की आर्थिक सेंहत इन्हे चिन्तित किये है। जानकारों के मुताबिक सूबे की कुल 617 निकायों में अधिकांश में आर्थिक संकट की स्थित है। इनके खजाने की सेंहम अपने कर्मचारियों को बोनस, वेतन तथा मंहगाई भत्ते का भुगतान कर पाने की नही है। लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, प्रयागराज तथा वाराणसी जैसे बड़े नगर निगमों को छोड़कर अधिकतर में 25 अक्टूबर से पहले वेतन तथा अन्य भुगतान होने की उम्मीद नही है। ऐसे ही सार्वजनिक उपक्रमों का और भी बुरा हाल है। वन निगम, परिवहन निगम, आवास विकास परिषद, राजकीय निर्माण निगम, सेतु निगम, औद्योगिक विकास निगम तथा राज्य भंडारागार निगम को छोड़कर अन्य निगमों में दीपावली से पहले वेतन का वितरण होना संभव नही है। जानकारों का कहना है कि जल निगम में कुल 23 हजार कर्मचारी हैं। जिसमे साढ़े बारह हजार कर्मचारी सेवारत है और बाकी अवकाश प्राप्त या फिर संविदा कर्मचारी है। जिन्हे अभी सितंबर माह का वेतन नही मिला है। इसके अलावा जल निगम में वर्ष 2012-13 से कर्मचारियों को बोनस नही मिला है। ऐसे में सरकार की घोषणा का जल निगम में पालन हो पाना कठिन है। इसके अलावा बाकी निगमों के भी हालात अच्छे नही है और इनमे दीपावली पर वेतन का वितरण होना मुश्किल हैं। बताते है कि कई निगमों मे तो कई-कई महीने का वेतन नही मिला है और वह बंदी की कगार पर है।

लखनऊ में भी थमा उप चुनाव प्रचार

385072 मतदाता 344 बूथों पर कल करेंगे मतदान, 2923 दिव्यांगजन वोटर चिन्हित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में कैंट विधानसभा उप चुनाव के प्रचार का शोर शनिवार की शाम थम गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 21 अक्टूबर को उप चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा बलों का मुकम्मल इंतजाम किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कैंट विधानसभा का उपचुनाव का मतदान 21 अक्टूबर को होना है। सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान का समय तय किया गया है। बताया कि सभी पोलिंग पार्टियां रविवार को रमाबाई रैली स्थल आशियाना से रवाना की जाएंगी।

कैंट उपचुनाव में जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि रविवार शाम तक यह सभी पोलिंग पार्टियां व सुरक्षा बल अपने मतदान केन्द्र पर पहुंच कर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को सकुशल मतदान केन्द्र पहुंचने और मतदान केन्द्र पर मतदान से संबंधित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होने की जानकारी देंगे। डीएम ने बताया कि मतदान ड्यूटी के लिए रमाबाई रैली स्थल से पोलिंग पार्टियों की रवानगी रविवार सुबह 6 बजे शुरू होगी। प्रचार खत्म होने के बाद शनिवार शाम जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलराज शर्मा ने इस संबंध में अफसरों संग बैठक की। उन्होंने सभी ईआरओ और एईआरओ को निर्देश दिया कि ट्रकों में ईवीएम और वीवीपैट लोर प्लान बनाकर ही रखवाई जाएं। रमाबाई रैली स्थल में विधानसभावार पंडाल बनाया गया है। जहां मतदान कर्मियों को ईवीएम और वीवीपैट के साथ मतदान से जुड़े सभी जरूरी सामान मुहैया करवाए जाएंगे। इनकी रवानगी के दौरान मेडिकल टीम से लेकर फायर ब्रिगेड, ऐ बुलेंस और ठंडे पानी समेत सभी जरूरी सुविधाओं का इंतजाम रहेगा। यहां ठंडे पानी के पांच टैंकर रविवार सुबह पहुंच जाएंगे, हालांकि खान-पान की दुकानें शनिवार से ही यहां सजनी शुरू हो गईं। इसके अलावा रमाबाई रैली स्थल में बने स्ट्रांग रूमों से शनिवार शाम से ईवीएम और वीवीपैट स्मृति उपवन पहुंचाने का सिलसिला भी शुरू हो गया। मतदान के बाद सोमवार 21 अक्टूबर को रमाबाई रैली स्थल में ही पोलिंग पार्टियां ईवीएम जमा करेंगी।

आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

एक टेबल होगी 20 बूथों पर

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के पंडाल में 20 बूथों के लिए एक टेबल बनाई गई है जहां ईवीएम और वीवीपैट का वितरण होगा। मतदान से 48 घंटे पहले शनिवार की शाम को जिले से सटे अंतरराज्जीय सीमाओं को सील कर दिया गया है।

चेकिंग पर जोर, सभी टीमें हाई अलर्ट पर

डीएम ने बताया कि सभी उड़नदस्ते और अन्य टीमें हाई अलर्ट पर हैं और चेकिंग की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। गांवों और शहर की दुकानों में चेकिंग अभियान चला कर अवैध शराब को जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। कहा कि अवैध शराब पर निगह रखने के साथ साथ कैश और अवैध हथियारों के मूवमेंट पर भी कड़ी निगह रखी जा रही है। बताया कि यदि तय समय सीमा के बाद भी कोई पार्टी चुनाव प्रचार करते मिले तो उसको बंद करा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मतदान कक्ष में जाने की अनुमति नहीं

मीडिया के लिए निर्देश दिया गया कि मीडिया कर्मियों को केवल मतदान स्थल में जाने की अनुमति होगी। मतदान कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। मीडिया को किसी भी वोटर को मतदान करते हुए फोटो खिंचने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मतदान से 48 घंटे पूर्व से मतदान वाले दिन तक ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल को प्रतिबंधित किया गया है। मीडिया कर्मी अपने वाहन मतदान केंद्र से 100 मीटर की परीधि के बाहर निश्चित किए गए स्थान पर ही अपने वाहन खड़े करेंगे।

बस्ता 2 सौ मीटर के बाहर लगाए जाएंगे

मतदान के दिन किसी भी पार्टी के द्वारा मतदान केंद्र की 200 मीटर परिधि के अंदर अपना बस्ता नहीं बनाया जाएगा। 200 मीटर की परिधि के बाहर केवल एक टेबल और दो कुर्सी लगा कर बस्ता बनाया जा सकता है। बस्ते पर किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाएगा। बस्ते से केवल सफेद रंग की पर्ची का वितरण किया जाएगा जिसमे मतदाता की भाग सं या क्रमांक और बूथ का नाम जैसी सूचनाएं होंगी, पर्ची पर प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह अंकित नहीं होगा।

सोमवार को जिले में होगा अवकाश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया गया कि मतदान के दिन सवेतन अवकाश घोषित किया गया है। जिसके तहत सभी माल, मार्केट, समस्त सरकारी गैर सरकारी स्कूल कालेज और समस्त सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे, चाय के होटलों और खान पान की दुकानों को छोड़कर। जिसका अनुपालन कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सहायक श्रमायुक्त सहायक निदेशक कारखाना के नेतृत्व में श्रम प्रवर्तन अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया है। जो मतदान के दिन भ्रमण कर के बंदी को सुनिश्चित कराएगी। यदि आदेश की अवहेलना पाई जाती है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

शाम 6 बजे तक बंद रहेंगे लाउडस्पीकर

डीएम कौशल राज शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि शनिवार की शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पर पूर्णतया रोक लगा दी गई है। किसी भी प्रकार की रैली, सभा या रोड शो की अनुमति नहीं है। अगर कोई इसका उल्लंघन करता मिले तो तुरंत उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। शनिवार की शाम 6 बजे से 21 अक्टूबर शाम 6 बजे तक लाउडस्पीकर पर पूर्णतया रोक लगाई गई है। किसी भी पार्टी या कार्यकर्ता द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो तुरंत इस पर कार्रवई करें।

ये प्रत्याशी हैं मैदान में

सुरेश तिवारीः कमल का फूल
अरुण द्विवेदीः हाथी
मेजर आशीष चतुर्वेदीः साइकिल
दिलप्रीत सिंहः हाथ का पंजा
शत्रोहन लालः ट्रैक्टर चलाता किसान
विनोद कुमारः पानी का जहाज
नीलम सरोजः दांत ब्रश
अनुरोध श्रीवास्तवः हेलीकाप्टर
निगमेंद्र मिश्रः माचिस की डिब्बी
सत्यपाल सिंहः गैस सिलिंडर
सच्चिदानंद श्रीवास्तवः सिलाई मशीन
दीपक चौरसियाः गन्ना किसान
सत्येंद्र कुमारः चारपाई

इन पर रहेगा प्रतिबंध

- मतदेय स्थल की 100 मीटर की परिधि में किसी भी वाहन को प्रवेश नही
- प्रत्याशी, एजेंट को 21 अक्टूबर का अलग से वाहन पास जारी किया जाएगा
- होटलों, लॉज, गेस्ट हाऊस व सरकारी गेस्ट हाउस की तलाशी कराई जाएगी
- मतदेय स्थलों पर मोबाइल फोन का प्रयोग वर्जित, मोबाइल के साथ प्रवेश पर रोक
- मतदान के दिन शाम 3 बजे के बाद किसी भी पोलिंग एजेंट को बदला नही जाएगा
- तीन लाख 85 हजार वोटर करेंगे मतदान 385072 मतदाता में 209730 पुरुष मतदाता व 175318 महिला मतदाता, 24 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।
- कैंट विधानसभा में कुल 68 मतदेय स्थल और 344 बूथ बनाए गए है।
- 2923 दिव्यांगजन वोटरों को चिन्हित किया गया है।
- 10 मॉडल बूथ और एक पिंक बूथ का निर्माण कराया गया है।
- उप निर्वाचन के लिए पांच जोनल मजिस्ट्रेट और 19 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति।
- कुल 91 हल्के वाहनों और 105 भारी वाहनों को लगाया गया है।
- 344 बूथों पर मतदान के लिए 380 पोलिंग पार्टियां तैयार की गई हैं।

बिजली मजदूरों को दीवाली से पहले वेतन दिए जाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

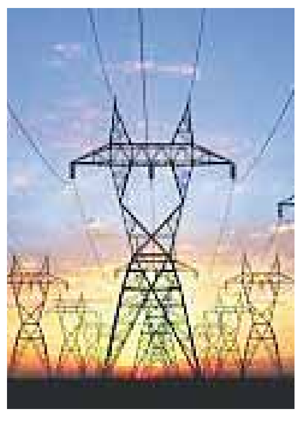

उप्र बिजली मजदूर संगठन ने मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में संगठन की बैठक की और कहा कि संगठन के बार बार अनुरोध पर भी प्रदेश सरकार की भांति बिजली विभाग को अभी तक बढ़े हुए डीए व बोनस का लाभ देने का वर्तमान प्रबन्धन ने कोई आदेश नही दिया। अभी तक बिजली मज़दूरों को माह सितंबर का ही वेतन दिया गया है जबकि प्रदेश सरकार ने अक्टूबर के वेतन भी दीवाली से पहले देने का आदेश कर दिया है।

संगठन के महासचिव सुहेल आबिद ने मांग की कि जिस प्रकार सभी स्थायी कार्मिको को दीवाली से पहले वेतन दिया जा रहा उसी प्रकार सभी संविदा कर्मियों को दीपावली से पहले ही वेतन का भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि संविदा का कर्मी पूरे सूबे में अपनी जान पे खेल कर पूरे सूबे को रोशन करने का काम करता है। लगभग प्रतिदिन पूरे प्रदेश से किसी न किसी बिजली के मज़दूर के शहीद होने की खबर आती है। अगर किसी विभाग के लोग व्यवस्था संभालने की जद्दोजहद में अपनी जान गंवाते है तो वो हैं बिजली के मज़दूर हैं। जहां दीपावली के अवसर पर सभी बिजली कर्मियों व संविदा कर्मियों को अतिरिक्त काम कर के ही बिजली जैसी अति महत्वपूर्ण व्यवस्था को संभालना होगा वहीं यदि दीपावली के अवसर पर वेतन न मिलने पर निश्चित रूप से सभी बिजली के मजदूरों का मनोबल गिरेगा और इस गिरे हुए मनोबल से पूरे विभाग की अच्छी व सकारात्मक कार्य संस्कृति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो कि इस विभाग ही नही पूरे प्रदेश के विकास के हित में नही होगा जिससे वर्तमान सरकार के सबका साथ व सबका विकास का सपना भी पूरा होना संभव नही होगा।

युवा ईकाई के महामंत्री अमिताभ सिन्हा ने कहा कि 'मुख्यालय शक्ति भवन में ही सैकड़ों संविदा कर्मियों का वेतन दो दो माह से लंबित है' और कम से कम इस दीपावली के शुभ अवसर पर तो सभी संविदा कर्मियों को उनके बकाया वेतन का भुगतान हो जाना चाहिए जिससे पूरे प्रदेश को रौशन करने वाले बिजली मज़दूरों का घर भी इस दीपावली को रौशन हो सके। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कुलेन्द्र सिंह चौहान, जिला सचिव नितिन शुक्ला, संगठन मंत्री सागर शर्मा, जुगल मिश्रा, गुफरान वारसी, प्रतीक, दीपक सिंह, आशीष वर्मा, शीराज़, मंजू, सोनिया, अतुल, अजय है।

हरियाणा चुनाव के लिए मतदाताओं को सवैतनिक अवकाश

लखनऊ(पीएनएस)। प्रदेश सरकार ने हरियाणा में 21 अक्टूबर को होने वाले विधान सभा के आम चुनाव के दिन यूपी के सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्यरत मतदाताओं को सवैतनिक अवकाश देने का निर्णय लिया है। चुनाव आयोग के अनुसार इस मतदान के लिए हरियाणा राज्य के उन मतदाताओं को जिनमें उत्तर प्रदेश के दैनिक श्रमिक भी सम्मिलित हैं तथा जो आजीविका के संबंध में उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं को सवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया जायेगा। सामान्य प्रशासन द्वारा इस संबन्ध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त यूपी में सोमवार को होने वाले मतदान के दिन सभी 11 जिलों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपना नाम प्रीति से बदलकर मुस्कान कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से पहचाना जाए। प्रीति उर्फ मुस्कान पुत्री धर्म सिंह, पता-ऐवर रेड्डी चौराहा, भरतपुरी बी, तालकटोरा रोड, बालाजी मन्दिर के पास, लखनऊ।

उत्तर मध्य रेलवे, इलाहाबाद

रेल भर्ती प्रकोष्ठ

सामान्य विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (जी.डी.सी.ई.) कोटा जी.डी.सी.ई. सूचना संख्या जी.डी.सी.ई. 01/2019 दिनांक 21.10.2019

ऑनलाईन अंतिम तिथि 20.11.2019, समय 23.59 बजे

रेल भर्ती प्रकोष्ठ/इलाहाबाद में सामान्य विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (जी.डी.सी.ई.) कोटा के अंतर्गत भर्ती हेतु रेलवे सुरक्षा बल/रेलवे सुरक्षा विशेष बल, विधि सहायक, कैटरिंग पर्यवेक्षक और लेखा विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर उत्तर मध्य रेलवे में सेवारत् कर्मचारियों से **कुल 529 रिक्तियाँ** विभिन्न कोटियों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन के पूर्व अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि विस्तृत विवरण जैसे कि **रिक्तियाँ, पदों का विवरण, शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, आवेदन कैसे करें तथा अन्य सूचना हेतु विज्ञापन संख्या, जी.डी.सी.ई. 01/2019** का संदर्भ ग्रहण करें जो कि **रेल भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे/इलाहाबाद** के विभागीय वेबसाईट **www.rrcald.org** पर दिनांक **21.10.2019** से उपलब्ध है।

अध्यक्ष
रेल भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
बाल्मीकि चौराहा, नवाब युसुफ रोड, इलाहाबाद

1526/19 (R)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

एन सी एल NCL नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(एक मिनिरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)

निविदा सूचना

02 वर्ष ऑनसाइट गारंटी/वारंटी एवं 03 वर्ष विस्तारित व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के साथ 09 नग इसोपेरिबोल बम कैलोरीमीटर (कम्प्लीट सेट) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग हेतु ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत ग्लोबल निविदा संख्या : एनसीएल/एसजीआर/एमएमडी/48/19-20/ग्लोबल/119ए1069/68 दिनांक 11.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य (लाख) : रु. 247.50 एवं खुलने की तिथि 29.11.2019 है।

औद्योगिक उपयोग के लिए ऑक्सीजन और डिजॉलव्ड एसीटिलीन गैस के क्रय हेतु ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत खुली निविदा संख्या : सीडब्ल्यूएस/एपीसी/ओटीई/1355/051 दिनांक 10.09.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य : रु.10,39,999.00 एवं खुलने की तिथि 19.11.2019 को अपराह्न 2:00 बजे।

अमलोरी परियोजना में सीएटी100टी 777डी डंपर के ऑटोमेटिक लुब्रिकेशन सिस्टम संबन्धित स्पेयर क्रय हेतु खुली निविदा संख्या : ए.एम.एल./पी.सेल/ओ.टी.ई./19-20/3198/053 दिनांक 15.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य (लाख) : रु. 18.81 एवं खुलने की तिथि16.11.2019 है।

जयन्त परियोजना में (1) ई.एण्ड.एम बेस वर्कशॉप हेतु कनवेयर रोलर स्पेयर्स (2) आईडीएम-70 ई ड्रील हेतु स्पेयर्स (3) ड्रील के ऑटो ल्यूब सिस्टम के स्पेयर्स को ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत खुली निविदा संख्या :(1) एनसीएल/जयन्त/पी-सेल/19-20/19117/123, (2) एनसीएल/जयन्त/पी-सेल/19-20/19116/125, (3) एनसीएल/जयन्त/पी-सेल/19-20/18033/126 दिनांक (1) (2) 14.10.2019, (3) 15.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिनका अनुमानित मूल्य : (1) रु. 68,27,246.00, (2) रु. 21,94,327.00, (3) रु. 21,62,724.00 एवं खुलने की तिथि (1)13.11.2019, (2)(3) 14.11.2019 है।

पी. एंड एच. शॉवेल हेतु अडाप्टर, सी क्लैम्प एवं वेज के क्रय हेतु ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत खुली निविदा संख्या : डी.सी.एच/पर/ई-ओ.टी.ई./19-20/19114/104 दिनांक 15.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य : रु. 55,92,700.00 एवं खुलने की तिथि 20.11.2019 को पूर्वाह्न 09.00 बजे है।

खड़िया परियोजना में कोयला खंड की मुख्य प्रविष्टि ढाला सड़क पर पश्चिम डंप के आरसीसी रिटेनिंग वॉल के निर्माण हेतु ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत खुली निविदा संख्या : म.प्र./ख.प./सिविल/निविदा/19-20/ई.टी.एन.-307 दिनांक 15.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य : रु. 82,89,791.60 एवं खुलने की तिथि 05.11.2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे है।

कृष्णशिला कॉलोनी के लिए सीवर लाइन बिछाना, टर्नकी आधार पर एक वर्ष के लिए संचालन और रखरखाव हेतु ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति के अंतर्गत खुली निविदा संख्या : केएसएल/सिविल/निविदा/2019-20/ईटीएन117 दिनांक 15.10.2019 आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य : रु. 55,43,350.00 एवं खुलने की तिथि 16.11.2019 है।

नोट : उपरोक्त निविदा(ओं) को कोल इण्डिया लिमिटेड (CIL) की वेबसाइट : https://coalindiatenders.nic.in पर अपलोड कर दिया गया है। प्रत्याशित बोलीदाता उक्त वेबसाइट के जरिये उपरोक्त निविदा(ओं) में शामिल हो सकते हैं। उपरोक्त निविदा(ओं) की पूर्ण जानकारी वेबसाइट : "nclcil.in" या "eprocure.gov.in" या "tenders.gov.in" पर भी उपलब्ध है। R-86

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर, 2019

अब न्यूक्लियर पावर के नाम पर ठगी, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आकाशीय बिजली को अष्टधातु पर गिराकर न्यूक्लियर पावर में परिवर्तित करने का झांसा देकर झटक लिए 52 लाख

सूबे में ठगों द्वारा रोज नए-नए तरीके इजात किए जा रहे हैं। इसी तरह का एक हैरतअंगेज भरा कारनामा उस समय सामने आया जब न्यूक्लियर पावर बेचने के नाम पर ठगी को अंजाम दिया गया। ठगों ने सेना के एक रिटायर्ड जवान को अपना शिकार बनाया और आकाशीय बिजली को अष्टधातु पर गिराकर न्यूक्लियर पावर में परिवर्तित करने का दावा कर हजारों करोड़ में बेचने का झांसा देकर 52 लाख की ठगी कर ली। एसटीएफ ने ठगी करने वाले गिरोह के मास्टर माइंड को लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया। मास्टरमाइंट ने खुलासा किया कि वह अभी तक विभिन्न राज्यों में इसी प्रकार से पांच करोड़ की ठगी कर चुका है। सेना से रिटायर राजेन्द्र सिंह नागरकोटी निवासी फ्लैट नंबर 803 ब्लाक पी शारदा अपार्टमेंट गोमतीनगर विस्तार सेक्टर 4 गोमती नगर द्वारा 19 मई 2019 को थाना विभूतिखण्ड में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसके अनुसार निलेश कुमार मिश्र डायरेक्टर विंटेज एंटीक मेट्ल्स, अशोक कुमार श्रीवास्तव व दिनेश कुमार पांडेय आदि द्वारा बताया गया कि हमारी कम्पनी का हेड आफिस रूस में है। हम लोग अपनी कम्पनी के सांइनटिस्ट व मैटिरियोलाजिस्ट है। आकाशीय बिजली को अष्टधातु पर गिराकर न्यूक्लियर पावर मे परिवर्तित कराकर आर पावर को इंटरनेशनल मार्केट मे हजारों करोड़ में बेचते हैं। जिसमें आपको कुछ लाख रुपए खर्च करने होंगे और आप को हजारों करोड़ रुपए मिल जाएंगे आदि तरह से प्रलोभन देकर उपरोक्त लोगों द्वारा 52 लाख रुपए की ठगी कर ली गयी। एसटीएफ को अभिसूचना संकलन के दौरान ज्ञात हुआ कि निलेश कुमार मिश्रा किसी से ठगी करने के इरादे से लखनऊ आया हुआ है। जिसके बाद उसे साइबर टीम द्वारा विभूतिखण्ड गोमती नगर स्थित एक होटल के पास से गिफ्तार किया गया। निलेश मिश्र ने बताया कि उसने 1999 से 2001 के बीच बाबू बनारसीदास इस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एवं रिसर्च सेन्टर जहांगीराबाद बुलन्दशहर से बीटेक किया फि र 2007 से 2009 तक दिल्ली मैट्रो में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्य किया। उसके बाद वर्ष 2013 में एक विन्टेज एंटीक मेट्ल्स नाम की एक कम्पनी बनायी। इस कम्पनी की आड़ मे हमारे गैंग के सदस्यों द्वारा लोगों से आकाशीय बिजली को अष्टधातु पर गिराकर न्यूक्लियर पावर मे परिवर्तित कर 80 हजार करोड़ प्रति इंच की दर पर इंटरनेशनल मार्केट मे बेचने का झांसा व प्रलोभन देकर विभिन्न राज्यों मे लगभग 5 करोड़ की ठगी की जा चुकी है। वर्ष 2018 में थाना द्वारिका नई दिल्ली पर इसी सम्बन्ध में एक और धोखाधड़ी के लिए पूर्व में भी जेल जा चुका है।

लखनऊ में हत्याकांड में मृत हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी के परिजनों को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दिये जाने की मांग को लेकर हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर भाजपा रक्षा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

कमलेश तिवारी हत्याकांड को लेकर विरोध- प्रदर्शन

मोहनलालगंज(सं.)। हिंदू महासभा के पूर्व अध्यक्ष और हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी की निर्मम हत्या से नाराज युवाओ ने शनिवार को मोहनलालगंज में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर कड़ा विरोध जताया। हत्यारो की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें फांसी पर लटकाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियो ने लखनऊ.रायबरेली राजमार्ग जाम करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस के समझाने पर युवा मान गए और शान्तिपूर्ण जुलूस निकालकर मामले में जल्द कार्रवाई न होने पर जोरदार प्रदर्शन की चेतावनी दी। इस मौके पर युवाओ ने शोकसभा का आयोजन कर ब्रह्मलीन कमलेश तिवारी को श्रद्धांजलि भी दी। प्रदर्शन की अगुवाई प्रमुख रुप से अतुल तिवारी एअश्वनी त्रिवेदी एयोगेन्द्र सिंह ;छोटूद्ध और नितिन तिवारी ने की।

अब्बास अंसारी की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक

विधि संवाददाता। लखनऊ

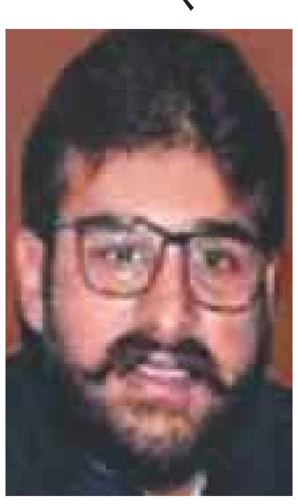

मुख्तार अंसारी के बेटे व अंतराष्ट्रीय निशानेबाज अब्बास अंसारी की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अंतरिम रोक लगा दी है। अब्बास अंसारी के खिलाफ अपने असलहे का लाइसेंस लखनऊ से दिल्ली स्थानांतरित कराने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर रखी है। पीठ ने इस मामले की विवेचना के दौरान तक अब्बास की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई है।

जस्टिस शबीहुल हसैनन व जस्टिस रेखा दीक्षित की पीठ ने यह आदेश अब्बास असंारी की याचिका पर दिया है। याचिका में इस एफआईआर को चुनौती देते हुए इसे रद्द करने की मांग की गई है। याचिका पर बहस करते हुए वकील सिद्धार्थ सिन्हा का तर्क था कि घटना दिल्ली की बताई जा रही है, तो ऐसे में एफआईआर लखनऊ में दर्ज नहीं हो सकता। यह भी कहा गया कि असलहे का लाइसेंस नियमपूर्वक स्थानांतरित कराया गया है। जिसके बाद निशानेबाजी खेल के लिए असलहे लिए गए। अब्बास के पास कोई अवैध असलहा नहीं बरामद हुआ है। एफआईआर दुर्भावनावश दर्ज कराई गई है।

पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से इस याचिका का जोरदार विरोध किया गया। पीठ ने दोनों पक्षों की बहस के बाद अंतरिम आदेश जारी करते हुए अब्बास की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। साथ ही राज्य सरकार को तीन हफ्ते में इस मसले पर अपना प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने का आदेश दिया। बीते 12 अक्टूबर को अब्बास के खिलाफ एसएचओ महानगर अशोक कुमार सिंह ने इस मामले की एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक अब्बास ने शस्त्र लाइसेंस जारी कराकर अवैध तरीके से उसे उप्र से दिल्ली में असलहे खरीदे।

पीएमओ के फर्जी अफसर की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

पीएमओ में उच्च पद पर कार्यरत बताकर अफसरों पर रौब गांठने व उनका आर्थिक दोहन करने के मामले में निरुद्ध मुल्जिम अतुल शर्मा की जमानत अर्जी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। विशेष जज मुकेश कुमार सिंह ने प्रथम दृष्ट्या मुल्जिम के इस अपराध को गंभीर करार दिया है। फौजदारी के जिला शासकीय अधिवक्ता मनोज कुमार त्रिपाठी ने मुल्जिम की जमानत अर्जी का जोरदार विरोध किया। उनका कहना था कि मुल्जिम खुद को अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी काउसिंल का एक्जीक्यूटिव मेम्बर व काउसिंल ऑन फॉरेन रिलेशंस में भी कार्यरत बताता था। साथ ही खड्गपुर से आईआईटी पास आउट भी बता रहा है। इसने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए अपने फेसबुक एकाउंट की प्रोफाइल पर अपना परिचय भूतपूर्व आईबीएम रिसर्च लैबोरेट्री व यूएस डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस रिसर्च बता रखा है। साथ ही अपने एकाउंट पर पीएमओ का भी उल्लेख किया है। जिसके जरिए अफसरों पर रौब गांठता व आर्थिक दोहन भी करता था। इस संबध में अभिसूचना इकाई से भी गंभीर सूचना प्राप्त हुई थी। इसके खिलाफ आयकर विभाग में भी जांच जारी है। इसके बैंक खाते में तीन बड़ी कम्पनियों की रकम पायी गई है। इसके खिलाफ सैन्य अधिकारियों से व्हाट्सएप चैट की भी जांच आवश्यक है। बीते 24 सितंबर को इस मामले की एफआईआर मनोज कुमार ने दर्ज कराई थी। लिहाजा इसकी जमानत अर्जी खारिज की जाए।

कमलेश को मारी गई थीं दो गोलियां

नुकीले हथियार से किए गये 13 घाव नाका स्थित खुर्शेदबाग कालोनी में उनके आवास पर बढ़ाई गई सुरक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

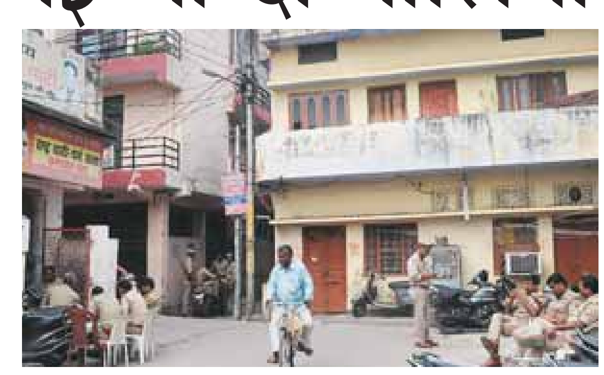

हिन्दू समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक कमलेश तिवारी की उनके आवास स्थित कार्यालय पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी थी जिसके बाद शनिवार को पोस्टमार्टम में जो खुलासा हुआ उसमें डाक्टरों के अनुसार बदमाशों ने .32 बोर की पिस्टल से कमलेश पर दो फायर झोंके थे। एक गोली जबड़े में लगी थी, जबकि दूसरी सिर के पिछले हिस्से में जाकर धस गयी थी। फिर किसी नुकीली वस्तु से सीने के दायीं तरफ दो, बायीं तरफ आठ व पीठ में तीन घाव किये थे। उधर पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए सीतापुर शव ले जाने को तैयार नहीं हुए। उन्होंने वहां मौजूद रहे कमिश्नर व डीएम के सामने कई शर्ते रखीं। उनमें मुख्यमंत्री से मिलने के अलावा मामले की जांच एसआईटी व एनआईए से कराये जाने, परिवार को सुरक्षा देने, मुआवजा और सरकारी असलहे समेत 9 बातें सामने आने पर अधिकारियों ने उनकी ये शर्ते मानने की बात जब लिखित कही, तब परिवार वाले अंतिम संस्कार सीतापुर में किये जाने को तैयार हुए।

हत्यारों को दबोचने के लिए 10 टीमें गठित:सूरत गये एसपी क्राइम दिनेश पुरी के नेतृत्व में सीओ हजरतगंज अभय मिश्रा व सीओ गाजीपुर दीपक कुमार सिंह गैर जनपद रवाना कर दिया है। उनका कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच-पड़ताल की जा रही है। वहीं बची सात टीमें शहर में गंभीरता से जांच कर रही हैं।

मां ने लगाया सीतापुर के एक भाजपा नेता पर आरोप: बेटे का शव नाका के खुर्शीद बाग स्थित घर पहुंचा तो बुजुर्ग मां बदहवाश हो गयी। होश आया तो उन्होंने कमलेश की हत्या की साजिश रचने का आरोप सीतापुर में बीजेपी के नेता शिवकुमार गुप्ता पर लगा दिया। उनका कहना था कि रंजिश के चलते उन्होंने ऐसा किया है। उनकी मानें तो काफी दिनों से सुरक्षा मांगी जा रही थी लेकिन मुहैया नहीं कराई गई। नतीजन मेरा बेटा चला गया।

कमलेश के हत्या में संदिग्ध आये दो लोगों के साथ जो महिला दिखी थी वह थी चुनाव प्रचारक: पुलिस ने बताया कि कमलेश तिवारी की हत्या के बाद जांचे गये सीसीटीवी फुटेज में जिन दो संदिग्धों के साथ एक महिला भी दिखी थी। पुलिस ने उसकी शिनाख्त करते हुए बताया कि उक्त महिला का नाम हिमसिटी कालोनी थाना मड़ियांव निवासिनी शहनाज बानो है जिसने बताया कि वह कैंट में हो रहे उपचुनाव में कंवेसिंग के लिए इकटठा हो रहे थे उसी दौरान उन लोगों ने कालोनी का पता पूछा गया था तो उसने बताया कि उसे नहीं मालूम है।

जीपीओ पर वकीलों ने किया धरना प्रदर्शन: कातिलों की गिरफ्तारी न होने से नाराज वकीलों ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर आंतकवाद का पुतला फूंकते हुए पीड़ित परिवार का 50 लाख का मुआवजा दिये जाने की मांग करते हुए ज्ञापन एडीएम व सीओ चौक को दिया है कि यदि 48 घंटे में मांगें पूरी नहीं हुई तो वो मुख्यमंत्री आवास घेरेंगे।

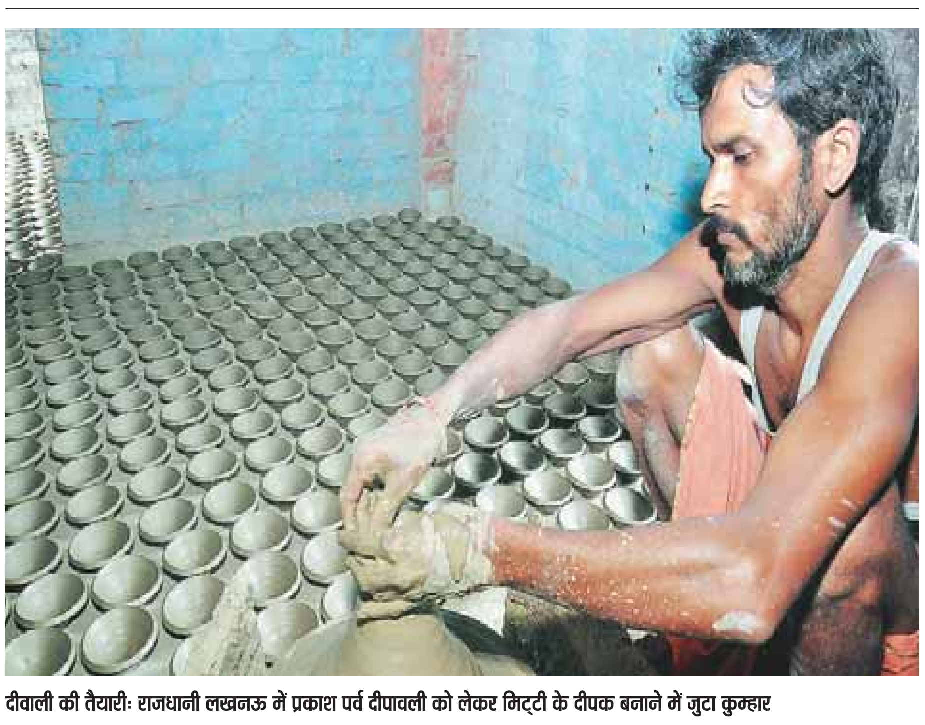

दीवाली की तैयारी: राजधानी लखनऊ में प्रकाश पर्व दीपावली को लेकर मिट्टी के दीपक बनाने में जुटा कुम्हार

ब्लॉक क्रेडिट कार्ड से 58 हजार की शॉपिंग

जालसाजों ने हाईकोर्ट के राज्य विधिक अधिकारी को लगाई चपत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शातिर जालसाजों ने हाईकोर्ट के विधिक अधिकारी के ब्लॉक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर 58 हजार रुपये की ऑनलाइन शॉपिंग कर ली। मोबाइल पर मेसेज आने पर पीड़ित को ठगी की जानकारी हो सकी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर फ्रॉड की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर गुडम्बा रीतेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सेक्टर एच जानकीपुरम निवासी चंद्रकांत राय हाईकोर्ट लखनऊ में राज्य विधिक अधिकारी हैं। चंद्रकांत के मुताबिक उन्होंने करीब दो वर्ष पूर्व एचडीएफसी बैंक से क्रेडिट कार्ड लिया था। जिसे उसने करीब छह महीने पहले बैंक के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके बंद करवा दिया था। पीड़ित के मुताबिक गुरुवार को बैंक से उसके मोबाइल पर एक मेसेज आया। जिसमे जानकारी दी गई कि वह अपने क्रेडिट कार्ड का सितंबर अक्टूबर महीने का बकाया 58386 रुपये पांच नवंबर से पहले जमा करा दें। शुक्रवार को पीड़ित इसकी जानकारी करने बैंक गया। जहां स्टेटमेंट चेक करने पर पता चला कि ब्लॉक कार्ड से पांच अक्टूबर को फ्लिपकार्ट के माध्यम से ऑनलाइन शॉपिंग की गई है। जिसके बाद पीड़ित ने गुडम्बा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के साथ ही साइबर सेल से भी शिकायत की है।

चालक-परिचालकों के लिए कार्यशाला

लखनऊ(पीएनएस)। सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के छठे दिन रोडवेज को चालकों-परिचालकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अवध डिपो में हुआ। कार्यशाला का मुख्य विषय 'हम किस प्रकार सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं' रहा। इस दौरान चालकों-परिचालकों को यात्रियों से व्यवहार करने के गुर भी सिखाए गए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी सिविल सप्लाई आरडी पांडेय बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सड़क हादसों का मुख्य कारण नशे की हालत में वाहन का संचालन करना है। पेट्रोलियम विभाग के अजय उपाध्याय ने बताया कि किस प्रकार कुशल चालन के माध्यम से हम कम से कम ईधन का प्रयोग कर सकते हैं एवं यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि किस तहत से वाहन चलाते समय हम दूसरे वाहन से उचित दूरी बनाकर रख सकते हैं। कुल मिलाकर वक्ताओं ने कार्यशाला में यही निष्कर्ष निकाला की सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण चालकों द्वारा लापरवाही एवं तीव्र गति से वाहन चलाना है, चालक अगर बिना नशे के और यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाएं तो दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। कार्यक्रम में आरटीओ प्रवर्तन विदिशा सिंह, रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस, एआरएम कैसरबाग डिपो श्वेता सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन संजीव कुमार गुप्ता के साथ ही कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शराब के लिए रुपये न देने पर चाकुओं से हमला

मड़ियांव की घटना, आरोपित ने दो युवकों को मारा चाकू, एक की हालत नाजुक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव के फैजुल्लागंज में शराब के लिए रुपये देने से इनकार करना एक युवक व उसके दोस्त को भारी पड़ गया। रुपये न मिलने से बौखलाए आरोपित ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गए। दोनों को लोगों की मदद से ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। फैजुल्लागंज के कृष्णलोक कॉलोनी निवासी छोटू कश्यप के मुताबिक उसका भतीजा अगम शुक्रवार शाम करीब छह बजे अपने दोस्त सनी के साथ पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास बैठा था। तभी कॉलोनी का ही निवासी राहुल आ धमका और अगम से शराब पीने के लिए रुपये मांगने लगा। इनकार करने पर आरोपित गालीगलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने अगम पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू अगम के पेट और हाथों में लगी है। बचाव में आए सनी पर भी आरोपित ने चाकुओं से हमला कर दिया। लोगों को बचाव में आता देख आरोपित धमकी देते हुए भाग निकला। गंभीर रूप से घायल अगम और सनी को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां सनी की हालत नाजुक बनी हुई है। इंस्पेक्टर मड़ियांव विपिन कुमार सिंह ने बताया कि छोटू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दबंगों ने मजदूर को चाकू से किया घायल, मुकदमा

लखनऊ। गोमतीनगर इलाके में जमीन के विवाद में दबंगों ने एक मजदूर पर हमला बोल दिया और उक्त जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर दबंगों ने एक जुट होकर पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गये। जानकारी के अनुसार मकदूमपुर गोमतीनगर निवासी जुग्गीलाल ने बताया कि शनिवार की प्रात: वह अपनी जमीन पर कुछ काम कर रहा था तभी उपरोक्त निवासी शिवदत्त, मायाराम, मनोज, सनोज राम सिंह उनका भतीजा बऊवा व सुन्दरलाल ने जमीन कब्जाने को लेकर वादी पर हमला कर दिया और गाली गलौज करते हुए हमला बोल दिया। वादी ने विरोध किया तो दबंगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया जिससे वह मामूली रूप से घायल हो गया। वादी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर लेकर दबंगों के खिलाफ मारपीट व हमले का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गैरइरादतन हत्या में सजा:लखनऊ। गैरइरादतन हत्या के एक मामले में दोषी करार दिए गए मुल्जिम गरीबे, मंजू उर्फ रामकली व राजावती को सत्र अदालत ने तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे पीएम त्रिपाठी ने इन सभी पर अलग-अलग चार हजार 500 का जुर्माना भी ठोंका है।

तीन अन्तर्राज्यीय चोर गिरफ्तार, बुलेरो बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की नाका पुलिस ने तीन शातिर अन्तर्राज्यीय गिरोह के चोरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गये शातिरों ने शहर के कई स्थानों से चोरी करने की बात कबूल की है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे चोरी के वाहन व 15 अदद बैट्रियां बरामद कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर नाका सुजीत कुमार दूबे ने बताया कि बीती रात पुलिस गस्त पर थी तभी पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि पतुरिया चौराहे के पास तीन शातिर चोर खड़े हैं जिनके पास चोरी के वाहन व अन्य सामान मौजूद है। पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और मौके पर पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि कुछ देर बाद वहां से तीन युवक निकले जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस को शक हुआ और उन्होंने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम राधाग्राम बर्फखाना थाना ठाकुरगंज निवासी अजय, उपरोक्त निवासी हैदर अली व उपरोक्त निवासी मोहम्मद शानू बताया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में शहर के कई स्थानों से चोरियां करना कबूल किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक अदद बुलेरो, एक हाफ डाला व पन्द्रह चोरी की बैट्रियां बरामद की हैं।

कुछ नया कर दिखाने के लिए राजधानी में जुटे विदेशी छात्र

सीएमएस में रंगारंग कार्यक्रमों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'एक्सपो-2019' की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आरडीएसओ कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'एक्सपो 2019' का भव्य उद्घाटन आज सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कुमार, डायरेक्टर-जनरल, आरडीएसओ ने एकता व शान्ति का दीप प्रज्जवलित कर अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'एक्सपो-2019' का विधिवत उद्घाटन किया तथापि खेल जगत की अनेक प्रख्यात हस्तियों सर्वश्री वी. एस. चौहान, अर्जुन पुरस्कार विजेता (एथलेटिक्स), गुलाब चंद, अर्जुन पुरस्कार विजेता (एथलेटिक्स), मनोज तमांग, अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी, अशोक बांबी, पूर्व रणजी खिलाड़ी, श्री कमल कान्त कनौजिया, रणजी खिलाड़ी, अक्शदीप नाथ, कैप्टन, रणजी टीम एवं आईपीएल खिलाड़ी, देवेन्द्र भंडारी, इंटरनेशल हॉकी खिलाड़ी एवं अम्पायर, क्यू. एम. सिद्दीकी, इण्टरनेशनल एथलीट आदि ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की भव्यता में चार चाँद लगा दिये। विदित हो कि सी.एम.एस. आरडीएसओ कैम्पस के तत्वावधान में चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'एक्स्पो-2019' का आयोजन 19 से 22 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें नेपाल, दक्षिण अफ्रीका एवं भारत के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 500 से बाल खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

'एक्सपो-2019' के उद्घाटन समारोह में रंगारंग शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विश्व एकता व विश्व शान्ति के गीत गाते देश-विदेश के बाल खिलाड़ियों की उपस्थिति से लघु विश्व का दृश्य साकार हो उठा। अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'एक्सपो 2015' का शुभारम्भ सर्व-धर्म एवं विश्व शान्ति प्रार्थना से हुआ। इस भव्य कार्यक्रम में सीएमएस छात्रों ने बच्चों ने विश्व के विभिन्न देशों के राष्ट्रीय ध्वजों को हाथों में लहराते हुए सारे विश्व में शान्ति रहे का सन्देश दिया। इसके उपरान्त सीएमएस छात्रों ने भारतीय संस्कृति का आलोक बिखरते एक से बढ़कर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा देश-विदेश से पधारी टीमों के मार्च पास्ट को सभी ने खूब सराहा। इस अवसर पर देश-विदेश के खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कुमार, डायरेक्टर-जनरल, आरडीएसओ ने कहा कि अनुशासन, निष्ठा, राष्ट्रप्रेम तथा खेल भावना ही एक अच्छे और अनुशासित खिलाड़ी की पहचान है, जो उसे समाज व राष्ट्र का आदर्श नागरिक बनाती है। आज के यही खिलाड़ी कल के ओलम्पिक चैम्पियन बनकर देश का नाम सारे विश्व में रोशन करेंगे। उन्होंने सिटी मोन्टेसरी स्कूल को बधाई दी कि खेलों के क्षेत्र में आगे आकर इतना शानदार ओलम्पियाड आयोजित किया गया है। 'एक्सपो-2019' की संयोजिका एवं सीएमएस आरडीएसओ कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती अरुणा नायडू ने देश-विदेश से पधारे बाल खिलाड़ियों, खेल जगत की महान विभूतियों व गणमान्य आतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि इस खेल महोत्सव में खिलाड़ी छात्रों को न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने का अवसर मिलेगा बल्कि उनमें शान्ति और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना उत्पन्न होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की इस खेल महोत्सव से देश-विदेश की उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को अपने दमखम का सर्वोच्च प्रदर्शन करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा, साथ ही प्रतिभागी खिलाड़ी पूरी दुनियाँ को अपनी खेल भावना से विश्व एकता व विश्व शान्ति का सन्देश देंगे।

इससे पहले, आज अपरान्हः सत्र में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में विभिन्न देशों से पधारे बाल खिलाड़ी पत्रकारों से रूबरू हुए और दिल खोलकर अपने विचार रखे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुष्पासदन बोर्डिंग हाई स्कूल, नेपाल से पधारे बाल खिलाड़ियों ने कहा कि उनका इरादा इस ओलम्पियाड में अधिक से अधिक पदक जीतने का है। ये खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लेने को आतुर दिखे। इसी प्रकार चिल्ड्रेन्स एकेडमी, नेपाल से पधारे छात्रों का कहना था कि भारत में उन्हें अपने घर जैसा ही माहौल मिला है और सीएमएस की मेहमान नवाजी ने तो उनका दिल जीत लिया है। फेमिसा, डरबन, दक्षिण अफ्रीका से पधारे बाल खिलाड़ी भी उत्साह से भरपूर दिखे। ये बाल खिलाड़ी खेलों में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने को तो उत्सुक थे ही, साथ ही साथ यहाँ के खान-पान, विचार, रहन-सहन, बातचीत और सामाजिक परम्पराओं को जानने के लिए भी उत्सुक थे।

नृत्य प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सीएमएस छात्रा को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (द्वितीय कैम्पस) की कक्षा-5 की प्रतिभाशाली छात्रा आरना शुक्ला ने अन्तर-विद्यालयी नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता विभू एजूकेशनल, सोशल एण्ड कल्चरल सोसाइटी, लखनऊ, के तत्वावधान में आयोजित हुई। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी नृत्य प्रतिभा का सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथापि आरना ने शानदार नृत्य का प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों व निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों ने सीएमएस अलीगंज (द्वितीय कैम्पस) की इस प्रतिभाशाली छात्रा की नृत्य प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र व आकर्षक पुरस्कारों से पुरष्कृत कर सम्मानित किया। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक व आध्यात्मिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही साँस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्रों में भी छात्रों का रुझान विकसित करता है तथापि उनकी क्षमता को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करता है। यही कारण है कि सीएमएस छात्र पढ़ाई में तो अव्वल रहते ही हैं साथ ही साथ गीत-संगीत, नृत्य, साहित्य व कला जैसे क्षेत्रों में भी विद्यालय के छात्रों ने अलग पहचान बनाई है। इसके लिए छात्रों को विद्यालय में अलग से विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाता है। सीएमएस का लक्ष्य बच्चों को वर्ल्ड लीडर के रूप में तैयार करने वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है। ताकि वे कल के विश्वव्यापी समाज का नेतृत्व अपने विकसित मानवीय दृष्टिकोण से कर सके।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना : ओटी-14-2019

निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं.: ओटी-14-2019; कार्य का विवरण:** मेकैनिकल वर्कशाप, इज्जतनगर में विभिन्न प्रकार के विद्युतीय कार्य अन्तर्गत डेवलेपमेन्ट आफ फैसिलिटीज फार पीओएच आफ 60 नं. बीजी वैगन प्रति माह। **अनुमानित लागत:** ₹ 2,94,85,749.89, **बयाना राशि:** ₹ 2,97,400.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹ 10,000.00, **कार्य सम्पादन की अवधि:** 06 माह। निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय: **11.11.2019 को 14.30 बजे।**

नोट:- ● इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण,
मुजाधि/विद्युत-72 **लखनऊ**

यात्री सुविधा संबंधित शिकायत हेतु मो. नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें।

कबीर तिवारी हत्याकांड में वांछित 25 हजार का ईनामी अपराधी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बस्ती जिले में हुए बहुचर्चित कबीर हत्याकांड में वांछित 25 हजार के ईनामी अपराधी अभिजीत सिंह को एसटीएफ ने लखनऊ से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। छानबीन के दौरान एसटीएफ को सूचना मिली कि बीती 9 अक्टूबर को बस्ती में हुई पत्रकार कबीर तिवारी की हत्या का आरोपी अभिजीत सिंह अपने किसी साथी से मिलने लखनऊ के बिजली पासी किले के पास आने वाला है। इस सूचना पर एसटीएफ ने वहां पहुंचकर घेराबंदी की और अभिजीत निवासी बस्ती को गिरफ्तार किया।

सेंट्रल बार ने वकीलों की हत्या पर की सरकार की निंदा

लखनऊ(विसं)। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ की एक बैठक शनिवार को आदेश कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता एवं संजीव पाण्डेय एडवोकेट महासचिव के संचालन में हुई। संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) अनिल कुमार मिश्रा के अनुसार बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में अधिवक्ताओ की दिनदहाड़े हो रही नृशंस हत्याओं पर प्रदेश सरकार की कड़े शब्दों में निन्दा की गयी। बीते बृहस्पतिवार को जनपद मेरठ में वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गयी तथा उसी दिन लखनऊ मे दिनदहाड़े कमलेश तिवारी राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू समाज पार्टी की निर्मम हत्या कर दिए जाने की कड़ी निन्दा करते हुए अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गयी। साथ ही एसोसिएशन ने यह निर्णय लिया कि अधिवक्ताओं की मांग का यथाशीघ्र समाधान न होने की दशा में अधिवक्ता अपनी मांगों को लेकर सड़क पर आंदोलन को बाध्य होंगे। एसोसिएशन ने इस संबंध में मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया।

दिव्यांगजनों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की नई पहल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिजिटल इंडिया के तहत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ने एक नई पहल की है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सीएससी ने गांव गांव में कौशल विकास कार्यक्रम चलाने का ऐलान किया है। सीएससी के इस कौशल विकास कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को विशेष तरजीह दी जाएगी। सीएससी के कौशल विकास कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सैकड़ों की संख्या में वीएलई मौजूद रहे जिन्हें सीएससी के महाप्रबंधक (स्किल) नवीन शर्मा ने सीएससी द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा कार्यशाला के दौरान कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जा रही तमाम सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए नवीन शर्मा ने बताया कि रोजगार की समस्या को दूर करने के लिए सीएससी ग्राम पंचायत स्तर पर बेरोजगार युवाओं को शैक्षिक एवं तकनीकी रूप से प्रशिक्षण देकर उन्हें पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा दिव्यांगजनों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें आधुनिक कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि शुरुआती स्तर पर चयनित ग्राम पंचायतों में वीएलई द्वारा यह सुविधा बेरोजगार युवाओं को सीएससी सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशाषी अभियंता राम अवतार ने सीएससी सेंटर के माध्यम से विद्युत बिल अधिक से अधिक जमा कराने पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश के सुदूर ग्रामीण इलाकों में ग्रामीणों को सीएससी सेंटर के माध्यम से जब सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो इससे उन्हें बहुत सहूलियत होगी। इसके अलावा कार्यशाला में एचडीएफसी बैंक की ओर से उपस्थित अधिकारियों ने विभिन्न प्रकार के लोन पर दी जा रही छूट के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर सीएससी के स्टेट हेड अतुलित रायए शशि शंकर शुक्ला व मनीष निगम आदि उपस्थित रहे।

तीन दिन तक दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान रहेंगे खुले

लखनऊ(पीएनएस)। शहर के वाणिज्य प्रतिष्ठान को जिलाधिकारी द्वारा तीन दिन के लिए खुले रहने का आदेश दिया गया है। 25, 26 और 27 को वाणिज्य प्रतिष्ठान खले रहेंगे। 30 अक्टूबर को साप्ताहिक बंदी रहेगी। शनिवार को जिला मजिस्ट्रेट कौशल राज शर्मा ने शहर में तीन दिन तक वाणिजय प्रतिष्ठान खुले रहने की अनुमति दी है। जिलाधिकारी ने बताया कि 24 नवम्बर 1966 की अनुसूची के क्रमांक 13 और उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 की धारा 7 के तहत समस्त दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों में धनतेरस से दीपावली के मध्य तीन दिवस 25, 26 व 27 अक्टूबर 2019 खुली रहेंगी। जिलाधिकारी ने शुक्रवार, शनिवार व रविवार पड़ते हैं, खुले रहने की अनुमति प्रदान की गयी है। उसके स्थान पर 30 अक्टूबर 2019 दिन बुधवार को सप्ताहिक बंदी का दिन निश्चित किया गया है।

मध्यॉचल विद्युत वितरण निगम लि0, लेसा, लखनऊ। अति अल्प-कालीन ई-निविदा सूचना विद्युत नगरीय वितरण मंडल-सप्तम, लेसा लखनऊ के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों को कराने हेतु दक्ष एवं अनुभवी ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं से दो भागों में अलग-अलग निविदाएं ई-टेण्डरिग के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के प्रथम भाग में (1) श्रम विभाग द्वारा वाह्रय सेवादाता प्रदाता के रूप में पंजीयन प्रमाण पत्र (2) कर्मचारी भविष्य निधि में पंजीकरण (3) ई0एस0आई0 में पंजी-करण (4) जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र। (5) आयकर प्रमाण-पत्र। (6) विगत तीन वर्षों में उनके द्वारा किये गये अनुबन्धों के अन्तर्गत सम्पादित समान कार्यों का अनुभव प्रपत्र कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र सहित (सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत) (5) जिलाधिकारी द्वारा निर्गत वैध चरित्र प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (8) विगत पाँच वर्षों में सर्वश्रेष्ठ तीन वर्षों का न्यूनतम अनुमानित निविदा लागत का 150 प्रतिशत का रजिस्टर्ड चार्टेड एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित टर्न ओवर की छायाप्रति। (9) हैसियत प्रमाण पत्र या राष्ट्रीयकृत बैंक/शेड्यूल्ड बैंक द्वारा निर्गत क्रेडिट का प्रमाण पत्र जो आमंत्रित निविदा लागत का न्यूनतम 25 प्रतिशत हो। (10) निविदा में भाग लेने वाली फर्म को 10 रू0 के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा कि उसकी फर्म लेसा / मविविनिलि0/ अन्य किसी भी डिस्कॉम में ब्लैक लिस्टेड एवं प्रति-बंधित नहीं है तथा उनके द्वारा दी गई समस्त सूचनायें सत्य हैं। (11) ई-निविदादाता द्वारा निविदा फार्म में अन्य वर्णित विस्तृत समस्त नियम एवं शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। (12) निविदा प्रपत्र (13) आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से जमा की गई निविदा प्रपत्र मूल्य व धरोहर राशि के रसीद की छायाप्रति, वाणिज्यिक, तकनीकी अनुभव आदि प्रपत्र निविदा के प्रथम भाग में तथा द्वितीय भाग में केवल मूल्य/दरें निविदादाता द्वारा उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा खुलने की तिथि से एक दिन पूर्व समय 05.00 बजे तक अपलोड की जानी है। निविदा प्रपत्र में अपलोड किये गये सभी प्रपत्र स्पष्ट एवं पठनीय होने चाहिये। निविदाओं के प्रथम भाग में निर्धारित निविदा मूल्य एवं धरोहर धनराशि कार्यालय के बैंक खाते में आर0टी0जी0एस0 / एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से जमा करने का साक्ष्य यथायोज्य यू0टी0आर0 सं0, पे-इन-स्लिप की मूल प्रति, (इश्यूइंग बैंक के कन्फरमेशन मेल की प्रति) आदि स्कैन करके ई-पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। निविदा प्रपत्र मूल्य एवं धरोहर राशि आर0टी0जी0एस0 / एन0ई0एफ0टी0 द्वारा **"अधिशासी अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-आलमबाग, लेसा, लखनऊ"** के **बैंक खाता सं0 1277784945, आई.एफ.एस.सी. कोड CBIN0280140** सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा - आलमबाग, लखनऊ में जमा होनी चाहिए। निविदा के प्रथम व द्वितीय भाग उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर ही अपलोड की जा सकेंगी। निविदा संबंधी समस्त जानकारी www.mvvnl.in पर भी आवलोकित की जा सकती है, परन्तु निविदा के अवधि विस्तारण, पुनर्प्रकाशन, शुद्धि पत्र, संशोधन अथवा निरस्तीकरण की सूचना www.mvvnl.in एवं https://etender.up.nic.in पर ही अपलोड की जायेगी। निविदा के प्रथम भाग के मूल्यांकन के बाद ही उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के द्वितीय भाग खोले जायेंगे, जिसकी सूचना वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर ही दी जायेगी। निविदा खुलने की तिथि को यदि अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोली जायेंगी। अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये एक या सभी निविदा को निरस्त करने /विभिन्न फर्मों के मध्य विभक्त करने /संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित होगा, निविदा का विवरण निम्नवत् है : **क्र0सं0** 1, **निविदा संख्या** 45/विनविमं-सप्तम/लेसा/2019-20, **कार्य का नाम** वि0न0वि0ख0-तृतीय, लेसा के अन्तर्गत खण्डीय कार्यालय एवं सहायक अभियन्ताओं (मीटर) हेतु 05 अदद् कम्प्यूटर ऑपरेटरों की आपूर्ति 01 वर्ष हेतु। **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)** 1000.00+180.00 जी.एस.टी. सहित (अप्रतिदेय) **धरोहर धनराशि (रू0)** 7800.00, **खुलने की तिथि** 01.11.2019, **अधीक्षण अभियन्ता वि0न0वि0म0-सप्तम, (सिस गोमती) 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र सेक्टर-5डी, वृन्दावन योजना, लेसा, लखनऊ।** पत्रांक-1833, दिनांक-19.10.2019 **"राष्ट्रहित में बिजली बचायें, बल्ब की जगह एल0ई0डी0 जलाएँ"**

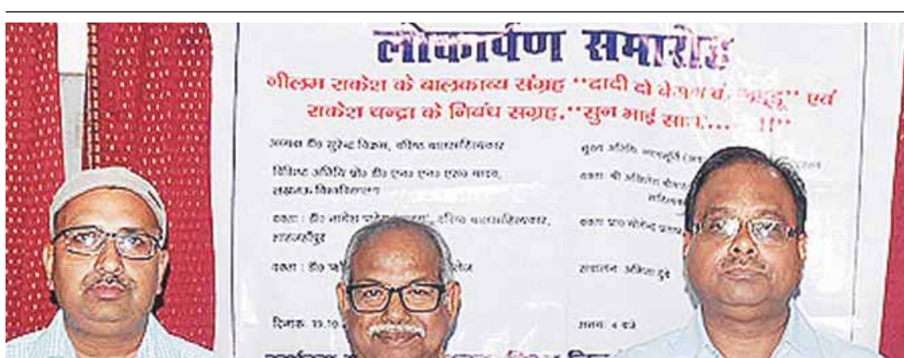

प्रेस क्लब में नीलम राकेश के बाल कविता संग्रह दादी दो बेसन के लड्डू का लोकार्पण करते न्यायमूर्ति डीएन श्रीवास्तव

चार दिन पहले मिले अज्ञात महिला के शव की शिनाख्त

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर इलाके में 4 दिन पहले बीते बुधवार को मिले 45 वर्षीय अज्ञात महिला के शव की पहचान हो गई है। पुलिस के मुताबिक यह शव पारा इलाके के काशीराम (डूडा) कॉलोनी निवासी पेंटर रमेश गौतम की पत्नी रेखा का था। रेखा सरोजनीनगर में टीएस मिश्रा अस्पताल की तरफ ही निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करती थी। पुलिस का कहना है कि रेखा बुधवार शाम को जब वापस घर नहीं पहुंची तो उसके परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन कीए लेकिन उसका कहीं कोई अता पता नहीं चल सका। जिसके बाद रमेश शुक्रवार को पारा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचा। जहां उसे सरोजनीनगर इलाके में 2 दिन पहले एक अज्ञात महिला का शव मिलने की जानकारी हुई। यह जानकारी होने के बाद रमेश पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा और उसने उक्त शव की पहचान अपनी पत्नी रेखा के रूप में की। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान होने के बाद मामले की गहराई से छानबीन की जा रही है। इसके अलावा अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिल सकी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

उधर पुलिस सूत्रों ने बताया कि रेखा आलमबाग स्थित एक निजी अस्पताल में काम करती थी और करीब 3 साल पहले वहीं काम करने वाले सरोजनीनगर इलाके के एक युवक से उसके अवैध संबंध हो गए। लेकिन कुछ दिनों बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच अनबन हो गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बुधवार को वही युवक अस्पताल में रेखा के पास पहुंचा और उसे किसी बहाने से सरोजनीनगर के टीएस मिश्रा अस्पताल से कलिया खेड़ा की तरफ जाने वाली रोड पर ले आया। जहां युवक ने उसकी हत्या कर शव को सड़क से दूर फेंक दिया और बाद में घटना अंजाम देकर वहां से फरार हो गया। सूत्रों की माने तो पुलिस इस मामले में इलाके के दो युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ भी कर रही है। हालाकि पुलिस ने ऐसी किसी बात से इनकार किया है। बताते चलें कि बीते बुधवार सुबह एक 45 वर्षीय अज्ञात महिला का शव सरोजनीनगर के अनौरा गांव स्थित टीएस मिश्रा अस्पताल के पास से कलिया खेड़ा की तरफ जाने वाली सड़क पर अस्पताल से करीब 400 मीटर दूर पड़ा मिला था। सड़क से करीब 20 मीटर दूर वन विभाग की जमीन पर मृत पड़ी मिली महिला के चेहरे पर गंभीर चोटों के कई गहरे निशान थे। वहीं पोस्टमार्टम होने के बाद शनिवार शाम शव लेकर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए आलमबाग। दुबग्गा रोड स्थित पुराने पारा थाने के पास सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन भी किया।

किसान ने गांव के ही कुछ लोगों पर लगाया मारपीट का आरोप

संवाददाता। सरोजनीनगर

बंथरा इलाके के एक किसान ने गांव के ही कुछ लोगों पर 4 दिन पहले घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि इस घटना में उसका छोटा भाई बुरी तरह घायल हो गया। बाद में अस्पताल से इलाज कराने के बाद शनिवार को उसने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। बंथरा के लीला खेड़ा निवासी बृजेश कुमार गौतम के मुताबिक बुधवार को उसका छोटा भाई सर्वेश घर में मौजूद था। तभी वहां पहुंचे गांव के ही विजय कुमारए आशीषए दिलीप और अश्वनी ने उसके ऊपर खेत की मेड़ काटने का आरोप लगाते हुए घर में घुसकर उसकी पिटाई कर दी। जिससे उसका एक पैर टूटने के साथ ही शरीर में कई जगह गंभीर चोटे आ गई। जानकारी होने के बाद घायलावस्था में उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत में सुधार होने के बाद बृजेश ने शनिवार को पांचों आरोपियों के खिलाफ बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फ्लिहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली की हो जांचः केएस गौतम

उत्तर प्रदेश लोक निर्माण ग्रेजुएट जूनियर इंजिनियर्स कल्याण समिति का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश लोक निर्माण ग्रेजुएट जूनियर इंजिनियर्स कल्याण समिति के सदस्यों ने शनिवार को हजरतगंज जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पर डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के खिलाफ धरना देकर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण ग्रेजुएट जूनियर इंजिनियर्स कल्याण समिति के सदस्यों को आरोप है कि डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ अपनी भ्रष्टाचार युक्त कार्यप्रणाली के द्वारा विभागीय अधिकारियों एवं सदस्यों को प्रताड़ित कर रहा है।

प्रदर्शन कर रहे समिति के पदाधिकारी क्रमशः केएस गौतम, अशोक कुमार साहनी ने कहा कि डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ द्वारा 'संघ के मंच' का दुरुपयोग कर झूठी एवं भ्रामक सूचनाएं प्रचारित की जा रहीं हैं। इसके साथ ही डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भ्रामक सूचनाओं के माध्यम से शासन व विभाग पर अपना दबाव बनाने के साथ ही सदस्यों की पदोन्नति की कार्रवाही में बांधा बन रहा है। प्रदर्शन के

दौरान उत्तर प्रदेश लोक निर्माण ग्रेजुएट जूनियर इंजिनियर्स कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मामले में एक ज्ञापन देते शासन से अपेक्षा की है कि वह डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के दबाव में एक पक्षीय कार्यवाही न करे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के प्रति शासन एवं विभाग निष्पक्ष नीति अपनाते हुए उच्चत्तम न्यायालय के आदेश के क्रम में प्रोन्नति मामले में नियमानुसार कार्यवाही करें। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण ग्रेजुएट जूनियर इंजिनियर्स कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 'डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ' के केन्द्रीय पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जांच कराते हुए इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। इस मौके पर समिति के सदस्यों में अनिल कुमार, आरके पाल, एमके श्रीवास्तव, एक रामजगत समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

राममय हो गया अयोध्या का कलाशिविर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग की ओर से चल रहा नौ दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कला शिविर दूसरे दिन की शाम तक पूरी तरह राममय हो गया है। पर्यटन विभाग के विशाल सभागार में जहां देश विदेश के चित्रकारों के कैनवास राम के विभिन्न रूपों से रंग गये हैं, वहीं भारतेंदु नाट्य अकादमी के मंच पर खोन रामलीला की आंगिकी प्रेक्षागार का मुख्य रस बन गयी है। शिविर शुक्रवार को आरम्भ हुआ है।

सात दिनों में तैयार चित्रकृतियों और नाटक का प्रदर्शन अयोध्या में 26 को एक विशाल समारोह में सम्पन्न होगा। सभी कलाकारों के लिए विषय हैं श्री राम लेकिन सभी ने संदर्भ अलग अलग लिए हैं। यही दिलचस्प है। दीप्ति घोष दस्तीदार इस शिविर में भाग लेने कोलकाता से आये हैं। उन्होंने अपनी कृति में संदर्भ लिया है अहिल्या का। सिर्फ और सिर्फ शुद्ध एक्रिलिक रंगों से बड़े कैनवास पर राम और अहिल्या का संदर्भ रूपकृत कर रहे दीप्तिश अहिल्या को स्त्री रूप में दर्शाएंगे या नही यह अभी अप्रकट रहस्य का कौतूहल है। अवधेश मिश्र ने राम में शिव को देखा है। यहां शिव को अपना नेत्र दे रहे राम नहीं है। इस कैनवास पर शिव लिंगरूप में और राम शब्दरूप में प्रकट है। संदर्भ का मर्म रविवार की शाम तक स्पष्ट होता चला जाएगा। विजयवाड़ा से आये गिरिधर गौड़ एक साथ दो पेंटिंग रच रहे हैं। एक में राम हैं तो दूसरे में श्रद्धावनत हनुमान। वे कहते हैं, प्रतिभा के साथ हममें बुराई के रूप में छह रिपु काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर भी सक्रिय रहते हैं। भय, घृणा, हिंसा और झूठ यदि और जोड़ लें तो ये दस सिर हम हमेशा साथ लिए चलते हैं। पहली पेंटिंग में अपने इसी रावण की मृत्यु को दूसरी पेंटिंग में वर्णित उपाय से दर्शाया गया है। इसमें हनुमान श्रद्धावनत हैं। गिरिधर कहते हैं यदि हममें ऐसा समर्पण भाव आ जाये तो बुराई अपने आप सूखे पत्ते की तरह मन और देह वृक्ष से अलग हो जाती है।

रावण के दस सिर ओडिशा से आये मानस रंजन जेना ने भी दर्शाए हैं। भारतीय चित्रकारों के ब्रश जहां एक्रिलिक रंगों से सने हैं वही थाई चित्रकारों को पूरा आत्मविश्वास है अपने थांगका कपड़े और प्राकृतिक ढंग से तैयार रंगों पर। उनके राम उन्ही की शैली में उभर रहे। थाई देश से आये खोन नृत्यशैली के चार शिक्षक भारतेंदु नाट्य अकादमी के प्रेक्षागार में दो दर्जन चुने हुए रंग विद्यार्थियों को अपनी पारंपरिक नृत्यशैली में पारंगत कर रहे। इस शैली में कुछ युद्धकौशल, कुछ मणिपुरी नृत्यशैली और मुखौटा पहनने के एक विशेष ढंग के कारण इसे खोन शैली कहते है। इस शैली में वे युवा कलाकारों को रामलीला नाट्यरूप के लिए निपुण कर रहे। मुख्य संदर्भ राम रावण युद्ध का ही रहेगा।

लखनऊ में ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीस संस्था द्वारा आयोजित गोष्ठी को संबोधित करतीं सांसद रीता बहुगुणा जोशी

विदेशी महिला से छेड़छाड़ में जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

विदेशी महिला से छेड़छाड़ के मामले में निरुद्ध मुल्जिम विजय कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी है। प्रभारी सीजेएम सुनील कुमार ने प्रथम दृष्टया इसके अपराध को गंभीर करार दिया है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अवधेश कुमार सिंह के मुताबिक 16 अक्टूबर को अमेरिकी महिला ने इसके खिलाफ थाना हजरतगंज में एफआईआर दर्ज कराई थी। वो न्यू हैदराबाद स्थित एक कंपनी में कार्य करती है। मुल्जिम विजय उबर बाइक टैक्सी चालक है। उस रोज महिला उसके साथ बाइक से अपने आफिस जा रही थी। इल्जाम है कि उसने रास्ते में महिला के साथ छेड़छाड़ की।

आमजन तक ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ग्राहक संपर्क पहल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आमजन तक सहज रूप से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वित्तीय सेवाएँ विभागए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर ग्राहक सम्पर्क पहल कार्यक्रम का आयोजन समस्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा चिन्हित 400 जनपदों में दो चरणों में किया जा रहा है।

डॉ. रामजस यादव, महाप्रबन्धक एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, उप्र ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में हमारे प्रदेश के चिन्हित 28 जनपदो में ग्राहक संपर्क अभियान का आयोजन किया गया था। इस दौरान प्रदेश के चिन्हित सभी 28 जनपदों मे समस्त बैंको द्वारा विभिन्न मदों मे लगभग 40000 लाभार्थियों को रू 2125 करोड़ के ऋण स्वीकृत किये गये। प्रथम चरण की अपार सफलता के उपरांत वित्तीय सेवाएँ विभाग, वित्त मंत्रालयए भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति उप्र द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों, सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकए एनबीएफसी /एचएफसी/ एमएफआई, निजी क्षेत्र के बैंकों, यूआईडीएआई, नाबार्ड, सिडबी, एमएसएमई संगठन इत्यादि से समंवय स्थापित करते हुए कार्यक्रम का द्वितीय चरण दिनांक 21 से 25 अक्टूबर 2019 तक प्रदेश के 19 जनपदों में 2 दिन के लिए आयोजित किया जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा. निर्देशों व मानदण्डों का अनुपालन करते हुए ऋण सुविधाएँ खुदरा, कृषि, वाहनए गृह, डैड, शिक्षा व्यक्तिगत उपभोक्ता ऋण आदिद्ध को ग्राहको के लिए सुलभ व सहज बनाना है।

इस कार्यक्रम में किसान क्रेडिट कार्ड प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैण्ड अप इण्डिया, फसल अवशेष प्रबंधन हेतु कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही साथ वित्तीय समावेशन योजनाओं एवं उपभोक्ताओं व व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट हेतु जागरूक करने पर भी विशेष ज़ोर दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन जनपद स्तर सभी स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से किया जा रहा है जिसमें बैंक उत्पादों, आधार कार्ड नामांकन, कृषि ऋण योजनाओं आदि की सुविधा मुहैया करायी जायेंगी तथा सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी जनमानस को प्रदान की जायेगी।

लूट का खुलासा करने में नाकाम रही निगोहां पुलिस

निगोहां(सं.)। थाना क्षेत्र के सैदापुर गांव में बीते सोमवार की सुबह किसान परिवार को गन प्वाइंट पर लेकर जेवरात व नगदी लूटने वाले बदमाशो व मंगलवार की रात बेनीगंज .अकबरपुर में कारपेंटर के परिवार को बंधक बनाकर लाखो के जेवरात व नगदी बटोर कर फरार हुये बदमाशो को जल्द पकडने के दांवे करने वाली निगोहां पुलिस चार दिन बीत जाने के बाद भी बदमाशो को तलाशने में नाकाम रहीं।वही दोनो ही घटनाओं के खुलासा ना होने से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा को लेकर भय व्याप्त हो चुका है। ज्ञात हो कि बीते सोमवार रात जहां एक ओर बदमाशो ने सैदापुर गांव में किसान राजकुमार व उनकी पत्नी सरोज को गन प्वांइट पर लेकर कमरे में बक्से में रखे लाखो के जेवरात व नगदी लूट ले गये थे किसान की बेटी की नीद खुलने पर बदमाश उसका मुह दबाकर खेत तक घसीटकर ले जाकर वहा धक्का देकर फरार हो गये।सूचना के बाद कई घंटे बाद मौके पर पहुँच सीओ व इस्पेक्टंर लूटपाट की घटना की गुत्थी सुलझा भी नही पाये थे किमंगलवार की रात निगोहा पुलिस को चुनौती देते हुए बदमाशों ने देर रात बेनीगंज के अकबरपुर में कारपेंटर दिनेश के परिवार को कमरे में बधंक बनाकर लाखो के जेवरात व नगदी बटोरकर चंपत हो गये थे।सूचना के बाद एसपी;ग्रामीणद्ध विक्रांत वीर एसीओ आर के शुक्ला ने मौके पर पहुँचकर जांच पडताल करने के साथ ही दोनो ही घटनाओ के खुलासे के स्वाट (सर्विलांस) सहित पुलिस की कई टीमो को लगाया था।लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी एसपी द्वारा लगायी गयी टीमें व स्थानीय पुलिस दोनो ही घटनाओ का खुलासा करने में नाकाम साबित हुयी। सबसे अहम तो यह है कि चोरी की घटनाओ की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले लोगों को इतना पुलिसिया रौब दिखा दिया जाता है कि कोई थाने में जाने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाता। हालांकि थाना प्रभारी चिरंजीव मोहन ने कहा है दोनो ही घटनाओं के खुलासे के लिये पुलिस की कई टीमें लगी है जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

डेंगू ने दी बीकेटी में दस्तक दो दिन में सात मरीज़ भर्ती

बीकेटी(सं.)। मौसम के बदलते ही बीमारियों ने दस्तक देना चालू कर दिया है। साफ़पानी मे पैदा होने वाले मच्छरों से जनित बीमारी डेंगू ने बीकेटी क्षेत्र में अपने पैर पसारने चालू कर दिये है ।बख्शी का तालाब स्थित राम सागर मिश्र सौ सैय्या अस्पताल में सात से अधिक मरीज अभी तक भर्ती हो चुके है। जिनका महिला पुरुष का अलग अलग वार्ड बनाकर इलाज किया जा रहा है। भर्ती मरीज़ों में भैसामऊ के लवकुश (20), कठवारा के आनंद तिवारी (25), हाजीपुर की मोनिका (22), सेवानगर के अनुराग (31) आदि है। अस्पताल के अधीक्षक अजय अग्रवाल ने बताया कि मरीज़ों को अलग वार्डो में मच्छरदानियों में रखा गया है। उनकी देखरेख विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, रायबरेली

पत्रांक : 577 / एमबी–आरबीएल / पी0डब्लू0(ईओ)–ई–टेन्डरिंग / सू0प्रका0 / 2019–20 दिनांक : 19.10.2019

"अति अल्पकालीन ई–निविदा सूचना"

14वॉं वित्त आयोग / राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यों की निविदायें पालिका के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों / यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिल्डर्स / कान्ट्रैक्टर्स / बैन्डर्स से निविदायें दिनांक 20.10.2019 से दिनांक 30.10.2019 को सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी समस्त कार्यवाही www.e-tender.up.nic.in पर ही की जायेगी। अपलोड की गयी निविदायें दिनांक 31.10.2019 को पूर्वान्ह 11.00 बजे खोली जायेगी। टेण्डर स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। उक्त सूचना www.npprbl.in पर भी देखी जा सकती है। शासन के निर्देशों के अनुसार जी0एस0टी0 भी मान्य होगी। ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से भी किसी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

टेण्डर शेड्यूल (www.e-tender.up.nic.in पर)

क्र0सं0	नगरपालिका परिषद रायबरेली।	ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1-	Tender Release	Tender upload	20-10-2019, 11.00 AM	21-10-2019, 5.00 PM
2-		Tender Download	21-10-2019, 5.00 AM	30-10-2019, 5.00 PM
3-		Bid Submission	21-10-2019, 5.00 AM	30-10-2019, 5.00 PM
4-	Bid Opening		31-10-2019, 11.00 AM	

"कार्य का विवरण"

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आंगणन धनराशि	अर्नेस्टमनी	निविदा मूल्य +18%GST	कार्य पूर्ण की अवधि	कार्य की श्रेणी
1	2	3	4			6
1	वार्ड नं02 के अन्तर्गत मो0 अशोक विहार में होटल शान्ती ग्राउण्ड के मकान वाली गली में नाली व आर०सी०सी० स्लैब कास्टिंग का कार्य।	151650.00	3035	1406	2 माह	डी0
2	वार्ड नं0 17 के अन्तर्गत मो० बूढ़े बाबा मन्दिर से राजकुमार तक निर्मित सड़क नाली पर आर०सी०सी० स्लैब ढालने एवं नाली मरम्मत का कार्य।	144819.95	2896	1381	2 माह	डी0
3	वार्ड नं0 8 के अन्तर्गत मो0 आचार्य द्विवेदी नगर में राम सुन्दर के मकान से बब्बन विश्वकर्मा तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	178792.00	3576	1504	2 माह	डी0
4	वार्ड नं02 के अन्तर्गत मो० बरईपुर (माईनर) में शिव मोहन के भवन से क्षमा के भवन तक कवर्ड नाली व रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	720407.51	14410	3594	2 माह	डी0
5	वार्ड नं08 के अन्तर्गत मो0 आचार्य द्विवेदी नगर में सी०एम०ओ० आफिस गेट के सामने से जेल रोड सम्पर्क मार्ग तक रबरसोल्ड इण्टरलाकिंग रोड व कवर्ड नाली का निर्माण कार्य।	1507928.837	30160	7430	2 माह	डी0
6	वार्ड संख्या 23 मोहल्ला प्रभूटाउन में गणेश फर्नीचर के बगल से पानी ट्यूबेल होते हुये दीनानाथ सेवक के मकान तक रखरमोल्ड इण्टरलाकिंग व नाली मरम्मत का कार्य।	705723.81	14115	3541	2 माह	डी0
7	वार्ड नं0 29 के अन्तर्गत मो० प्रकाश नगर में अजय सिंह के मकान से प्रेमशंकर पाण्डेय के भवन तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग कवर्ड नाली का निर्माण कार्य।	333455.25	6670	2061	2 माह	डी0
8	मो० डिग्री कालेज में रेमण्ड शोरूम के पास से श्री मूर्ति कला केन्द्र होते हुए रामदेव गुप्ता के मकान तक नाला मरम्मत आर०सी०सी० पत्थर व शहीद चौक के सामने व डिग्री कालेज बाउण्ड्री से पुलिस सहायता केन्द्र होते हुए आडिटोरिय गेट तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग व नाली का निर्माण कार्य।	468266.05	9370	2547	2 माह	डी0
9	वार्ड नं0 26 के अन्तर्गत मो० इन्दिरा नगर में अशोक गुप्ता के मकान से बन्दना कश्यप व प्रवीण सिंह के मकान तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग व कवर्ड नाली का निर्माण कार्य।	1174643.11	23495	5730	2 माह	डी0
10	वार्ड न० 22 के अन्तर्गत मो0 कैलाशपुरी में सरिता सिंह के मकान से विमलेश अवस्थी के मकान तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग द रिटर्निग वाल का निर्माण कार्य।	363737.06	7275	2170	2 माह	डी0
11	नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर डस्टबिन अधिष्ठापन का कार्य (200 नग)	295152.00	5904	1925	2 माह	डी0
12	वार्ड नं0 12 के अन्तर्गत मो0 सर्वोदय नगर में ग्रीश सिंह के भवन के सामने से धीरेन्द्र सिंह के भवन तक नाली मरम्मत व रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का कार्य।	402455.42	8050	2310	2 माह	डी0
13	14वॉं वित्त के अन्तर्गत डबल फाटक से पहले रेलवे स्टेशन रोड पर हुब्बा खटिक कूड़ा हद पर गीला व सूखा कूड़ा स्टोर करने हेतु कूड़ा घर का निर्माण।	596425.00	12000	3160	2 माह	डी0

(बाल मुकुन्द मिश्रा)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रायबरेली।

(पूर्णिमा श्रीवास्तव)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, रायबरेली।

स्मृति दिवस परेड का हुआ पूर्वाभ्यास डीजीपी ने ली सलामी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 21 अक्टूबर को सुबह आठ बजे रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड-2019 का शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। डीजीपी ओपी सिंह ने रिहर्सल परेड का निरीक्षण किया। परेड की कमांड सलमान ताज पाटिल पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण द्वारा की गयी। परेड में नागरिक पुलिस सशस्त्र पुलिस, पीएसी, महिला पुलिस, यातायात पुलिस, एटीएस एवं एसडीआरएएफ की टीमें सम्मिलित हुईं। पूर्वाभ्यास के दौरान डीजीपी ओपी सिंह द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को परेड में और सुधार लाने के लिए विस्तृत निर्देश दिए गए। डीजीपी द्वारा परेड में शामिल पुलिस कर्मियों से वार्तालाप किया गया तथा 21 अक्टूबर पुलिस स्मृति दिवस के बारे में अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी स्मृति दिवस परेड में शामिल होंगे। परेड का निरीक्षण करने के उपरांत मुख्यमंत्री द्वारा कर्तव्य के वेदी पर प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस कर्मियों को श्रद्धाजंलि अर्पित की जाएगी।

हाईकोर्ट ने शिवपाल समेत चार विधायकों के बंगला आवंटन मामले में मांगा जवाब

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने विधायक शिवपाल सिंह यादव, आशीष पटेल, पंकज सिंह व नीरज वोरा को बंगला आवंटित करने के मामले में सरकारी वकील को शासन से एक हफ्ते में निर्देश प्राप्त करने का आदेश दिया है। पीठ इस मसले पर राज्य सरकार का पक्ष जानना चाहती है। जस्टिस पंकज कुमार जायसवाल एवं जस्टिस इरशाद अली की पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इन चारों विधायकों को नियमों की अनदेखी कर बंगले आवंटित किये गए हैं। जसवंत नगर से विधायक शिवपाल यादव को बंगला न.-6, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग आवंटित किया गया है। यह बंगला पहले पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को आवंटित था। वहीं बंगला न. 1-ए माल एवेन्यू, विधान परिषद सदस्य आशीष पटेल को आवंटित किया गया है। यह बंगला पहले पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी को आवंटित था। जबकि बंगला न. ए-4 दिलकुशा कॉलोनी, विधायक पंकज सिंह व ए-6 दिलकुशा कॉलोनी, विधायक नीरज वोरा को आवंटित किया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कि ये सभी लोग मात्र विधायक हैं। लिहाजा उक्त बंगला इन्हें आवंटित नहीं किए जा सकते। याचिका में इन चारों बंगलों के आवंटन को रद्द करने की मांग की गई है। साथ ही बंगलों के आवंटन में नियमों का पूर्णतया पालन कराने की भी मांग की गई है।

हवन कर कर्मचारियों के साथ महापौर ने मनाया जन्मदिन

● रोगियों को फलों का वितरण और पौधरोपण किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर ने सफाई कर्मचारियों व उनके परिवार के साथ जन्म दिन मनाया गया। महापौर ने जन्मदिन पर छात्राओं संग काटा केक, वहीं रिटर्न गिफ्ट पाकर खिले छात्राओं के चेहरे, तथा कार्यकर्ताओं ने 72 किलो का लड्डू केक काटा। यही नहीं महापौर ने आश्रम में रोगियों को फल वितरित किया। साथ ही वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया है। शनिवार को महापौर संयुक्ता भाटिया ने अपना जन्मदिन रोगियों की सेवा और बच्चों संग मनाया। महापौर पहले आशियाना स्थित कुष्ट आश्रम में रोगियों को फल वितरण कर किया, इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आश्रम में वृक्षारोपण भी किया। इसके बाद महापौर ने पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से विद्यवती द्वितीय वार्ड स्थित सेक्टर जी पार्क में वृहद वृक्षारोपण कर पार्क की हालत सुधारने की कवायद की। साथ ही पास स्थित मलीन बस्ती के पार्क में संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सफाई कर स्वच्छता की का संदेश दिया। इसके साथ ही महापौर ने अपने जन्मदिन पर उस वार्ड के सफाई कर्मचारियों को खाद्य सामग्री भी वितरित की। महापौर ने अपना जन्मदिन कश्मीरी मोहल्ला स्थित नगर निगम म्युनिसिपल गर्ल्स स्कूल की छात्राओं संग मनाया और उनके साथ स्वयं केक काट कर खिलाया और मिठाई व उपहार भी बांटे। महापौर के जन्मदिन पर रिटर्न गिफ्ट पाकर छात्राओं के चेहरे खिल गए। यही नहीं महापौर ने वीआईपी रोड स्थित शिव शान्ति आश्रम पहुंच कर संत जी का आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ ही आलमबाग गुरुद्वारे में हाजिरी लगाकर अरदास किया।

हवन किया, काटा 72 किलो का लड्डू केक

आलमबाग स्थित मौनी बाबा मंदिर में कार्यकर्ताओं द्वारा महापौर की लंबी उम्र के लिए हवन किया गया। इस दौरान पुरोहितों ने मंत्रोच्चारण के मध्य महापौर को सतत आगे बढ़ जनता की सेवा करने का आशीर्वाद प्रदान किया, इस अवसर पर महापौर संयुक्ता भाटिया की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं द्वारा 72 किलो का लड्डू केक काट प्रसाद वितरण किया गया।

भारत में जैव विविधता संरक्षण आवश्यक

भारत को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेना है। उसे भावी पीढ़ियों के लिए अपनी जैव-विविधता व जर्मप्लाज्म का संरक्षण करना चाहिए अथवा अपनी विरासत को निगमों तथा विदेशी समझौतों के लिए बलिदान कर देना चाहिए?

इंद्र शेखर सिंह
(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं)

नवंबर में भारत को भोजन एवं कृषि हेतु पौधों के जेनेटिक संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय समझौते-आईटीपीजीआरएफए पर वार्ता में हिस्सा लेना है। इसकी आठवीं आम सभा की बैठक रोम में होगी। भारत का क्या दांव पर लगा है? भारत का सारा भविष्य इन वार्ताओं पर निर्धारित है क्योंकि इसका प्रभाव खाद्य व कृषि फसलों की जैव-विविधता व जर्मप्लाज्म पर पड़ेगा। प्रतिनिधियों के अपने शब्दों में, '2001 में मंजूर आईटीपीजीआरएफए एक वैश्विक प्रतिक्रिया है जिसमें जेनेटिक संसाधनों की सुरक्षा के साथ ही उनके प्रयोग के लाभों तक उचि व समतापूर्ण पहुंच के किसानों के अधिकार को भी सुरक्षा दी गई है।'

आईटीपीएफआरए तथा खाद्य एवं कृषि संगठन-एफएओ आंकड़ों के अनुसार भारत खाद्य एवं कृषि पौध जेनेटिक संसाधनों-पीजीएफआरए का सर्वोत्तम स्थल है जिनकी संख्या 7,25,117 है। संक्षेप में, इन वार्ताओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूसरी देशों की न्यूनतम संभव कीमत पर इन पीजीएफआरए तक पहुंच कैसे होगी। यह भी ध्यान देना चाहिए कि भारत जैव विविधता संरक्षण-सीबीडी व नगोया प्रोटोकाल का हस्ताक्षरकर्ता है जिनमें सारी जैव-विविधता पहले ही शामिल है। ये दोनों समझौते बायो-पाइरेसी से संरक्षण देने के साथ ही हमारे जैसे जैवविविधता व जर्मप्लाज्म से समृद्ध देशों को सुरक्षा देते हैं।

पहला मुद्दा स्विजरलैंड में चर्चा का विषय है जिसमें 'अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुच्छेद 3 के अनुसार खाद्य एवं कृषि संबंधी सभी पौध जेनेटिक संसाधनों के लिए बहुपक्षीय व्यवस्था-एमएलएस की बात कही गई है।' हमें गौर करना चाहिए कि स्विटजरलैंड ने ऐसे 39,953 नमूने संरक्षित किए हैं। भारत के पास दुनिया में सर्वाधिक 3,95,001 नमूने संरक्षित हैं तथा संधि होने पर हमें विधिक रूप से इनके बारे में सहयोग करना होगा। इस प्रकार हम सबसे बड़े दानदाता हो जाएंगे। लेकिन क्या यह आर्थिक रूप से ठीक तथा देश के हित में है? जलवायु संकट, ब्रेक्जिट तथा ट्रंपवाद को देखते हुए संभवत: यह विकल्प सबसे अच्छा नहीं होगा।

सभी अन्य पीजीआर को खाद्य एवं कृषि के क्षेत्र में लाने के स्विस प्रस्ताव के बाद भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के बारे में पहले सोचना चाहिए तथा केवल उन फसल प्रजातियों को इसमें शामिल करना चाहिए जो पीजीआर में पूर्व-निर्धारित तथा जनता के लिए सुलभ हैं। संधि के अनुच्छेद 1 में स्पष्ट रूप से उन फसल प्रजातियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जो एमएलएस में उपलब्ध नहीं हैं। वास्तव में भौगोलिक संकेतकों-जीआई वाली हमारी सभी वर्तमान व भावी फसलों को संधि से बाहर रखा जाना चाहिए। वर्तमान समय में चीन इस संधि का हिस्सा नहीं है और वह इसमें शामिल होने के लिए शर्तें लगा रहा है। हमारे पास विशाल पौध जेनेटिक संसाधन-पीजीआर आधार है तथा हमें बिना किसी लाभ इसे दूसरे देशों को नहीं सौंपना चाहिए। अमेरिका हाल ही में सालों से निजी क्षेत्र द्वारा डाले जा रहे दबाव के कारण इसका अध्यक्ष बना है। इसलिए इस संधि पर बड़े वैश्विक कृषि निगमों तथा भू-राजनीति का व्यापक प्रभाव है।

भारत ने अब तक इस मामले में कठोर दृष्टिकोण अपनाया है तथा केवल 26,530 नमूनों की पहुंच एमएलएस को दी है। लेकिन ऐसा करने वाले हम अकेले नहीं हैं। यूरोप के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित एक ठंडे व नम द्वीप ब्रिटेन के पास कुल 8,34,451 नमूने हैं जिनमें से उसने एमएलएस को केवल 44,069 नमूनों तक पहुंच की अनुमति दी है। सभी पीजीआर को संलग्नक 1 में शामिल करने के पहले भारत सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-आईसीएआर, राष्ट्रीय पौध जेनेटिक संसाधन ब्यूरो-एनबीपीजीआर को विश्लेषण करना चाहिए कि कितने पीजीआर तक भारतीय फर्मों की पहुंच एमएलएस के माध्यम से होगी और दूसरे देश इसमें कितना योगदान करेंगे। इस संबंध में एक नीतिगत पेपर प्रकाशित होना चाहिए ताकि नागरिकों को इसके लाभ का पता चल सके।

एनबीपीजीआर को एमएलएस के अंतर्गत भारतीय बीज कंपनियों को मिलने वाले आर्थिक, कृषि व सामाजिक लाभों की गणना भी करनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वार्ताओं में कोई अस्पष्टता या गोपनीयता न हो। हमें स्पष्ट योजना बनानी चाहिए कि हम अपने पीजीआर में कैसे योगदान कर सकते हैं तथा एमएलएस राष्ट्र निर्माण में कैसे सहयोग देगी। भारतीय संग्रह से पीजीआर की पहुंच वाली बहुराष्ट्रीय व विदेशी कंपनियों को राष्ट्रीय कानूनों के प्रति कठोर प्रतिबद्धता प्रकट करनी चाहिए। इनमें खासकर पौध प्रजातियों व किसानों के अधिकारों का संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण-सीबीडी, बीज कानून, बीज नियम व अन्य वर्तमान कानून शामिल हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा होगी जिसमें भारतीय किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली कपास से मैंचेस्टर की मिलें कपड़ा बनाएंगी। इससे भारतीयों को अपनी कपास 400 प्रतिशत अधिक दामों पर खरीदनी होगी। यह माडल बीजों पर भी लागू होगा। ऐसी स्थिति में जहां कुछ देश बीजों पर पेटेंट की अनुमति देते हैं वहां हमारे जर्मप्लाज्म को विदेशी उत्पाद के रूप में पेटेंट कराया जा सकेगा। इसके बाद यही बीज भारतीय किसानों को बेचे जाएंगे। हमें इस मुद्दे पर सावधानी से विचार कर सुनिश्चित करना होगा कि हमारे सारे जर्मप्लाज्म पर भारतीय कानून लागू हों।

पौधों की नई प्रजातियों के संरक्षण पर इंटरनेशनल यूनियन-उपोव सम्मेलन प्रस्ताव इस संधि के माध्यम से लागू होने के प्रयास हो रहे हैं। भारत को आईटीपीजीएफआरए में किसानों के अधिकारों की पैरवी करनी चाहिए। यह उन अधिकारों के संदर्भ में होनी चाहिए जो उनको पौध प्रजातियों के संरक्षण व किसान अधिकार कानून, 2001 में दिए गए हैं। किसानों व ब्रीडरों के अधिकारों के साथ किसी समझौते को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, खासकर इसलिए कि हम उपोव समझौते के हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। भारत को एमएलएस के विस्तार के इस प्रकार प्रयास करने चाहिए ताकि पीजीआर-समृद्ध देशों को उपयुक्त लाभ मिले क्योंकि उन्होंने जर्मप्लाज्म का संरक्षण किया है। इसके लिए भारत तथा अन्य पीजीआर-समृद्ध देशों में क्षमता-निर्माण, विकास तथा शोध एवं विकास-आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। हम प्रस्ताव कर सकते हैं कि इस संधि के अंतर्गत वित्त-प्रायोजित परियोजना से हर प्रदेश को एक्स-सीटू व इन-सीटू पीजीआर संरक्षण की सुविधायें मिलेंगी।

एफएओ ट्रस्ट फंड में महत्वपूर्ण मुद्दा लाभ साझा करना है। भारत को पहले इस फंड की बोर्ड समिति के सामने प्रस्ताव कर सुनिश्चित करना चाहिए कि पीजीआर दानदाता देशों का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह पीजीआर संसाधनों की उपलब्धता व उसमें योगदान पर आधारित हो सकता है। संरक्षण व आरएंडडी की योजना पीजीआर दान के अनुरूप होनी चाहिए। भारत सरकार व एनबीपीजीआर को विश्लेषण करना चाहिए कि पिछले सात या आठ सालों में पीजीआर गतिविधियों की कितनी परियोजनाओं को दूसरे देशों की तुलना में आईटीजीआरएफआरए ट्रस्ट फंड से सहायता मिली है। हमें इस तथ्य पर जोर देना चाहिए कि पीजीआर के वाणिज्यिकरण से होने वाले आर्थिक लाभ सीधे पीजीआर दानदाता देश को मिलें। इसके साथ ही पीजीआर का प्रयोग कर विकसित उत्पाद भी दानदाता देश, खासकर किसानों को तुलनातमक रूप से सस्ते दामों में उपलब्ध होने चाहिए। भारत में सार्वजनिक संस्थानों जैसे आईसीएआर व छोटी तथा मझोली कंपनियों को रियायतें मिलनी चाहिए।

रोम की बैठक में पीजीआर के गैर-भौतिक प्रयोग पर भी चर्चा होगी। जीन एडिटिंग व डिजिटल सीक्वेंस इन्फार्मेशन-डीएसआई जैसी तकनीकी प्रगति से नई किस्में विकसित करने के लिए भौतिक पौध सामग्री की आवश्यकता समाप्त हो सकती है। इसके लिए जीन सीक्वेंस काफी होगा। हालांकि, दुनिया के अन्य देश तथा सीबीडी जैसे संगठन इस दिशा में विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं, भारत को समर्थन करना चाहिए कि डीएसआई व अन्य भावी तकनीकों-सीआरआईएसपीआर को लाभ साझा योजनाओं में शामिल किया जाए ताकि पीजीआर संरक्षण में हमारे प्रयास पीछे न छूट जाएं।

लेकिन शायद सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत वास्तव में किसके साथ बात कर रहा है? क्या ये विकसित देश हैं या देशों के मुखौटे के पीछे छिपे बड़े बहुराष्ट्रीय कृषि निगम हैं? ऐसे निगम आज भारत समेत हर देश में मौजूद हैं और परोक्ष रूप से पीजीआर तक पहुंच बढ़ाने की पैरवी कर रहे हैं। वास्तव में अपने भारतीय सहयोगियों के साथ वे सरकार से आईटीपीजीआरएफए के प्रति नरम दृष्टिकोण अपनाने की अपील कर रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसका कारण यह है कि भारत जैसे देशों ने पीजीआर पर अपना संप्रभु अधिकार प्रकट करते हुए विदेशी बहुराष्ट्रीय निगमों पर जैव विविधता कानून के अंतर्गत भारतीय जैव-विविधता तक पहुंच पर अनेक नियंत्रण लगाए हैं। यदि स्विस प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है तो भारतीय विधि-निर्माताओं को पीछे छोड़ कर पीजीआर के लिए उनके सारे दरवाजे अबाध खुल जाएंगे और इसके लिए वे मुनाफों का मामूली हिस्सा देंगे।

एक बार भारतीय पीजीआर उपलब्ध हो जाने के बाद वे दुनिया के किसी भी हिस्से में बांग्लादेश जैसे देशों में खुली 'क्लाथ स्वीट शाप' की तरह 'सीड स्वीट शाप' खोल देंगे। इनकी डिजाइन चाहे यूरोपीय हो या अमेरिकन, कच्चा माल भारतीय होगा ओर बांग्लादेश में कुछ पैसे प्रति घंटे खर्च पर निर्मित कपड़े बूटिक दूकानों में हजारों डालरों में बेचे जाएंगे। बीजों के व्यापक उत्पादन के लिए सबसे सस्ती श्रम लागत वाले देशों को तलाशा जाएगा और उत्पादों को ज्यादा कीमत देने में सक्षम देशों में भेजा जाएगा। इस स्थिति में बीजों और जैव-विविधता का संरक्षण करने वाले भारतीय किसानों और महिलाओं को अलग-थलग छोड़ कर बड़ी कृषि कंपनियां विकसित देशों में जैव-विविधता का वाणिज्यीकरण करेंगी।

जलवायु परिवर्तन के खतरे को देखते हुए हम केवल विदेशी समझौतों में शामिल होने के लिए अपने पीजीआर की भयानक लूट की अनुमति नहीं दे सकते हैं। हमें चीन से सबक लेते हुए जीववैज्ञानिक विरासत के प्रति ज्यादा कठोर व राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

शी जिनपिंग की नेपाल यात्रा के निहितार्थ

नेपाल व चीन के बीच बढ़ते संबंधों के बावजूद इनकी तुलना भारत से उसके सदियों पुराने संबंधों से नहीं की जा सकती, लेकिन वैश्विक समुदाय को दिया संदेश हमारे पक्ष में नहीं है।

ऋषि गुप्ता
लेखक जेएनयू में शोधकर्ता हैं।

भारत में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अनौपचारिक सम्मेलन के फौरन बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दो दिवसीय नेपाल यात्रा हुई। इससे स्पष्ट है कि चीन नेपाल को कितनी प्राथमिकता देता है। इस यात्रा पर नई दिल्ली की भी गहरी नज़र थी, क्योंकि 1996 में जियांग जेमिन की काठमांडू यात्रा के 23 साल बाद यह किसी चीनी राष्ट्रपति की नेपाल यात्रा थी।

भारत व चीन के बीच स्थित नेपाल सामरिक रूप से पिछले साठ वर्षों से दोनों बड़े पड़ोसियों के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, नई दिल्ली व बीजिंग का उससे संवाद अलग-अलग है। भौगोलिक रूप से नेपाल भारत के लिए किसी आक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने का माध्यम रहा है जो संभवत: उत्तर की ओर से हो सकता था। 1950 में, तिब्बत पर चीन के भयंकर आक्रमण के समय आशंका थी कि चीन नेपाल पर भी हमला करेगा। लेकिन, भारत ने जोर दिया था कि नेपाल के खिलाफ कोई आक्रमण वह अपने ऊपर हमला मानेगा। तिब्बत के चीनी शिकंजे में फंसने के बाद नेपाल ने शाही नेपाली सेना के प्रशिक्षण तथा हथियारों व गोला बारूद के लिए भारत से संपर्क किया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच औपचारिक रक्षा संबंध नहीं थे पर भारत-नेपाल को अनौपचारिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता था। 1950 में हस्ताक्षरित शांति एवं मित्रता संधि में इसका स्थान था।

तिब्बत प्रकरण से पहले दो शताब्दी से नेपाल में शासन कर रहे शाह परिवार को राणा प्रधानमंत्री के नियंत्रण से खतरा था। जिसके फलस्वरूप राजा पृथ्वी नारायण शाह भारत भाग आए थे और उन्होंने मदद की गुहार लगाई थी। भारत की मदद से नेपाल में नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित हुई थी। हालांकि, भारत शाह वंश को सत्ता में स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा चुका था, पर उसने नेपाल की संप्रभुता का सम्मान सुनिश्चित किया। इससे दोनों देशों के बीच विशेष संबंध स्थापित हुए।

दूसरी ओर, तिब्बत में आने के बाद पहले दिन से चीन नेपाल में अपना राजनीतिक व रणनीतिक समर्थन बनाने का प्रयास कर रहा था। जहां पृथ्वी शाह को चीनी इरादों से चिंता थी वहीं उनके वंशज राजा महेंद्र ने नेपाल के राजनयिक संबंधों में परिवर्तन प्रारम्भ करते हुए 1955 में चीन के साथ औपचारिक संबंध स्थापित किए। राजा महेंद्र के निधन के बाद उनके बेटे वीरेंद्र ने भी भारत के साथ नेपाल के समीकरण बदलने के प्रयास किए। चीन की सलाह पर भारत के साथ शांति व मित्रता संधि की समीक्षा पर चर्चा प्रारम्भ हुई। वीरेंद्र ने वैश्विक नेताओं को आमंत्रित कर नेपाल को शांति क्षेत्र घोषित करा दिया। हालांकि, 50 से अधिक देशों ने इसे स्वीकार किया, पर भारत ने शांति क्षेत्र स्वीकार करने से इनकार करते हुए 1950 की संधि का उल्लेख किया। शांति क्षेत्र स्वीकार करने से खासकर उत्तर में भारत की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था। 15 वर्ष से अधिक समय तक भारत को अपने साथ लाने का प्रयास करने के बाद अंतत: वीरेंद्र ने यह योजना छोड़ दी। 1988 में, चीन ने नेपाल को हथियार आपूर्त किए जो भारत के सुरक्षा सरोकारों का पूर्ण उल्लंघन था तथा यह 1950 की संधि भावना के भी खिलाफ था। उस समय भारत-नेपाल संबंध 1995 से 1990 के बीच सबसे निचले स्तर पर थे। चीनी नेताओं ने काठमांडू व नई दिल्ली के बीच विशेष संबंधों को हाशिए पर धकेलने के प्रयास प्रारम्भ किए थे।

शीत युद्ध युग समाप्त होने के बाद भारत में व्यापक आर्थिक सुधार हुए तथा एक व्यापक क्षेत्रीय आर्थिक एकजुटता प्रारम्भ हुई। 1985 में दक्षेस की स्थापना के बाद भारत ने क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों पर जोर दिया। इसकी अभिव्यक्ति गुजराल सिद्धांत से सामने आई जो पड़ोसियों के साथ बिना शर्त सहयोग पर आधारित थी और समान व्यवहार की उम्मीद नहीं की गई थी। यह सिद्धांत भारत द्वारा अपने पड़ोसियों के पगति काफी महत्वपूर्ण परिवर्तन था जिसे वर्तमान सरकार 'पड़ोसी प्रथम' की नीति से आगे बढ़ा रही है। भारत-नेपाल के बीच गहरे संबंध, निकटस्थ सांस्कृतिक धार्मिक, दोनों देशों की जनता के बीच संबंध, लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान तथा एक दूसरे पर अनाक्रमण पर आधारित हैं। लेकिन, पिछले 30 वर्षों से नेपाल में राजनीतिक घटनाक्रम से शासन में अस्थिरता रही है। 1990 के दशक में नेपाल में पहली लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रारम्भ होने के बाद जनता की ज्यादा सहभागिता के रास्ते खुले थे। लेकिन, 1994 से 2006 के बीच माओवादी उग्रवाद ने देश को गंभीर राजनीतिक अस्थिरता में धकेल दिया। 2008 में, नेपाल एक लोकतांत्रिक देश बना तथा राजशाही व्यवस्था पूर्णत: समाप्त कर दी गई। भारत उन देशों में से एक था जिन्होंने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन, पिछले पांच वर्षों में हुई घटनाओं ने नेपाल में भारत की छवि खराब की है। हालांकि, 2015 में नेपाल में भूकंप आने पर सहायता करने वालों में भारत पहला देश था पर उसी वर्ष भारत-नेपाल सीमा पर हुई नाकाबंदी ने आपातकालीन आपूर्ति प्रभावित की। इससे वहां सोशल मीडिया पर 'गो बैक इंडिया' नाम से भारत विरोधी आंदोलन शुरू हुआ।

काठमांडू ने भारत पर ये आरोप भी लगाए कि वह नए संविधान के क्रियान्वयन में विलंब का कारण है। संविधान सभा में संविधान का प्रारूप पेश होने के बाद नेपाल के दक्षिणी भाग में रहने वाले मधेसियों ने सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन प्रारम्भ कर दिया। उनका आरोप था कि उनको कम प्रतिनिधित्व दिया गया है, एवं उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया है। मधेसी आंदोलन के कारण बिहार व उत्तर प्रदेश में विस्थापन का खतरा देखते हुए भारत ने तत्कालीन विदेश सचिव एस जयशंकर को नेपाल भेजा और काठमांडू के सामने भारत के सुरक्षा सरोकार रखे गए। लेकिन, नेपाल की जनता ने इसे ठीक नहीं समझा। इसके बाद से ही काठमांडू भारत के साथ विशेष संबंधों के बजाए चीन के साथ नए संबंधों पर जोर दे रहा है। बेल्ट एंड रोड पहल में सहभागिता तथा चीनी व नेपाली सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास इसके नवीनतम उदाहरण हैं। नेपाल व चीन के बीच बढ़ते संबंधों के बावजूद इनकी तुलना भारत से उसके सदियों पुराने संबंधों से नहीं की जा सकती, लेकिन वैश्विक समुदाय को दिया संदेश हमारे पक्ष में नहीं है। नई दिल्ली को इस संबंध में सतर्क रहना चाहिए। दूसरी ओर, नेपाल में चीन का हस्तक्षेप रणनीतिक लाभ पाने के लिए हैं। अत: वो काठमांडू के साथ भारत के संबंध खराब करने का प्रयास कर रहा है। स्पष्ट रूप से, चीन के ये कृत्य नेपाल में अपनी स्थिति मजबूत करने तथा भारत समेत अन्य दक्षिण एशियाई देशों पर नजर रखने का इरादा है।

ऐसा करने के लिए उसने भारत-नेपाल संबंधों में गिरावट का लाभ उठाया है। नेपाल को 1987 में एक मिलियन डॉलर सैन्य सहायता के साथ 2005 में उसने राजा ज्ञानेंद्र को ट्रकों हथियार आपूर्त किए थे, ताक पूर्ण लोकतंत्र के लिए जनता की मांग को कुचला जा सके।

वर्तमान समय में, 60 अरब डॉलर की कथित नवोपनिवेशवादी बीआरआई की वैश्विक आलोचना के बावजूद चीन उसकी सफलता के लिए इस क्षेत्र में प्रयासरत है। भारत व भूटान के अलाव अन्य सभी दक्षिण एशियाई देश बीआरआई में शामिल हो गए हैं। भारत ने पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि चीन-पाक आर्थिक गलियारा उसकी संप्रभुता का पूर्ण उल्लंघन है क्योंकि यह पाकिस्तान के विवादित क्षेत्रों से गुजरता है। इसलिए भारत इस पहल का हिस्सा नहीं बन सकता। नेपाल में काठमांडू को तिब्बत से जोड़ने वाले पराहिमालयन गलियारे के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है जिस पर पिछले दो साल से चर्चा हो रही है। लेकिन दोनों देशों के बीच ऊंचे पहाड़ों को देखते हुए इस परियोजना का क्रियान्वयन नेपाली अर्थव्यवस्था की परीक्षा होगी। नेपाली नेतृत्व को अपनी धरती पर चीनी योजनाओं पर सावधानी से ध्यान देना चाहिए तथा उनकी वैधता तथा देश की जनता की भावनाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसका कारण यह है कि चीन की सहायता एक अनुदान के बजाए कर्ज का फंदा सिद्ध होती है। इस रणनीति का प्रमुख उदाहरण श्रीलंका का चीनी मदद से बना हंबनटोटा बंदरगाह है। श्रीलंका द्वारा कर्ज अदा न करने के कारण यह बंदरगाह अब चीनी नियंत्रण में हैं और बीजिंग वहां निर्माण कार्य जारी रखे हुए है। शी जिनपिंग की हालिया नेपाल यात्रा एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है, जब वो वहां बीआरआई व अन्य रणनीतिक हितों की सफलता हेतु प्रयासरत हैं। इसलिए, नेपाल को अपनी महत्वाकांक्षाओं तथा जनता के कल्याण को प्रमुखता देते हुए व्यक्तियों व राजनीतिक दलों के हितों को महत्व नहीं देना चाहिए। उस पर क्षेत्रीय संतुलन व सदभावना सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी है।

कोतवाल का कारखास बना अवैध खनन करने वालों का सरपरस्त

संवाददाता। रायबरेली

- मोटी कमाई के चलते बना है ज्यादातर अधिकारियों के आंख का तारा
- तैनाती के बाद से ही सिर्फ करख़ासी के दम पर कर रहा नौकरी

शहर कोतवाली क्षेत्र में अगर आपको अवैध खनन के जरिए मिट्टी की जरूरत है तो पुलिस से डरने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है, आप सीधे शहर कोतवाली पहुंचे और अपनी समस्या बताएं। तत्काल आपको अवैध खनन की मिट्टी दिलवाने का बंदोबस्त पुलिस करा देगी। आपको वहां मौजूद पुलिसकर्मी सलाह देंगे कि कोतवाल के कारखास बृजेश मिश्रा से मिलिए और आपका काम हो जाएगा। इस समय कोतवाली क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार जोरों पर है और उसका पूरा लेखा-जोखा इसी कारखास के पास रहता है। अवैध खनन करने वाले किस क्षेत्र में कितनी गाड़ियां चलाएंगे और हर गाड़ी के हिसाब से महीने में कितना रुपया शहर कोतवाली के खाते में आएगा, यह सब कुछ इस कारखास की उंगलियों के इशारे पर चलता है। उल्लेखनीय है कि अपनी नौकरी का ज्यादातर हिस्सा इस कारखास ने यही कार्य करते हुए बिताया है। जिले में तैनाती के बाद यह लगातार इस अवैध पद के दम पर नौकरी कर रहा है। इसी अवैध कार्य को देखते हुए तत्कालीन एसपी शिवहरी मीणा ने उसका तबादला खीरो थाने में कर दिया था। लेकिन उनके जाने के बाद सेटिंग में माहिर इस पुलिसकर्मी ने फिर वही स्थान प्राप्त कर लिया जिसमें उसे महारत हासिल है। यहां इस बात का भी उल्लेख जरूरी है कि खीरों थाने में तैनाती के दौरान मौजूदा शहर कोतवाल अतुल कुमार सिंह ही वहां के थानाध्यक्ष थे और शहर कोतवाल बनने के बाद उन्होंने अपने चहेते को फिर से अपनी कारखासी का काम सौंप दिया। खीरो से पहले इसने अपनी पोस्टिंग मिल एरिया थाने पर करवाई और उसके बाद गुपचुप तरीके से अपनी रिपोस्टिंग शहर कोतवाली में करवा ली। सिर्फ करख़ासी करने के लिये शहर कोतवाली में इस सिपाही की रिपोस्टिंग भी विभाग में चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल सेटिंग के दम पर अवैध कारोबार में लिप्त सिपाही पर वर्तमान पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगई क्या कार्रवाई करते हैं, यह देखना काफी दिलचस्प होगा क्योंकि अपनी अवैध कमाई के चलते यह कारखास ज्यादातर अधिकारियों की आंखों का तारा बना हुआ है।

क्या होता है कारख़ास !

रायबरेली। कारखास एक ऐसा अवैध पद है जिसका पुलिस विभाग में कोई उल्लेख नही है। यह प्रभारी निरीक्षक का वह करीबी पुलिसकर्मी होता है जो सिर्फ अपने साहब के हर उचित-अनुचित कार्य को बिना किसी सवाल-जवाब के पूरा करे। थाना क्षेत्र से हर महीने अलग- अलग मदों से होने वाली अवैध वसूली का सारा लेखा-जोखा इसी कारखास के पास होता है जिसे पुलिसिया भाषा में थाने की इकजाई बोलते है। यह कारखास प्रभारी निरीक्षक के अलावा थाने पर मौजूद किसी भी अन्य के प्रति जवाबदेह नही होता। इसकी खास तौर पर कही भी अन्य जगह ड्यूटी भी नही लगाई जाती। इसी वजह से यह विभाग के लोगों का चहेता बना रहता है।

मेरा प्रयास जिले का सर्वांगीण विकास कराना: अदिति सिंह

रायबरेली। सदर विधानसभा के विकास खंड राही अंतर्गत ग्राम दरियापुर, कुचरिया, कांटीहार, पूरे फ़ज़ा, भाँव, एवं धोबियन टोला भाँव में चौपाल लगाकर सदर विधायक अदिति सिंह ने न सिर्फ जनता की जनसमस्याओं को सुना बल्कि उनका निराकरण भी किया।

उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुऐ कहा की जिले का सर्वांगीण विकास ही उनकी प्रमुख प्राथमिकता है।

इस दौरान उनकी माता वैशाली सिंह भी जनता से मिली और उन्होंने वादा किया कि पूर्व विधायक जी के अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगी एवं उनके आदर्शों पर चलते हुए सदैव जनता की सेवा करती रहेंगी। इसके बाद उन्होंने नगर पालिका परिषद रायबरेली की ओर से निर्मित क्षेत्र में विभिन्न इंटरलॉकिंग रोडों का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व उनके प्रतिनिधि मुकेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

सरकार को बदनाम करने के लिए घटनाओं को दिया जा रहा अंजामः जिला अध्यक्ष

महराजगंज रायबरेली। प्रदेश की योगी सरकार को बदनाम करने के लिए कुछ अराजक तत्वों द्वारा ऐसी जघन्य घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा हैं जिससे प्रदेश का सौहार्द बिगड़े, और भाजपा सरकार बदनाम हो। यह उद्गार महराजगंज कस्बे के एक स्थानीय होटल पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष ऋषि सिंह व्यक्त कर रहे थे।आपको बता दें कि, राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष ऋषि सिंह ने पत्रकार वार्ता के दौरान अभी पिछले दिनों हुए रवि सिंह हत्याकांड पर भी बोलते हुए कहा कि, इस हत्याकांड के पीछे जो मेन अभियुक्त हैं वह पुलिस की पकड़ से अभी भी कोसों दूर हैं। जनपद की पुलिस मुख्य अभियुक्तों को पकड़कर सजा दिलाने का काम करें। वहीं उन्होंने पत्रकार वार्ता के दौरान 18 अक्टूबर को लखनऊ में हुए हिंदू नेता कमलेश तिवारी की नृशंश हत्या पर बोलते हुए कहा कि, अगर प्रदेश की सरकार पीड़ित परिवार को न्याय नहीं दिला पाएगी तो, राजपूत करणी सेना सड़कों पर उतर कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का काम करेगी।पत्रकार वार्ता के दौरान देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ नीलू, विनय सिंह, डिंपल सिंह, आनंद सिंह (काका), अन्नू सिंह, सनी सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

जिले के सीआरपीएफ जवान को आईजी जम्मू ने किया सम्मानित

महराजगंज रायबरेली। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुबना गांव निवासी एक युवक ने सीआरपीएफमें रहकर विगत 2 वर्षों में जो ख्याति अर्जित की है वह काबिले तारीफ है जिसके चलते सीआरपीएफ के जवान के घर बधाई देने वालों का तांता लगा है। बताते चलें कि महराजगज कोतवाली क्षेत्र के कुबाना गांव निवासी विकास सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह 21 मार्च, 2017 को सिपाही के पद पर तैनात हुआ था और तैनाती के दौरान कई जगहों पर पोसि्टंग रही तथा अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए हमेशा विकास सिंह अधिकारियों की नजर में उच्चता का प्रतीक बना जिसके चलते इस समय विकास सिंह की तैनाती श्रीनगर में है। श्रीनगर में तैनाती के चलते ही जम्मू-कश्मीर में बीडी एस बम निरोधक दस्ता में शामिल होकर आल राउंड प्रतियोगिता में विकास सिंह को सुभाष चंद्र आईजी सीआरपीएफ द्वारा विकास सिंह को अवार्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जैसे ही यह सम्मान विकास सिंह को मिला वैसे ही महराजगंज कस्बा सहित संपूर्ण क्षेत्र में विकास सिंह के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस मौके पर एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक रामलाल अकेला, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू, प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव, दिलीप सिंह गड्डू सिंह, रघुराज सिंह, संदीप राय, प्रहलाद सिंह, बृजेश सिंह, किरेंद सिंह, कुलदीप सिंह, रामू वर्मा, जिला पंचायत सदस्य रविराज सिंह, हलोर प्रधान संत कुमार चौधरी, ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह आदि लोगों ने अवार्ड पाकर सम्मानित हुए विकास सिंह को कोटि कोटि बधाई दी है और कहा है कि निरंतर ऐसे उत्कृष्ट कार्य करते रहो जिससे महराजगंज क्षेत्र ही नहीं पूरे देश का नाम रोशन हो।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मी करते इलाज

डलमऊ रायबरेली। समुदायिक स्वास्थ केंद्र डलमऊ मे आजकल नई परंपरा का सृजन अपने उफान पर है। यहां पर तैनात चिकित्सक प्रदीप गुप्ता अपने व्यवहार व कार्यशैली को लेकर काफी चर्चित हैं। बात बात पर गुस्सा होना और तीमारदारों से लड़ जाना अभद्र व्यवहार ये उनका शौक बनता जा रहा है। इतने पर ही बात नहीं खत्म होती मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करना और विवाद के चलते रेफर बनाने मे देर करना उनके प्रमुख अस्त्र है। कहते है भगवान के बाद धरती पर दूसरा भगवान डॉक्टर होता है पर यहां अपनी करतूत से इस पवित्र पेशे को कलंकित कर रहे हैं चिकित्सक प्रदीप गुप्ता। यहां तक घायलों का इलाज चिकित्सक प्रदीप गुप्ता अपने सामने खड़े होकर चतुर्थ श्रेणी के सफाई कर्मियों से भी कराने मे पीछे नहीं हटते, भले ही इसमे मरीज की जान पर बन आए। दो दिन पूर्व रात्री ड्यूटी के दौरान पट्टे में फंस जाने के कारण घायल बुजुर्ग के साथ आए तीमारदारों के साथ भी काफी झड़प हो गयी जिससे रेफर बनाने को लेकर काफी विलंब हो गया और घायल बुजुर्ग की अधिक रक्तश्राव के कारण लखनऊ जाते समय म्रत्यु हो गयी थी। ऐसे ही बहुत सारे कारनामों से डॉक्टर प्रदीप गुप्ता अपना नाम रोशन कर रहे हैं। कुछ समय पहले एक घायल के इलाज के दौरान घायल का इलाज कर रहे चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी पर इलाज को लेकर किए गए सवाल पर अपना आपा खो बैठे चिकित्सक प्रदीप गुप्ता, हाथापाई पर उतर आए जिसके बाद अधीक्षक विनोद चौहान ने बीच बचाव कर मामले को शांत करने का प्रयास किया था। लेकिन विभागीय मामला होने के कारण अधीक्षक भी चिकित्सक प्रदीप गुप्ता पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं कर सके। यही कारण है कि क्षेत्र की जनता के बीच डाक्टर प्रदीप गुप्ता काफी आलोचित होते हुए भी मजबूरन मरीजों का इलाज कराना पड़ता है।

पंकज तिवारी ने संभाली बछरावां थाने की कमान

बछरावां रायबरेली। के चर्चित प्रभारी निरीक्षक रवेंद्र सिंह को पिछले मंगलवार को उच्चाधिकारियों को गलत सूचना देने के कारण पुलिस अधीक्षक द्वारा लाइन हाजिर किए जाने के बाद बछरावां थाना प्रभारी विहीन था। वहीं पुलिस अधीक्षक महोदय ने रायबरेली विटनेस प्रोटेक्शन सेल से दरोगा पंकज तिवारी को बछरावां थाने की कमान सौंपी। तैनाती के मुताबिक नवीन प्रभारी निरीक्षक पंकज तिवारी ने बछरावां थाने की कमान संभाली। एवं आज समाधान दिवस के मौके पर नायब तहसीलदार रामकिशोर वर्मा के साथ लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए जनसुनवाई शुरू की। जहां एक ओर प्रदेश सरकार की लचर कानून व्यवस्था पर उच्चतम न्यायालय सख्त होकर अपनी टिप्पणी दे रही है वहीं दूसरी तरफ कानून व्यवस्था में सुधार करने की चुनौती भी नए प्रभारी निरीक्षक के सामने ही होगी। क्योंकि राजधानी की सरहद से सटा बछरावां थाना हमेशा सुर्खियों में ही रहता है। पूर्व का काकश हत्या, लूट, डकैती, राहजनी, कच्ची शराब का अवैध कारोबार गली कूचे में जिस तरह से संचालित हो रहा है, उस पर नियंत्रण कर पाना भी नए प्रभारी निरीक्षक के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।

पच्चीस जरूरतमंदों को दी गई स्टिक

लालगंज रायबरेली। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द ने कैम्प लगाकर 25 जरूरतमंद लोगों को स्टिक दी गयी है। कैम्प कार्यक्रम के बारे मे जानकारी देते हुये फिजियोथेरेपिस्ट डा. एसके निगम ने बताया कि चलने फिरने मे जिन लोगो को दिक्कत होती है,उनके लिये सरकारी तौर पर छडी की सुविधा उपलब्ध है।जांचोपरांत हर शनिवार को स्टिक दी जाती है।इसके साथ ही फिजियोथेरेपी के माध्यम से अन्य इलाज भी लालगंज सरकारी अस्पताल मे उपलब्ध है।इस मौके पर डा. राजीव गौतम,डा. शिवम शुक्ला,वीरेन्द्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गैस रिफिलिंग का गोरखधंधा जारी, हो सकता है हादसा

बछरावां रायबरेली। बीते सोमवार को मऊ जनपद के मोहम्मदाबाद नगर पंचायत के वलीदपुर में गैस सिलेंडर में लीकेज के वजह से आग लगने से 13 लोगों की जान गई और 15 लोग घायल हो गए। दुर्घटना में दो मकान भी धराशाई हो गए। जिससे मऊ जनपद की घटना से पूरे प्रदेश में लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। वहीं दूसरी तरफबछरावां नगर पंचायत और क्षेत्र में गैस रिफिलिंग का वर्षों से अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। लेकिन प्रशासन कोई बड़ी अप्रिय घटना का इंतजार कर रहा है।

वही आलम तो यह है कि बछरावां नगर पंचायत में आधा दर्जन से अधिक भीड़-भाड़ इलाकों में खुलेआम डंके की चोट पर घरेलू सिलेंडरों से गैस रिफिलिंग का अवैध कारोबार हो रहा है। यहां तक कि पुलिस प्रशासन से लेकर इंडेन कंपनी के अधिकारियों को इस अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। वही गैस रिफिलिंग के कारोबार करने वाले अवैध गोदाम बना कर दर्जनों सिलेंडर से अधिक प्रतिदिन गैस रिफिल करते हैं। सबसे विचारणीय प्रश्न तो या है की कई कई दर्जन घरेलू उपयोग में आने वाले सिलेंडरों के 40 से 50 सिलेंडरों का एकमुश्त स्टोर और उसके बाद इतने अधिक मात्रा में बगैर गोदाम के घनी आबादी के बीच घरों में रखकर गैस रिफिलिंग होना लोगों के जीवन से खिलवाड़ करके अवैध कमाई के धंधे पर रोक ना लगना एक यक्ष प्रश्न है।

दूसरी तरफ इतनी अधिक मात्रा में इन कारोबारियों के पास इतने अधिक मात्रा में घरेलू सिलेंडर कौन इन तक पहुंचाता है और किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित होता है जिसको लेकर बछरावां नगर व क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी कुछ वर्ष पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के बगल में गैस सिलेंडर के फटने से एक मकान ध्वस्त हो गया था और उससे पूर्व गैस रिफलिंग के कारोबार में गैस रिफिल करते समय घटना घटी थी जिसमें गैस रिफलिंग करने वाले की जान तो बच गई थी। लेकिन वह दिव्यांग हो गया था। गैस रिफलिंग के अवैध कारोबार के बारे में बछरावां स्थित पप्पन गैस एजेंसी के प्रोपराइटर से जब बात की गई तो बताया कि यह सिलेंडर हमारे एजेंसी से इन तक नहीं पहुंचते हैं।

लेकिन मजेदार बात तो यह है की गैस सिलेंडरों की डिलीवरी करने वाले बछरावां नगर व क्षेत्र में गैस रिफलिंग की दुकानों पर आए दिन देखे जा सकते हैं तो कहीं ना कहीं इन्हीं की संलिप्तता से ही इन गैस रिफिलिंग करने वालों को सिलेंडर की सप्लाई भी की जाती है। नहीं तो इतनी अधिक मात्रा में इनके पास घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर कैसे पहुंचते हैं वही सबसे बड़ा सवाल तो यह है मऊ की घटना के बाद लोगों में दहशत व्याप्त है आम जनमानस भय के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है। चर्चा है कि कई बार लोगों ने पूर्व में इंडेन गैस सर्विस और जिला आपूर्ति अधिकारी को शिकायत भी की गई लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा और गैस रिफलिंग के इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही का ना होने से आम जनमानस परेशान है।

क्विक न्यूज

थाना दिवस में आईं कुल आठ शिकायतें, निस्तारण शून्य

डलमऊ रायबरेली। शनिवार को डलमऊ कोतवाली में थाना दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता तहसीलदार प्रतीत त्रिपाठी ने की। थाना समाधान दिवस में तहसीलदार प्रतीत त्रिपाठी ने आए लोगों की शिकायत सुनते हुए उन शिकायतों पर उचित निस्तारण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जिससे मौके पर एक भी शिकायतों का निस्तारण नहीं हो पाया। थाना समाधान दिवस पर कुल आठ शिकायतें मिली जिनमें कोई भी शिकायत मोके पर निस्तारित नहीं की जा सकी। शिकायतों को संबंधित लेखपाल के माध्यम से निस्तारण का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर लेखपालों के साथ प्रभारी श्रीराम, उपनिरीक्षक मनोज यादव, सभासद विनोद निषाद, आदि समाधान थाना दिवस में मौजूद रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने नपं अध्यक्ष के भाई के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

डलमऊ रायबरेली। शनिवार को शोकाकुल नगर पंचायत अध्यक्ष ब्रजेश दत्त गौर से उनके निवास पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने मिलकर अध्यक्ष के आदर्श रहे बड़े भाई उमेश दत्त गौर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि इस दुख की घड़ी मे कांग्रेस पार्टी दिनो रात आपके साथ खड़ी रहेगी। ऐसी स्थिति में किसी भी व्यक्ति का विचलित होना स्वाभाविक है। ऐसे समय मे हम आपके परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ जुड़ें रहेंगे। नगर अध्यक्ष ब्रजेश दत्त गौर ने भीगी आंखों से आए हुए सभी लोगो का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के नामी व्यापारी धर्मेंद्र त्रिपाठी, राकेश द्विवेदी, सराय दिलावर ग्राम प्रधान आशीष सोनी सहित कई लोग उपस्थिति रहे।

जमीनी विवाद में दो का चालान

लालगंज रायबरेली। लालगंज पुलिस ने जमीनी विवाद के मसले मे दो लोगों के खिलाफकार्यवाही की है। मामला गोविन्दपुर कठोइया का बताया जाता है।मामले मे कार्यवाही करते हुये लालगंज पुलिस ने महेन्द्र पुत्र देशराज और देशराज पुत्र राजाराम का चालान एसडीएम कोर्ट डलमऊ भेजा है।

कमलेश तिवारी की निर्मम हत्या से लोगों में भारी आक्रोश

लालगंज रायबरेली। लखनऊ मे कल हुयी हिन्दू महासभा के अध्यक्ष कमलेष तिवारी की निर्मम हत्या से बैसवारा क्षेत्र मे शोक की लहर दौड गयी है। लोगो मे भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लालगंज नगर के समाजसेवी दीपप्रकाष शुक्ला, सुशील शुक्ला, आशीष बाजपेयी, संतोष सिंह, अभिषेक शुक्ला, आलोक शुक्ला, कैलाश बाजपेयी, मनोज मौर्य, वेदपाल सैनी, बाबूलाल लोधी, भूपेन्द्र सिंह, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष संतोष सिंह, राजू शर्मा, चन्द्रशेखर शरण सिंह, देवेश अग्निहोत्री विवेक शर्मा, मृत्युंजय बाजपेयी, शिवम गुप्ता आदि लोगो ने कमलेश तिवारी के हत्यारो को शीघ्र पकडने की मांग की है। लोगो का कहना है कि लखनऊ जैसे शहर मे दिनदहाड़े हुई हत्या से लोगो मे असुरक्षा की भावना दौड गयी है। उल्लेखनीय है कि कमलेश तिवारी को सरकारी गनर सुरक्षा के बाबत उपलब्ध थे। फिर भी उनकी हत्या पुलिस सुरक्षा पर सवालिया निशान लगाती है। लोगो ने कमलश तिवारी के हत्यारो को फांसी दिये जाने की मांग की है।

रिजर्वेशन खिड़की चार बजे तक खोलने की मांग

लालगंज रायबरेली। लालगंज रेलवे स्टेषन पर आरक्षण प्रणाली का समय कम होने के चलते लोगो को भारी मुसीबत उठानी पड रही है जबकि व्यवसाय के मामले मे लालगंज रेलवे स्टेषन रेल विभाग को अच्छा फायदा मिलता है। लालगंज के लोगो मे रिजर्वेशन बुकिंग खिडकी को चार बजे तक खोलने की मांग की है। रेलवे स्टेषन पहुंचे व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा न बताया कि पूर्व मे रिजर्वेशन बुकिंग खिडकी प्रातः आठ बजे से चार बजे तक चलती थी। अब आठ बजे से मात्र दो बजे तक ही खुलती है। जबकि दिल्ली मेल का प्रयाग से वापस आने सायं पांच बजे के आसपास है। आये दिन दिल्ली मेल ट्रेन लेट होती है तो लोगो को अपना टिकट वापस करने लिये सुविधा उपलब्ध नही है। लोगो को भारी नुकसान उठाना पडता है। वहीं रेल मे रिजवशन कराने वाले लोग प्राइवेट साइबर कैफे का सहारा लेते है। लालगंज से रेल विभाग को अच्छी खासी आमदनी भी होती है। फिर भी रेल विभाग लालगंज रेलवे स्टेशन पर सुविधायें नही उपलब्ध करा पा रहा है। सफाई कर्मचारियो को कई कई माह तक पैसा नही मिल पाता है। लालगंज के व्यापारियो ने रेल मंत्री से लालगंज रेलवे स्टेशन पर जनहित की सुविधाओ को उपलब्ध कराये जाने की मांग की है।

दो पक्षों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

लालगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के मदूदपुर मे हुयी फौजदारी के मामले मे पुलिस ने दोनों पक्षो का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मारपीट दलित और लोधी बिरादरी के लोगो के बीच हुई। दलित पक्ष की ओर से सीमा पत्नी श्रीनाथ ने दुखहरन लोधी, लल्लन लोधी, सोनू लोधी, हेमराज लोधी, गुदल्ले लोधी व अनूप लोधी के खिलाफ धारा 308,506,323,147 सहित हरिजन एक्ट मे मामला दर्ज कराया है। मामले मे घटना के बाबत जानकारी देते हुये सीमा देवी ने बताया कि उसकी ननद सोनी संन्यासिन है। प्रतिपक्षी उसके साथ जबरन मारपीट करने लगे। जब उसने ऐतराज जताया तो उसे भी लाठी से मारा। साथ ही सोनी व मोनी को भी मारा पीटा। मारपीट की घटना मे सोनी बेहोश हो गयी। पुलिस ने घायलो का मेडिकल अस्पताल मे कराया है। वहीं दूसरे पक्ष से राजकिशोर पुत्र दुखहरन ने भी श्रीनाथ पुत्र राजाराम, सोना देवी पुत्री राजाराम व सीमा पत्नी श्रीनाथ के खिलाफ धारा 323,506,352 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। राजकिशोर ने बताया कि प्रतिपक्षी की छोटी लडकी मेरे सहन मे झूठन फेकने आयी थी। मना किया तो श्रीनाथ कट्टा लेकर आ गया और फायर कर दिया। मिस हो जाने के चलते श्रीनाथ ने कट्टे के बट से वार कर दिया। श्रीनाथ के अलावा उसकी पत्नी सीमा व सोना देवी ने भी मारपीट की है। कोतवाल विनोद सिंह ने बताया कि दोना पक्षो का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद कार्यवाही की जायेगी।

संजीव बने बाल टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष

रायबरेली। जिला टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक संपन्न हुई जिसमें एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। नई कार्यकारिणी मैं अध्यक्ष पद के लिए संजीव कुमार शुक्ला के नाम का प्रस्ताव रखा गया जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर अजय पांडे उपाध्यक्ष के पद पर विवेक सिंह, सचिव मुन्ना लाल साहू, संयुक्त सचिव गौरव त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार तथा सदस्य के रूप में अनुपमा रावत, इला श्रीवास्तव, पूनम, नरेंद्र यादव का चयन किया गया। बैठक में एसोसिएशन के नए अध्यक्ष के नेतृत्व में एक राज्यस्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन किए जाने का भी प्रस्ताव किया गया।

अर्धनग्न अवस्था में मिला महिला का शव

बछरावां रायबरेली। थाना क्षेत्र के जोहवा हिसार गांव में धान की पिटाई करने गयी अधेड़ महिला का धान के खेत में अर्धनग्नवस्था में शव मिलने गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर तहकीकात शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के जोहवा हिसार गांव में 44 वर्षीय एक अधेड़ महिला अपने खेतों में धान पीटने के लिए गई थी। जिसके बाद उसकी लड़कियां खेतों में धान लेने के लिए पहुंची तो मां वहां पर नहीं मिली। देखा कि वहां पर सामान भी बिखरा हुआ मिला। लड़कियों ने जिसकी सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद आनन फानन में परिजनों एवं ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर खोजबीन शुरू कर दी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस एवं ग्रामीणों द्वारा खोजबीन करने के बाद खेत से लगभग 500 मीटर की दूरी पर दूसरे खेत में धान के बीचो बीच महिला का अर्धनग्न अवस्था मे शव मिला। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष की चाची का निधन

शिवगढ़;रायबरेली। कांग्रेस कमेटी के शिवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष दिग्विजय सिंह उर्फमुन्ना भैया की चाची सावित्री देवी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी, जिला संगठन सचिव दिनेश यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष शुक्ला, राम भजन मौर्य, गिरिजेश श्रीवास्तव, पराग प्रसाद रावत सहित लोगों ने अंतिम दर्शन यात्रा में शामिल होकर शोक संतृप्त आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शिवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष दिग्विजय सिंह उर्फ मुन्ना भैया की चाची के निधन की खबर सुनकर अंतिम दर्शन यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

अनियंत्रित ट्रक मकान में घुसा

खीरों (रायबरेली)। थाना क्षेत्र के खीरों-सेमरी मार्ग पर स्थित गांव केतनापुर में एक अनियन्त्रित ट्रक सड़क के किनारे स्थित एक मकान में घुस गया जिससे मकान का दरवाजा व दीवार आदि क्षतिग्रस्त हो गए। लेकिन बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद ट्रक चालक व खलासी ट्रक छोड़कर मौके से भाग गए। जानकारी के अनुसार केतनापुर निवासी अनिल सिंह पुत्र राम विलास सिंह का मकान खीरों-सेमरी मार्ग के किनारे बना हुआ है। शनिवार की सुबह लगभग चार बजे ट्रक सीमेंट लादकर खीरों की तरफ से सेमरी की तरफजा रहा था। अनिल सिंह अपने परिवारजनों के साथ घर के अन्दर सो रहे थे। ट्रक अनियन्त्रित होकर दरवाजे खड़े आम के पेंड से रगडता हुआ और नीम्बू के बड़े पेंड को तोडता हुआ घर के अन्दर घुस गया। इससे अनिल सिंह के मकान का दरवाजा टूट गया और दीवारों में भी दरारें आ गईं। जब तक अनिल सिंह आवाज सुनकर बाहर निकल पाते उससे पहले चालक व खलासी आदि ट्रक छोड़कर मौके से भाग गए। आवाज सुनकर ग्रामीणों का मजमा लग गया। ग्रामीणों का कहना था कि ईश्वर की कृपा से बड़ा हादसा टल गया, यदि अनिल सिंह के परिवारजन दरवाजे सो रहे होते तो बड़ा हादसा हो जाता। सूचना पर पहुंची खीरों पुलिस ने मामले की जांच की। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच की गयी है, ट्रक के अनियन्त्रित होने से घटना हुयी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी।

‘370 हटा भारत मां के सीने से खंजर निकाला’

● भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

संवाददाता। रसूलाबाद कानपुर देहात

पीएम मोदी ने मंगल पर तिरंगा फैराया। कश्मीर से 370 व 35ए धारा को हटाकर भारत माँ के सीने से खंजर निकाला। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, 11 करोड़ शौचालय, 50 लाख परिवार को आयुष्मान दिया। यह सब ईमानदार नेता गरीबों के लिए काम करने वाला करता है। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कही।

शनिवार को गांधी संकल्प यात्रा के समापन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह रसूलाबाद के लालू गांव पहुंचे। वहीं इससे पहले रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की सीमा में प्रवेश करते ही भाजपाइयों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत करना शुरू कर दिया। जहां पर विषधन के निकट भाजपा नेता रमेश चंद्र चौधरी दिवाकर ने कमल के रूप में स्मृति चिन्ह देकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह लालू स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे। जहां पर उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश के 38 करोड़ लोगों के जीरो के खाते खुलवाए, किसान सम्मान निधि सीधे खाते में आती है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवरियों की यात्रा में हेलीकाप्टर से फूलों की वर्षा कराई। कुम्भ नहाने गए लोगो ने स्वच्छता देखी। पेट काटकर बच्चों को पढ़ाओ वही आपका चारधाम है। घर में स्वच्छता रखो, आसपास साफ-सफाई रखें। खेल-खेल में बच्चे अगर लड़ें तो आप न लड़ें। लड़ाई को जाति धर्म का रूप न दें। बच्चे बच्चे होतें है चाहे हिंदू के हो या मुसलमान के लेकिन आपस मे लड़े न। जाति की भावना ह्रदय से निकालें। तिरंगा झंडा के लिए हजारों लोगों ने कुर्बानी दी। देश को कई पार्टियों ने लूटा। ऋषि मुनियों ने भाजपा पार्टी को बनाया। थोड़ी थोड़ी बात पर पार्टी से नाराज़ न हो। तपस्या करके यह पार्टी खड़ी हुई। जो कार्यकर्ता जनता की परिक्रमा करता है वो नेता है और जो नेता की परिक्रमा करता है वह दलाल होता है। सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि देव तुल्य कन्नौज लोकसभा क्षेत्र की जनता ने मुझे जिताया है। सभी के हित में कार्य करूंगा। उन्होंने आए हुए सभी का आभार प्रकट किया। इस मौके पर विधायक निर्मला संखवार, विधायक कैलाश राजपूत, विनोद कटियार, प्रतिभा शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपू सिंह, निर्मला संखवार, पूर्व मंत्री सतीश पाल, प्रभारी वीर सिंह भदौरिया, रानी सुनीता सिंह, जिलाध्यक्ष राहुल देव अग्निहोत्री, ब्लाक प्रमुख कुलदीप सिंह यादव, बब्बन शर्मा सहित कई भाजपाई उपस्थित रहे।

प्रदेश के खाद्यान्न घोटाले की जांच आईजी एसटीएफ छह माह में पूरी करें: हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों (प्रयागराज, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायबरेली) में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से हुए खाद्यान्न घोटाले की जांच आईजी एसटीएफकर रही है।

हाईकोर्ट ने इस गंभीर मामले की जांच छह माह के भीतर पूरी कर जांच की प्रगति रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सरकार की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट मे दी गयी रिपोर्ट के मुताबिक इस खाद्यान्न घोटाले में 458 मामले अभी तक दर्ज किए जा चुके हैं। इस सम्बंध में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहे जस्टिस प्रदीप कुमार सिंह बघेल एवं जस्टिस पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ के समक्ष सरकार की तरफसे एडिशनल चीफ स्टैडिंग कॉउंसिल ए के गोयल ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि अब तक खाद्यान्न घोटाले में 458 मामले दर्ज किये जा चुके हैं और इस मामले को पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ को स्थानांतरित किया गया है, जो इस मामले की जांच स्वत: कर रहे हैं। वह इस मामले में पहले नोडल अधिकारी के रूप में महानिरीक्षक, साइबर अपराध नियुक्त किये गए थे। याचिकाकर्ता की तरह से चार्ली प्रकाश ने बहस की।

कोर्ट ने छह महीने के भीतर जांच पूरी कर पूरी प्रगति रिपोर्ट न्यायालय कर समक्ष रखने का आदेश दिया है। याचिका कर्ता के वकील के अनुसार हाल ही में हंगर इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार 117 देशों में भारत का स्थान 102 नंबर पर है। जनहित याचिका नरेश कुमार अग्रवाल ने दायर की है।

अब बिरधा चौकी इंचार्ज से क्षुब्ध युवक ने खाया जहर

● न्याय न मिलने से क्षुब्ध था युवक, जिला चिकित्सालय पहुंचे क्षेत्राधिकारी

ललितपुर। कोतवाली अन्तर्गत चौकी बिरधा के ग्राम सतरवांस निवासी पंकज पाराशर पुत्र शिवचरण पाराशर उम्र 45 बर्ष हाल निवासी चौबयाना ललितपुर ने खेत में खडी फसल दवंगो द्वारा चरा लेने और शिकायत करने पर कोई कार्यवाही न होने के साथ साथ पुलिस द्वारा उसी को प्रताड़ित करने से झुब्ध होकर हेयर डाई पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की कोशिश की। पीड़ित को जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया है जहाँ उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। सी.ओ.सदर तत्काल चिकित्सालय पहुंचे और पीडित की बात सुनी और उसे न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। पीडित द्वारा बताया गया है कि उसके खेत पर खडी फसल को कुछ दबंग किस्म के लोगों द्वारा जवरन जानवरो से चरा लिया गया। उलहना देने पर उसके साथ अभद्रता और गाली गलौज की और जब वह दूसरे पक्ष की रिपोर्ट लिखाने 10 अक्टूबर को पुलिस चौकी बिरधा गया तो पुलिस ने उल्टा उसे ही रात भर चौकी में बिठाये रखा और जवरन समझौता लिखा लिया और छोडने के लिये उससे पैसे भी लिए। विपक्षियों दुवारा पुलिस से मिलकर उसे फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी जारही है और पुलिस दूसरे पक्ष पर कोई कार्यवाही नही कर रही थी जिससे झुब्ध होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। पीड़ित ने बिरधा पुलिस पर अवैध रूप से पैसे माँगने और पैसे न देने पर में फर्जी मुकदमे में फंसाने की बात से लगातार मानसिक प्रताड़ना के बाद आखिरकार उसने आत्महत्या का मन बनाया और कीटनाशक पीकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया। पीडित पंकज पाराशर किसान है और खेती करके ही अपने परिवार का भरण पोषण करता है।

साजिश: रेल ट्रैक पर रखे मिले खंभे, चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी झेलम एक्सप्रेस

आगरा। आगरा-दिल्ली रेल ट्रैक पर ट्रेन पलटाने की साजिश रची गई। मथुरा के फरह थाना क्षेत्र में रेल ट्रैक पर किसी ने दो खंभे रख दिए। गनीमत रही कि चालक की सर्तकता की वजह से बड़ी साजिश नाकाम हो गई। आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। गांव कुरकंदा के समीप रेल लाइन पर फैंसिंग के टूटे दो खंबे रखे हुए थे। शुक्रवार देर रात इस लाइन पर आ रही झेलम एक्सप्रेस के चालक को खंभे दिखाई दिए तो इमरजेंसी लगाकर ट्रेन रोक दी। अचानक झटका लगाने पर ट्रेन में सवार यात्री दहशत में आ गए। जब ट्रेन रुकी तो यात्रियों एक.दूसरे से जानकारी ली। बाद में पता चला कि ट्रैक पर खंभे रखे हुए हैं। ट्रेन के चालक दल ने खंभे हटाकर किनारे किए और आरपीएफ को सूचना दी। मौके पर पहुंची आरपीएफ ने छानबीन की। इस दौरान काफी देर तक झेलम एक्सप्रेस खड़ी रही। आरपीएफ ने थाना फरह में अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। हैरत की बात यह कि फरह पुलिस ने अभी तक कोई केस दर्ज नहीं किया है। फरह पुलिस और रिफाइनरी पुलिस में इस मामले को लेकर सीमा विवाद है। दोनों थाने एक.दूसरे पर मामला टाल रहे हैं। इस स्थिति में लेखपाल को पैमाइश के लिए बुलाया गया। पैमाइश के बाद लेखपाल ने बताया कि यह मामला थाना फरह क्षेत्र का है । वहीं इस सूचना से रेलवे के अफसरों को अवगत करा दिया गया है। ट्रैक पर खंभे रखे जाने के पीछे साजिश की भी आशंका जताई जा रही है ।

दिल्ली हाइवे में दरार आने से मचा हड़कंप

● लोनिवि ने कहा, अधिक बरसात से चटकी सड़क

संवाददाता। हमीरपुर

हमीरपुर शहर से कुछ दूर दिल्ली हाइवे मार्ग में दरार आ जाने से हडकम्प मच गया है। एक साल पहले बनी यह सड़क नगर निगम की लापरवाही से ध्वस्त होने लगी है। जिस पर अधिशाषी अभियन्ता अपने बचाव में ज्यादा बरसात होने से सड़क ध्वस्त होने का कारण बता रहे है।

जानकारी के मुताबिक जनपद का लोक निर्माण विभाग घटिया सड़क बनाने के लिए हमेशा प्रसिद्ध रहा है। एक साल पहले हमीरपुर से उरई तक बनाया गया अरबो रूपये का यह मार्ग चटकना शुरु हो गया है। जिससे विभाग में हड़कम्प मच गया है। वहीं अधिशाषी अभियन्ता ओपी श्रीवास्तव का कहना है कि अधिक पानी बरसने से मामला सड़क चटक गयी है। जबकि यह बात किसी भी इंजीनियर के गले नही उतर रही है। विभाग के लोगो को कहना है कि जब से अधिशाषी अभियन्ता ओपी श्रीवास्तव ने कार्यभार संभाला तब से विभाग पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। उनकी हिटलरी व मनमानी के चलते कर्मचारी यहा से तबादला कराकर भाग रहे है। यही नही महीने मे एक आद बार बैठते है और अपने आवास से सरकारी कामकाज निपटाते है। उनके लिए मुख्यमंत्री का आदेश कोई मायने नही रखता है।

प्रेमिका के परिजनों के पीटने से घायल हिस्ट्रीशीटर की मौत

बांदा। चित्रकूट जिले में पहाड़ी थाना क्षेत्र के नांदी गांव में करवा चौथ व्रत पूजन के दौरान कथित तौर पर प्रेमिका के परिजनों की पिटाई से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर प्रेमी की मौत हो गई है।

पहाड़ी के थानाध्यक्ष (एसओ) जयशंकर सिंह ने शनिवार को बताया 2001 में पहाड़ी थाने से हिस्ट्रीशीटर घोषित अखिलेश मिश्रा (36) और उसकी कथित प्रेमिका को गुरूवार की शाम करवा चौथ व्रत पूजन के दौरान महिला के घर में उसके परिजनों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर घायल कर दिया था। घायल हिस्ट्रीशीटर की शुक्रवार को प्रयागराज की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी प्रेमिका का इलाज सतना (मध्य प्रदेश) के अस्पताल में चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जाती है। उन्होंने बताया हिस्ट्रीशीटर और महिला के पुराने प्रेम संबंध थे जिनका विरोध करने पर हिस्ट्रीशीटर ने कुछ दिन पूर्व महिला के पति और उसके सास-ससुर को मारपीट कर गांव से निकाल दिया था। उसने महिला के अन्य परिजनों को भी गांव से जाने के लिए धमकाया था। हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ पुलिस मुठभेड़ सहित 11 मुकदमे चित्रकूट और सतना की विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं। सिंह ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर के भाई धर्मेंद्र मिश्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर महिला के परिजनों नीरज, विकास, शानू, नीलेश और गोविंद की तलाश की जा रही है।

स्मृति ईरानी आज और 22 को अमेठी में रहेंगी

अमेठी। केंद्रीय मंत्री और क्षेत्र की सांसद स्मृति ईरानी 20 और 22 अक्टूबर को अमेठी के दौरे रहेंगी। 22 अक्टूबर को स्मृति के साथ प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन भी मौजूद रहेंगी। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी गोविंद सिंह चौहान ने बताया कि 20 अक्टूबर को स्मृति ईरानी अमेठी में गांधी संदेश यात्रा में शामिल होंगी। वह 22 अक्टूबर को उप्र की राज्यपाल आनंदी बेन के साथ अमेठी के दौरे पर रहेंगी। चौहान ने बताया कि 22 अक्टूबर को राज्यपाल के साथ स्मृति ईरानी अमेठी जिला अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। उसके बाद वह वापस चली जाएंगी। अमेठी में महात्मा गांधी संकल्प पद यात्रा के तहत भाजपा कार्यकर्ता गांव गांव का भ्रमण कर बापू के विचारों को रखने के साथ ही नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ सरकार की योजनाएं जनता के बीच गिना रहे हैं। अमेठी में इस पद यात्रा की अगुवाई भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी कर रहे हैं। स्मृति ईरानी 20 अक्टूबर को इस पद यात्रा में शामिल होंगी। सिंह ने बताया कि 20 अक्टूबर को स्मृति अमेठी के जगदीशपुर में यात्रा में भाग लेने के बाद वापस दिल्ली चली जाएंगी।

रोडवेज चालक के साथ एआरएम ने की गाली-गलौज

● गोली मारने की धमकी का आडियो वायरल

फर्रुखाबाद। रोडवेज चालक के द्वारा एआरएम को फोन कर सहायता मांगना मंहगा पड़ गया। सहायता की जगह उसे गाली-गलौज कर परिचालक को गोली मारने की धमकी दी गयी। जिसका आडियो सोशल मीडिया पर वायरल होनें से हडकंप मच गया है। रोडबेज कर्मी साथी के अपमान को लेकर आन्दोलन की राह पकड़ने की रणनीति बना रहे है।

फर्रुखाबाद डिपो के नियमित चालक राम शरन सिंह नें क्षेत्रीय प्रबन्धक को भेज गये पत्र में कहा है कि वह बस लेकर फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रहा था। लेकिन वापस आते समय गभाना के निकट बस खराब होनें से सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक अंकुर विकास को फोन कर सहायता मांगी। जिस पर एडीआरएम अभद्रता करने लगे। फोन पर ही अभद्र भाषा का प्रयोग किया और गोली मारने तक की धमकी दे डाली। जिसका आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साथी का अपमान होंने से रोडबेज कर्मियों में आक्रोश है। जल्द ही वह आन्दोलन की राह पकड़ सकते है। रोडबेज कर्मियों नें एडीआरएम के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यदि कार्यवाही नही हुई तो रोडबेज कर्मी आन्दोलन की राह पकड़ सकते है। एआरएम नें बताया कि जो आडियो सुनाया जा रहा है वह 1.17 मिनट का है। जबकि पूरा आडियो 4 मिनट का है। रोडबेज के कुछ नेताओं के बहकाबे में आकर उसने आडियो एडिट करके डाला है। कभी कभी समझाने में इस तरह के शब्द निकल जाते है।

केपी उच्च शिक्षा संस्थान के शिक्षक राजेंद्र बने डॉयट प्रवक्ता

प्रयागराज। केपी उच्च शिक्षा संस्थान झलवा के बीएड विभाग में 2015 से असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत राजेंद्र कुमार का डायट प्रवक्ता के पद पर चयन हुआ है। लोक सेवा आयोग ने शुक्रवार को डायट प्रवक्ता पद का परिणाम घोषित किया। मूलत: ग्राम पंचायत टेन शाह आलमाबाद, मंझनपुर कौशांबी के रहने वाले राजेंद्र कुमार ने बीएड जगत गुरु राम भद्राचार्य विश्वविद्यालय चित्रकूट से किया था। उन्होंने एमएड काशी विद्यापीठ वाराणसी से किया। वे पिछले चार सालों से केपी उच्च शिक्षा संस्थान झलवा में कार्यरत थे। प्रबंधक शारदा पांडेय ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. श्याम कमल को आईएनएई यंग इंजीनियर अवार्ड

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू इलेक्ट्रिकल इंजीनियिरिंग विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. श्याम कमल को वर्ष 2019 के इंजीनियरिंग के प्रतिष्ठित पुरस्कार आईएनएई यंग इंजीनियर अवार्ड के लिए चुना गया है। उन्हें कंट्रोल थ्योरी के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए इस सम्मान से नवाजा जाएगा। इस थ्योरी का इंजीनियरिंग के विभिन्न ब्रांचों में उपयोग होता है। डॉ. श्याम कमल ने बताया कि यह पुरस्कार जयपुर में 13 से 15 दिसंबर को होने वाले वार्षिक सम्मेलन मे दिया जाएगा। वहां सभी विजेता इंजिनियरिंग के क्षेत्र मे अपने योगदान के बारे मे एक प्रेजेंटेशन देंगे। 2019 में अकादमी द्वारा अलग-अलग क्षेत्र मे 15 लोगों को पूरे देश से चुना गया है। सभी विजेताओं का नाम अकादमी के ऑफिशियल वेब साइट पर प्रकाशित है। सभी को एक लाख का नकद और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा और वे 45 की उम्र तक यंग एसोसिएट भी रहेंगे। बता दें कि आईएनएई एक सर्वोच्च निकाय है जिसमे भारत के प्रतिष्ठित इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद् राष्ट्र महत्व के विषय पर काम करते हैं। अकादमी इंजिनियरिंग के क्षेत्र मे उत्कृष्टता की खोज को प्रोत्साहित करता है।

छेड़खानी के मामले में अस्पताल संचालक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

● चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र के उत्कर्ष हास्पिटल की

मडुवाडीह थाना क्षेत्र के चांदपुर स्थित निजी उत्कर्ष हास्पिटल के संचालक विष्णु शर्मा ने अस्पताल की एक नर्स की लड़की के साथ छेड़खानी की। किशोरी ने इसकी शिकायत अपनी मां से की। अस्पताल की नर्स ने छेड़खानी के मामले में अस्पताल के संचालक विष्णु शर्मा के खिलाफ मडुवाडीह थाने दर्ज करायी। मडुवाडीह थाना प्रभारी ने मुकदमा दर्ज कर संचालक को गिरफ्तार कर लिया। मडुवाडीह थाना प्रभारी सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि चांदपुर इंडस्ट्रियल में विष्णु शर्मा नामक व्यक्ति उत्कर्ष हास्पिटल नाम से एक निजी अस्पताल चलाता है, इसी अस्पताल में एक नर्स कार्यरत है। शुक्रवार की देर रात नर्स की 15 वर्षीय बेटी के साथ अस्पताल संचालक छेड़खानी करने लगा। किशोरी के काफी विरोध के बाद अस्पताल संचालक ने उसे छोड़ा और धमकी दी कि यह बात किसी से बतायी तो ठीक नहीं होगा। किन्तु किशोरी ने हिम्मत दिखाकर इस घटना की सारी जानकारी अपनी मां को दी। मां ने तत्काल अस्पताल के संचालक के खिलाफ मडुवाडीह थाने में छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज करायी। मडुवाडीह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उक्त संचालक को गिरफ्तार कर लिया।

संदिग्ध कश्मीरी युवकों से एटीएस व खुफिया विभाग की टीमों ने की पूछताछ

संवाददाता। कन्नौज

● अलग-अलग जानकारी देने पर खुफिया विभाग सतर्क, कश्मीर पुलिस से जुटाई जा रही जानकारी

जिले में मस्जिदों व मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में टहल रहे संदिग्ध कश्मीरी युवकों से आईबी और एटीएम की टीम ने पूंछताछ की। युवकों द्वारा अलग-अलग जानकारी देने पर खूफिया टीमों का शक गहरा गया और उन्होने कश्मीर पुलिस ने युवको की जानकारी मांगी है। खुफिया विभाग की टीमें संदिग्धों के बैंक खाते, मोबाइल नंबरों की लोकेशन और काल डिटेल खंगाल रही हैं। कश्मीर पुलिस की मदद से इनके बताए नाम और पते की पड़ताल भी कराई जा रही है। वहीं जांच में संदिग्ध युवकों ने मस्जिद के लिए चन्दा लेने के लिए कन्नौज में आने की बात कही है।

13 अक्तूबर को खुफिया विभाग को भनक लगी कि जिले में कुछ संदिग्ध कश्मीरी युवकों ने प्रवेश किया है।इससे खुफिया विभाग चौकन्ना हो गया। गुरुवार रात पुलिस ने मियांगज के पास से इलाकाई लोगों की सूचना पर चार संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। शुक्रवार को एएसपी विनोद कुमार, आईबी, विशेष सूचना अधिकारी और एलआईयू ने सदर कोतवाली में इनसे पूछताछ की।हिरासत में आए तीन लोग कश्मीर के पुंछ जिले के थाना मरहोठ और एक थाना फागला का रहने वाला है। चारों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह मदरसा निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश के जिलों में चंदा मांगते हैं। उनके पास से चंदा मांगने की रसीद भी मिली हैं।इसके बाद खुफिया विभाग की टीमों ने कश्मीर पुलिस से संपर्क किया। इनके पास मिले आधार कार्ड में दर्ज नाम और पते की जांच कराई जा रही है। कश्मीर पुलिस की मदद से इनका रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। एएसपी ने बताया कि चारों संदिग्धों के बैंक खाते और मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। फिरोजाबाद, मैनपुरी से समधन होते हुए यह जिले के कस्बे और गांवों में घूम रहे थे। कश्मीर पुलिस से अभी जो रिपोर्ट मिली है, उसमें इनके खिलाफ कोई मुकदमा न होने की बात सामने आई है। कश्मीर पुलिस से लिखित में इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। इसके बाद ही इन्हें छोड़ा जाएगा। पकड़े गए संदिग्धों में दो भाई, मां के खाते में दो हजार मिलेपकड़े गए संदिग्धों की जांच में दो सगे भाई हैं।

युवती से सामूहिक बलात्कार में छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

बांदा। चित्रकूट जिले की शहर कोतवाली कर्वी में एक युवती के साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किए जाने के मामले में शुक्रवार को छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कर्वी शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अनिल कुमार सिंह ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से शनिवार को बताया दो सप्ताह पहले 23 साल की युवती अपने गांव जाने के लिए शहर के एक इंटर कॉलेज के पास किसी वाहन का इंतजार कर रही थी। इसी बीच चार पहिया वाहन में सवार कुछ लोगों ने वाहन उसके गांव का होने का झांसा दे कर उसे बैठा लिया। अज्ञात स्थान में ले जाकर उसके साथ दो दिनों तक कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया एवं अप्राकृतिक संबंध बनाया गया। महिला के हवाले से सिंह ने बताया कि आरोपियों के चंगुल से छूटने के कुछ दिन बाद युवती ने परिजनों के साथ शुक्रवार को कोतवाली आकर शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि शिकायत पर पिपरहरी गांव के पवन, खुरहण्ड गांव के अजय, भवन और नत्थू के अलावा दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भा. दं. सं. की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को चिकित्सीय जांच के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है।

ट्रेन की चपेट में आकर वृद्ध समेत दो की मौत, एक घायल

संवाददाता। इटावा

भरथना व इटावा जीआरपी थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध समेत दो लोगों की कटकर मौत हो गई तो वहीं एक युवक गंभीर रुप से घायल अवस्था में भरथना ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे फाटक पर पड़ा मिला।। जिसे पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं जीआरपी ने दोनों शवों के पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किए। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला बृजराजनगर भरथना के रहने वाले गोरे लाल शर्मा (72) शनिवार की सुबह नौ बजे अपनी बेटी के घर इटावा जाने के लिए घर से निकले थे। जब वह बकेवर-भरथना रेलवे फाटक से ही टिकट खरीदकर स्टेशन की तरफ प्लेटफार्म नम्बर तीन की तरफ बढ़ रहे थे। तभी खम्भा नम्बर 1136/19 के पास किसी सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आ जाने से उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोग एकत्रित हो गए और सूचना परिवारीजनों व जीआरपी पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। वहीं इसी थाना क्षेत्र में दिल्ली-हावड़ा रुट पर दोपहर के समय साम्हो-भरथना स्टेशन के बीच खम्बा नम्बर 1131/04-13/2 के पास एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्टेशन मास्टर बृजेन्द्र कुमार ने इसकी जानकारी थाना पुलिस को दी। जिस पर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी साम्हो सौरभ राणा ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। युवक की शिनाख्त रवेन्द्र (30) निवासी खितौरा थाना बकेवर के रुप में की गई। उन्होंने बताया कि रवेन्द्र की किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है। वहीं फ्रेंड्स कालोनी थाना क्षेत्र के संतोषपुरा अड्डा के रहने वाले ओम प्रकाश जीआरपी थाना क्षेत्र के फर्रुखाबाद फाटक के पास भरथना ओवर ब्रिज के नीचे शुक्रवार की रात साढे आठ बजे रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर कह दिया तलाक, तलाक, तलाक

बांदा । फतेहपुर जिले के जहांनाबाद थाने की पुलिस ने दलेलखेड़ा गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक महिला को उसके शौहर द्वारा तीन बार तलाक कहकर घर से निकाले जाने का मामला दर्ज किया है। जहांनाबाद के थानाध्यक्ष शमशेर सिंह ने शुक्रवार को दर्ज की गई रिपोर्ट के हवाले से शनिवार को बताया शुक्रवार को दलेलखेड़ा गांव की महिला अफसाना की तहरीर पर उसके शौहर ख्वाज़ा अली, ससुर कलामुद्दीन, सास किस्मतुन, दो ननदों फातिमा और शहरुन के खिलाफ मुस्लिम विवाह संरक्षण अधिनियम-2019 की संबंधित धारा एवं मारपीट कर घर से निकालने और दहेज अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला के हवाले से उन्होंने बताया अफसाना का निकाह चार साल पूर्व गांव में ही ख्वाज़ा अली के साथ हुआ था। ससुराल वाले उसे दहेज के तौर पर एक लाख रुपए की मांग कर प्रताड़ित करते थे। कई बार मायका और ससुराल वालों के बीच इस संबंध में पंचायत भी हुई, लेकिन बात नहीं बनी। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने शिकायत में कहा है कि चार सितंबर को पहले ससुराल वालों ने उसे पीटा, फिर शौहर ने तीन बार तलाक कह कर उसे घर से निकाल दिया है। मामले की जांच की जा रही है और अभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई।

कांग्रेस की गलत नीतियों ने देश बर्बाद किया: मोदी

एजेंसी। एलनाबाद, रेवाड़ी (हरियाणा)

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपनी रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 और करतारपुर गलियारा के मुद्दे को लेकर विपक्षी कांग्रेस पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उसकी (कांग्रेस की) गलत नीतियों और रणनीति ने देश को बर्बाद कर दिया। मोदी ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के नेता अनुच्छेद 370 को समाप्त करने में नाकाम रहे, जबकि 1964 में संसद में पार्टी ने इसका वादा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एलनाबाद में एक रैली में अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा कि जिसे भीमराव आंबेडकर ने एक अस्थाई प्रावधान कहा था, वह 70 साल तक बना रहा लेकिन कांग्रेस ने उस बारे में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में स्थिति बिगड़ गई क्योंकि दिल्ली में सरकार सो रही थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस की गलत नीतियों और रणनीति ने देश को बर्बाद कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब भारत और कश्मीर के लोग नीतियां बनाएंगे। मोदी ने कहा, समय बदल गया है, देश बदल गया है। हरियाणा में 21 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होना है। उन्होंने जम्मू- कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को रद्द करने के पांच अगस्त के केंद्र के फैसले को उचित बताते हुए कहा, क्या दिल्ली में सत्ता की खातिर कश्मीर को बर्बाद होने देना चाहिए? कश्मीर ज्यादा महत्वपूर्ण होना चाहिए या प्रधानमंत्री का पद? हर भारतीय का यही जवाब होगा कि प्रधानमंत्री आते-जाते रहेंगे, कश्मीर को बने रहना होगा और समृद्ध होना होगा। उन्होंने कहा कि 70 बरसों तक इस मुद्दे का कोई सार्थक हल निकालने के लिए ईमानदार प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने करतारपुर गलियारे के मुद्दे पर कहा कि यह पूरा

होने के करीब है और केंद्र गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को भव्य तरीके से मनाने के लिए इंतजाम कर रहा है। उन्होंने कहा, करतारपुर गुरुद्वारा को भारतीय भू क्षेत्र में लाने की अक्षमता विभाजन के समय की एक बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसकी संस्कृति से जुड़ी पार्टियों ने भारतीयों की मान्यता, परंपरा और संस्कृति को सम्मान नहीं दिया। मोदी ने कहा, हमारे पवित्र स्थलों के प्रति कांग्रेस का जो रुख रहा, वही रुख जम्मू कश्मीर के प्रति भी उसका रहा। उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा, दिल्ली में सो रही सरकार ने कश्मीर में स्थिति बदतर कर दी। शुरूआत में ही हमसे हमारे भूक्षेत्र का एक हिस्सा छीन लिया गया और वह पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हो गया। उन्होंने कहा, कुछ साल बाद कश्मीर की सूफी परंपरा को दफन कर दिया गया। इसकी जड़ें हिला दी गई। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कश्मीर की सूफी परंपरा ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मोदी ने विपक्षी पार्टी पर हमला तेज करते हुए कहा, लेकिन दिल्ली में बैठे नेता इसे नहीं देख सके। उन्होंने सोचा कि यदि वे एक-दो परिवारों का ध्यान रखेंगे तो कश्मीर की भी देखभाल हो जाएगी। इन एक-दो परिवारों को वह करने की छूट दे दी जो वे करना चाहते थे...यदि उन्हें लूटना है, तो ऐसा करने दिया जाए...यदि लोग बर्बाद होते हैं तो होने दिया जाए...ए चीजें चलती रही। उन्होंने कहा कि बाद में जम्मू, लद्दाख और करगिल के साथ भेदभाव और अन्याय शुरू हो गया। उन्होंने करीब तीन दशक पहले कश्मीर घाटी में आतंकवाद के चलते कश्मीरी पंडितों के विस्थापित होने का जिक्र करते हुए कहा, तब एक तरकीब लगाई गई, जब चार लाख से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों को घाटी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया गया, उनमें से कुछ मारे गए, उनके घर जला दिए गए और कुछ महिलाओं से बलात्कार किए गए। मोदी ने कहा, कश्मीर में जो कुछ हो रहा था, उसके प्रति दिल्ली में बैठे लोग आंखें मूंदे रहे। और इसलिए मैंने यह अस्थाई प्रावधान (अनुच्छेद 370) समाप्त कर दिया। जब आपने मुझे पांच साल के लिए स्थाई किया है तो मैं क्यों अस्थाई चीजों को होने दूं। उन्होंने नदी जल बंटवारे पर कहा कि भारत अपने पानी को पाकिस्तान में नहीं जाने देगा। उन्होंने कहा, ...मैं एक बूंद पानी भी पाकिस्तान नहीं जाने दूंगा। उन्होंने रेवाड़ी में भी कांग्रेस पर अपना प्रहार जारी रखते हुए कहा, 1964 में संसद में एक चर्चा के दौरान, देश के प्रतिष्ठित नेता परेशान हो गए...कांग्रेस बंटी हुई थी। यह मांग थी कि अनुच्छेद 370 को समाप्त किया जाए और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा हो। मोदी ने आज अपनी दूसरी रैली में कहा, उस वक्त कांग्रेस नेताओं ने हाथ जोड़ कर कहा था कि उनकी मांग पूरी की जाए और अनुच्छेद 370 एक साल में समाप्त कर दिया जाए। लेकिन इस विषय को फिर से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। उन्होंने पूछा, क्या मजबूरी थी और क्या खेल खेला जा रहा था। प्रधानमंत्री ने दावा किया, कांग्रेस और उसके समर्थक कश्मीर को लेकर चिंतित नहीं थे...हद तब हो गई, जब उन्होंने आतंकवाद फैलाने के पीछे मौजूद लोगों की तरह इस कदम (अनुच्छेद 370 समाप्त करने) का विदेशों में विरोध किया। यह उनकी मानसकिता थी। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर प्रहार करते हुए दावा किया कि उसने उन जवानों और पुलिसकर्मियों के लिए कोई स्मारक नहीं बनाया, जिन्होंने 70 साल तक राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। सिर्फ भाजपा सरकार ने ही उनके लिए इस तरह के स्मारक बनाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सैनिकों के लिए अत्याधुनिक हथियार, राफेल लड़ाकू विमान और बुलेटप्रूफ जैकेट लाकर अपने सशस्त्र बलों को मजबूत किया। मोदी ने कहा, हम अब बुलेटप्रूफ जैकेट बना रहे हैं और उसे निर्यात भी कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार आतंकवादियों और अलगाववादियों की धमकियों से कांपा करती थी। उन्होंने कहा, आप बताइए, क्या आप भारत को अब मजबूत पाते हैं? आतंकवादियों को उनके घर में घुस कर मारा जा रहा। जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं आज वे लोग दुनिया भर में गुहार लगाते फिर रहे हैं। जो हमें डराया करते थे वे अब आतंकित दिख रहे हैं।

विश्व-भारती विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव गाली गलौज भी की गई

शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल)। विश्व-भारती विश्वविद्यालय के कुलपति विद्युत चक्रवर्ती का शनिवार को गैर शिक्षण कर्मचारियों के एक हिस्से ने घेराव किया। ए कर्मचारी अपने कुछ सहकर्मियों के तबादले के आदेश को फौरन वापस लेने की मांग कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता अनिर्बान सरकार ने बताया कि गैर शिक्षण कर्मचारियों के संघ कर्मी सभा के कई सदस्य चक्रवर्ती के कमरे में घुस गए और उन्हें अपशब्द कहे। उन्होंने कहा कि तबादला नियमित प्रक्रिया है और विश्वविद्यालय किसी के भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। हालांकि, कर्मी सभा के सचिव विद्युत सरकार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने गैर शिक्षण कर्मचारियों की ओर प्रतिशोधी रवैया अपनाया हुआ है और उन्होंने उनकी याचिकाओं पर आंख मूंद ली है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुरक्षा कर्मियों ने कुलपति के दौरे के समय उनके कार्यालय का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था।

सावरकर का सम्मान करते हैं: कांग्रेस

● लेकिन भाजपा बताए कि वह गांधी भक्त है या सावरकर की भक्तः कपिल सिब्बल

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग को लेकर हो रहे राजनीतिक घमासान के बीच कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह वीर सावरकर का सम्मान करती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वो गांधी के भक्त हैं या फिर सावरकर के भक्त हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी और गृह मंत्री अमित शाह असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 370 जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा,

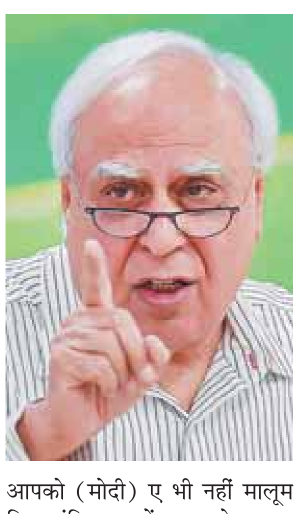

आपको (मोदी) ए भी नहीं मालूम कि संविधान में अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15 और अनुच्छेद 16 हैं कि शासन को किस नजरिए से प्रजा को देखना चाहिए। आपको ए नहीं मालूम है क्योंकि आजकल आप हर चीज सावरकर की आंखों से देखते हैं।

सिब्बल ने कहा, हम सबका सम्मान करते हैं, जिन्होंने भी इस देश की सुरक्षा की, चाहे वो सावरकर हों, चाहे कोई और हो, हम सबका सम्मान करते हैं। लेकिन आपको ए बताना पड़ेगा कि आप गांधी जी के भक्त हैं या सावरकर के भक्त हैं? 'कुछ दिनों पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुंबई में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी ने सावरकर की याद में डाक टिकट जारी किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि हम सावरकर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उस विचारधारा के खिलाफ हैं, जिसके पक्ष में वह (सावरकर) खड़े थे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग की है। इसके बाद से ही इस मसले पर सियासी बहस छिड़ गई है। भाजपा का यह घोषणापत्र आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा था कि अगर सावरकर को भारत रत्न देने पर विचार होता है तो फिर इस देश को भगवान बचाए।

शाह ने राहुल को 370 बहाल करने की दी चुनौती

● राहुल के बयान पर केंद्रीय गृहमंत्री का पलटवार

एजेंसी। नवापुर (महाराष्ट्र)

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को यह घोषणा करने की चुनौती दी कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को बहाल करेगी। महाराष्ट्र के नंदूरबार जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने विशाल जनादेश से दूसरी बार सत्ता में आने के बाद पहला काम अनुच्छेद 370 को खत्म करने का किया है। यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। उन्होंने कहा, विशेष प्रावधानों की वजह से पाकिस्तान ने राज्य में

आतंकवाद को भड़काया, जिसमें 40 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। कश्मीर का विकास रूक गया। लेकिन कांग्रेस इन प्रावधानों को खत्म करने के लिए राजी नहीं थी। वह अपने वोट बैंक के लिए चिंतित थी और उसे राष्ट्र हित की कोई चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा, किसी भी प्रधानमंत्री ने फैसला लेने का साहस नहीं दिखाया। मोदी ने 56 इंच के सीने के साथ ऐसा किया। शाह ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि महाराष्ट्र का अनुच्छेद 370 से क्या वास्ता है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह घोषणा करें कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को लागू करेगी। अब भी विधानसभा चुनाव होने में एक दिन बचा हुआ है। देखिएगा लोग कैसा जवाब देंगे। क्या आप नहीं चाहते कि कश्मीर भारत का अखंड हिस्सा हो। शाह ने कहा कि नंदूरबार को मोदी सरकार की आदिवासी विकास नीति के तहत 115 जिलों में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, अगले पांच साल में नंदूरबार देश में अग्रणी आदिवासी जिला होगा और महाराष्ट्र नंबर वन राज्य होगा। शाह ने आदिवासी कल्याण के लिए राज्य सरकार और केंद्र द्वारा चलाए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए स्मारक निर्माण कराने का फैसला किया। इसी तरह एकलव्य मॉडल स्कूल शुरू किया गया है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आदिवासियों का इस्तेमाल केवल वोट के लिए किया और कभी उनके विकास के लिए काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 55 साल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

भारी बारिश के चलते शाह के हेलीकॉप्टर को आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा

मुंबई। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर को शनिवार को भारी बारिश के कारण नासिक के ओझर हवाईअड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वह महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन राज्य में थे। अधिकारी ने कहा कि हेलीकॉप्टर नासिक से 70 किलोमीटर दूर अहमदनगर जिले के अकोले के रास्ते में था, जहां शाह एक रैली को संबोधित करने वाले थे।उन्होंने बताया कि पायलट ने खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर को दोपहर दो बजकर पच्चीस मिनट पर ओझर हवाईअड्डे पर उतारने का फैसला किया। उन्होंने बताया, 40 मिनट के रुकने के बाद, वह दोपहर करीब तीन बजकर आठ मिनट बजे अहमदनगर के लिए रवाना हो गए। शाह ने इससे पहले उत्तर महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के नवापुर में एक रैली को संबोधित किया था। राज्य के कई हिस्सों में शनिवार सुबह से बारिश हो रही है।

राज्य को एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना मुख्य चुनावी मुद्दा: फडणवीस

● महाराष्ट्र को सूखा मुक्त बनाना प्राथमिकाता में शामिल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य को सूखा मुक्त और एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना विधानसभा चुनाव में उनके द्वारा जिक्र किए गए मुख्य चुनावी मुद्दे हैं। राज्य में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आज शाम चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। फडणवीस ने कुछ पत्रकारों से शनिवार को बातचीत करते हुए दावा किया कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 के ज्यादातर प्रावधानों को समाप्त करने का केंद्र का पांच अगस्त का फैसला भाजपा का मुख्य चुनावी मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, चूंकी इस अहम (अनुच्छेद-370) राष्ट्रीय मुद्दे पर कांग्रेस को बेनकाब किया इसलिए इसे प्रमुखता मिली। अनुच्छेद-370 हमारा मुख्य मुद्दा नहीं था। हमारा मुख्य एजेंडा महाराष्ट्र को सूखे से मुक्त करना और राज्य की अर्थव्यवस्था को एक खरब डॉलर का बनाना है।

फडणवीस ने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषणों में उन्होंने पांच साल में अपनी सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भाषण के आखिरी मिनटों में मैंने अनुच्छेद-370 का मुद्दा उठाया क्योंकि जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र भारत का हिस्सा है। हर कोई चाहता था कि अनुच्छेद-370 खत्म हो जबकि कांग्रेस-राकांपा ने इस कदम का विरोध किया। हमनें अपने भाषणों से केवल उन्हें बेनकाब किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भावनाएं राष्ट्रवाद के साथ है और भाजपा हमेशा राष्ट्रवाद और विकास के साथ चली है।

वीर सावरकर पर की गई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, उनकी (मनमोहन सिंह) टिप्पणी (कांग्रेस नेता)राहुल गांधी के लोकसभा चुनाव में सावरकर को लेकर दिए बयान के विपरीत है। फडणवीस ने कहा कि मनमोहन सिंह का यह दावा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद-370 को रद्द करने के फैसले का समर्थन किया, गलत है। अर्थव्यवस्था के बारे में मनमोहन सिंह की टिप्पणी के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अर्थशास्त्री हो सकते हैं लेकिन उन्होंने राजनीतिक बयान दिया है। संप्रग शासन के चौथे और पांचवें साल के मुकाबले महाराष्ट्र में हमारी सरकार के पहले तीन साल में अधिक निवेश हुआ। फडणवीस ने कहा कि देश में स्थापित 25 फीसदी स्टार्टअप महाराष्ट्र में है। देश में सृजित कुल नौकरियों में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। सूक्ष्म, मझोले और छोटे उद्योगों में गत पांच में 59 लाख रोजगार सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ...देश आर्थिक सुस्ती का सामना कर रहा है, न कि आर्थिक मंदी का। उन्होंने कहा, यह अस्थाई दौर है। हमने कर व्यवस्था में बदलाव किया, हम दिवालिया संहिता लाए। हम सात फीसदी विकास दर होने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन इसके 5.8 प्रतिशत होने का अनुमान है।

हमने कांग्रेस और राकांपा को बेनकाब करने के लिए अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठाया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाने का मुद्दा उठाने से विपक्ष बचाव की मुद्रा में आ गया है। राकांपा प्रमुख शरद पवार सहित विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र चुनाव में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया है। फड़णवीस ने शुक्रवार रात यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण है। हमारा ध्यान हमेशा विकास और राष्ट्रवाद पर रहा है। मेरे सभी भाषणों के दौरान मैंने पहले विकास के मुद्दों पर और फिर हमारे आगे आने वाले रास्ते पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर और महाराष्ट्र दोनों भारत के अंग हैं। कांग्रेस और राकांपा ने इस कदम (अनुच्छेद 370 हटाने) का समर्थन नहीं किया और हमें उन्हें बेनकाब करने की जरूरत थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र फडणवीस नागपुर में रोडशो के दौरा

पेज एक का शेष

सूरत से ...

और मुफ्ती नईम काजमी को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। फिलहाल हत्याकांड से जुड़े कई अनसुलझे सवाल भी मौजूद हैं जिनका कोई जवाब पुलिस के पास नहीं है। डीजीपी ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस को हत्या के बाद घटनास्थल से जांच के दौरान बरामद मिठाई के डिब्बे में मिली रसीद से अहम सुराग मिलने के बाद हत्याकांड के तार गुजरात से जुड़ गए थे। जिसके बाद उन्होंने शुक्रवार की रात ही गुजरात के डीजीपी से फोन पर बात की। रात में ही पुलिस की एक टीम गुजरात रवाना कर दी गयी। मिठाई का डिब्बा सूरत जिले की जिस दुकान से खरीदा गया था वहां आसपास की सीसीटीवी फुटेज की छानबीन से एक संदिग्ध व्यक्ति फैजान यूनुस भाई की पहचान की गयी। दोनों राज्यों की पुलिस के आपसी समन्वय एवं दोनों की संयुक्त टीम ने ज्वाइंट आपरेशन के दौरान फैजान (21) के अतिरिक्त दो अन्य संदिग्ध मौलाना मोहसिन शेख (24) एवं रशीद अहमद उर्फ खुर्शीद अहमद पठान (25) को हिरासत में लिया गया। मोहसिन शेख साड़ी की दुकान पर, फैजान जूते की दुकान पर काम करता है जबकि रशीद दर्जी का काम करता है। रशीद को कम्प्यूटर का भी ज्ञान है। इनसे हुई पूछताछ में यह स्पष्ट हो गया कि ये तीनों व्यक्ति कमलेश तिवारी की हत्या के षड्यंत्र में सम्मिलित रहे हैं। मौलाना मोहसिन शेख ने ही रशीद को कमलेश तिवारी का भड़काऊ बयान वाला वीडियो दिखाया था। इसके बाद ही मौलाना ने कहा था कि इसकी हत्या करनी है। डीजीपी ने बताया कि इन तीनों के अलावा जिन दो अन्य को हिरासत में लेकर छोड़ा गया है, उनमें एक रशीद का भाई और दूसरा गौरव तिवारी है। गौरव सूरत में ही रहता है। वह पिछले कुछ समय से कमलेश तिवारी के सम्पर्क में था और उसने हिन्दू समाज के लिए सूरत में काम करने को लेकर फोन किया था। उसने कहा था कि वह उसे अपनी पार्टी में शामिल कर ले और सूरत में उसे कोई पद दे दे। छोड़े गए दोनों युवकों पर भी नजर रखी जा रही है। डीजीपी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में एवं उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की विवेचना के आधार पर दो मुख्य अभियुक्त जो कि लखनऊ में इस घटना को कारित करने में सम्मिलित रहे हैं, उनके बारे में पुलिस ने जानकारी कर ली है। डीजीपी ने कहा कि हिरासत में लिए गए तीनों संदिग्धों से की गयी पूछताछ में इनका किसी आतंकवादी संगठन से संबंध नहीं पाया गया है। उल्लेखनीय है कि साल 2015 में उत्तर प्रदेश में सपा शासनकाल के दौरान तत्कालीन मंत्री मोहम्मद आजम खां की ओर से संघ को लेकर दिए गए बयान के जवाब में कमलेश तिवारी ने धर्म विशेष के पैगम्बर को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। जिसके बाद उस समुदाय के लोग आक्रोशित हो उठे थे। इसी दौरान बिजनौर के मुफ्ती नईम ने कमलेश का सिर कलम करने वाले को 51 लाख जबकि बिजनौर के ही मौलाना अनवारुल हक ने ऐसा करने वाले को डेढ़ करोड़ रुपए का ईनाम देने का ऐलान किया था। कमलेश की पत्नी ने शुक्रवार को हत्या के बाद इन दोनों को हत्या का षड्यंत्रकारी बताते हुए नाका कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इन दोनों से पूछताछ हो रही है। डीजीपी ने कहा कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लखनऊ, बिजनौर और सूरत को जोड़कर विवेचना हो रही है। एक सवाल के जवाब में डीजीपी कहा कि कमलेश तिवारी की सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरती गई थी। उनके सुरक्षा में खतरे को देखते हुए ही उन्हें गनर मुहैया कराया गया था। डीजीपी से पूछा गया कि कमलेश तिवारी की मां सीतापुर के एक भाजपा नेता पर हत्या का आरोप लगा रही है तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

दहशत पैदा...

दहशत पैदा करने की शरारत है। इसमें कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। तीन लोगों को गुजरात में और दो लोगों को उत्तर प्रदेश में हिरासत में लिया गया, शेष अन्य लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं। इस हत्याकांड की जांच स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम को दी गयी है।

उप्र में ...

बचाया जा रहा है, किस तरह से चिन्मयानंद को बचाया जा रहा है। इस जंगल राज में हम पुलिस पर कितना एतबार करें? उन्होंने कहा, जिसने भी तिवारी की हत्या की है, चाहे वो कट्टरपंथी हो, चाहे कोई और हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

हत्याओं से ...

हिस्सों से सेबों की ढुलाई के लिए छोटे वाहनों का इस्तेमाल करें लेकिन, छोटे वाहनों की संख्या कम होने के कारण इन मंडियों तक उपज पहुंचाना उनके लिए खासा कठिन साबित हो रहा है। उन्हें मुनाफा घटने के अलावा कश्मीर के बाहर के बाजारों में सही समय पर अपनी उपज की आपूर्ति नहीं कर पाने से भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सामान्य तौर पर एक ट्रक में 800 से 1000 पेटी सेब की ढुलाई की जाती है। ट्रांसपोर्टर भी मौके का फायदा उठाने से नहीं चूक रहे। पहले जहां प्रति पेटी ढुलाई के 80-90 रुपये लगते थे वहीं अब 135-140 रुपये वसूले जा रहे हैं। कश्मीर में प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रुपये मूल्य का 20 से 24 मीट्रिक टन सेब पैदा किया जाता है। शोपियां में सेब कारोबारियों और एक ट्रक चालक की हत्या की घटना ने ड्राइवरों समेत भारी तादाद में उन मजदूरों को भी आतंकित कर दिया है जो सेबों की पैकिंग, ढुलाई और पेटियों की उतराई जैसे काम करते हैं। यह सुनिश्चित करने की भरसक कोशिश की जा रही है कि राज्य के अंदरूनी इलाके में स्थित सेब पैदा करने वाले प्रमुख केंद्रों मसलन दक्षिण कश्मीर के सोपोर (एशिया में सेब की सबसे बड़ी मंडी), शोपियां, पुलवामा और अनंतनाग में सेब उत्पादक अपनी व्यावसायिक गतिविधियां सामान्य ढंग से जारी रख सकें। पिछल कुछ दिनों में आतंकियों के बारे में पहले के मुताबिक खुफिया सूचनाओं में वृद्धि हुई है जिसे सुरक्षा बलों के लिए एक सकारात्मक घटनाक्रम माना जा रहा है। इसके महत्व को समझाते अधिकारियों ने कहा कि पांच अगस्त से स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियां कानून व्यवस्था बनाए रखने पर फोकस किए हुए थीं क्योंकि उन्हें अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियां बढ़ने और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिली थी। मोबाइल सेवाओं पर प्रतिबंध के चलते भी खुफिया सूचनाओं की संख्या में कम से कम 70 फीसदी तक की गिरावट हो गई। सप्ताह के शुरू में मोबाइल सेवाओं को बहाल करने और किसी बड़े आंदोलन की आशंका के खत्म होने से स्थानीय पुलिस जो आतंकियों के बारे में सटीक सूचना मुहैया करती है, ने अपना आतंकवाद निरोधी ग्रिड दोबारा चालू कर दिया है। इसका नतीजा सेना द्वारा संवेदनशील इलाकों में छुपे हुए और एलओसी से घुसपैठ कर चुके 70 विदेशी आतंकियों को ढूंढकर ठिकाने लगाने के रूप में सामने आएगा। सेब कारोबारियों और ट्रक चालक की हत्याएं ऐसे समय की गईं जब स्थिति सामान्य होने लगी थी और जम्मू कश्मीर की जीवन रेखा कहलाने वाले सेब का कारोबार जोर पकड़ रहा था।

लट्ठमार होली ...

भावनाओं को भी समाविष्ट करने के लिए उनकी राय मांगी गई हैं। इसीलिए शासन की अपेक्षा के अनुरूप रिपोर्ट तैयार कर भेजी जा रही है। विदित हो कि बरसाना और नन्दगांव के हुरियार (होली खेलने वाले पुरुष) और हुरियारिनों (होली खेलने वाली महिलाएं) के मध्य पारम्परिक रूप से सदियों से होती आ रही लठामार होली को देखने के लिए दुनिया भर सैलानी यहां आते हैं।

घटी गधों...

घटनाएं मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में सामने आई हैं। अधिकारियों के अनुसार, आम तौर पर गधों का इस्तेमाल पूरी दुनिया में कृषि उत्पादों, निर्माण सामग्रियों की ढुलाई के लिए किया जाता है। आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर और भूमिहीन तबका ही ज्यादातर गधे पालते हैं क्योंकि यह उनकी आजीविका का साधन होने के साथ उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति बढ़ाने में अहम योगदान देता है। राजस्थान में पाए जाने वाले 70 फीसदी गधे ग्रे रंग के और शेष सफेद रंग के होते हैं जबकि गुजरात में दोनों रंग के गधे उपलब्ध हैं। लेह में 42 फीसदी गधे गहरे ग्रे, 42 फीसदी भूरे और 16 फीसदी काले रंग के होते हैं और हरियाणा में 90 फीसदी गधे ग्रे कोट रंग के पाए जाते हैं। बिहार में 54.11 फीसदी गधे ग्रे कोट रंग के, 36.11 फीसदी सफेद ग्रे और 5.56 फीसदी भूरे रंग के होते हैं।

नकल रोकने...

समाधान कॉलेज के प्रबंधक सतीश के दिमाग की उपज थी। हालांकि छात्रों के लिए इसे पहनना परेशानी भरा था लेकिन उन्हें इस 'नए नियम' को तोड़ने की अनुमति नहीं थी। बहरहाल पूर्व विश्वविद्यालय शिक्षा के उप निदेशक एससी पीरजादा कॉलेज का दौरा करने गए थे, जैसे ही उन्हें इस 'प्रयोग' के बारे में जानकारी मिली उन्होंने इसे तुरंत रोक दिया। पीरजादा ने कहा 'मैंने एक तस्वीर देखी थी जिसमें बच्चे सिर पर गत्ते का डिब्बा पहनकर परीक्षा दे रहे थे, जिसे कॉलेज के प्रबंधक ने अपने व्हाट्सएप अकाउंट पर पोस्ट किया था।' पीरजादा ने कहा 'जब मैं कॉलेज गया तो पाया कि अधिकांश छात्र अपने सिर पर गत्ते का डिब्बा पहने हुए हैं। मैंने प्रबंधक से इस बारे में जवाब तलब किया और मैं उस हैरत में पड़ गया जब सतीश ने मुझे बताया कि वह एक प्रयोग कर रहे थे क्योंकि उन्होंने बिहार के एक कॉलेज ऐसा ही होते देखा था।' उन्होंने कहा ' इस संबंध में एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।'

रोहित ने फिर चलाया बल्ला, सैकड़ा जड़ा

● श्रृंखला के तीसरे शतक से भारत के तीन विकेट पर 224 रन

एजेंसी। रांची

रोहित शर्मा ने टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए यहां श्रृंखला का तीसरा शतक जड़ा जिससे भारत ने खराब मौसम से प्रभावित तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर 224 रन बनाए।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद कागिसो रबादा (54 रन पर दो विकेट) और एनरिच नोर्टजे (50 रन पर एक विकेट) ने 15.3 ओवर में मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 39 रन कर दिया। रोहित (164 गेंद में नाबाद 117) और अजिंक्य रहाणे (135 गेंद में नाबाद 83) ने इसके बाद चौथे विकेट के लिए 185 रन की अटूट साझेदारी करके भारत की पारी को संवारा। अंतिम सत्र में हालांकि खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण सिर्फ छह ओवर का खेल हो पाया। अब तक अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़ने वाले रोहित सुनील गावस्कर के बाद किसी श्रृंखला में दो से अधिक शतक जड़ने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बने। गावस्कर ने 1970 में यह उपलब्धि हासिल की थी। रोहित ने डेन पीट पर छक्के के साथ अपना छठा और श्रृंखला का तीसरा शतक पूरा किया। सुबह के सत्र में जब रबादा तूफानी गेंदबाजी कर रहे थे तब इस सलामी बल्लेबाज ने सतर्कता बरती और फिर आकर्षक शाट खेले। उन्होंने पहले 23 रन 55 गेंद में बनाने के बाद अगले 75 रन 78 गेंद पर बनाए। रहाणे ने भी रोहित का शानदार साथ निभाते हुए सिर्फ 70 गेंद में 21वां अर्धशतक पूरा किया जो भारत में उनका सबसे तेज अर्धशतक है। सेनुरान मुथुस्वामी की जगह टीम में जगह बनाने वाले पीट को रोहित ने विशेष रूप से निशाना बनाया जिससे इस आफ स्पिनर ने छह ओवर में 43 रन लुटाए। चोटिल केशव महाराज की जगह टीम में शामिल किए गए बाएं हाथ के स्पिनर जार्ज लिंडे ने हालांकि एक छोर से कसी हुई गेंदबाजी की। रोहित और रहाणे के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहले स्पैल में दो विकेट चटकाने वाले रबादा दूसरे स्पैल में काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 30 रन खर्च कर दिए। रोहित को हालांकि शुरुआत में गेंदबाजों ने परेशान किया। वह सात रन के निजी स्कोर पर पगबाधा के फैसले के खिलाफ डीआरएस लेकर नाबाद रहने में सफल रहे। वह इसके बाद रन आउट से भी बचे जब जुबैर हमजा प्वाइंट से थ्रो पर विकेट गिराने में नाकाम रहे। भारतीय सलामी बल्लेबाजों को शुरुआत में ही असमान उछाल का सामना करना पड़ा जिसका रबादा और लुंगी एनगिडी ने पूरा फायदा उठाते हुए मेहमान टीम को गेंदबाजी में श्रृंखला की अब तक की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। रबादा ने अपने पहले स्पैल में सात ओवर में चार मेडन फेंकते हुए 15 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने पहले घंटे में ही सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (10) और चेतेश्वर पुजारा (00) को पवेलियन भेजा। रबादा ने अपने तीसरे ही ओवर में अग्रवाल को आउटस्विंगर पर तीसरी स्लिप में डीन एल्गर के हाथों कैच कराया। रबादा ने अपने पांचवें ओवर में पुजारा को पगबाधा किया। मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने पगबाधा की उनकी अपील ठुकरा दी थी लेकिन डीआरएस का सहारा लेने पर फैसला दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में गया। नोर्टजे ने इसके बाद कोहली को पगबाधा करके अपने करियर का पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। कोहली ने अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का सहारा लिया लेकिन अंपायर काल आने के कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। पुणे में दूसरे टेस्ट में नाबाद दोहरा शतक जड़ने वाले कोहली ने 12 रन बनाए। रोहित और रहाणे ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने लंच तक दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को और सफलता हासिल नहीं करने दी और भारत का स्कोर तीन विकेट पर 71 रन तक पहुंचाया। इससे पहले 30 साल के बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम टेस्ट क्रिकेट में भारत का पदार्पण करने वाले 296वें खिलाड़ी बने। चोटिल कुलदीप यादव की जगह टीम में शामिल किए जाने के 24 घंटे से भी कम समय में नदीम को टेस्ट पदार्पण का मौका मिला। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी 0-3 के क्लीनस्वीप से बचने की कवायद के तहत टीम में पांच बदलाव किए जिसमें चोटिल होने के कारण केशव महाराज और ऐडन मार्कराम टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। टीम में एनगिडी, हमजा, हेनरिक क्लासेन, लिंडे और पीट को जगह मिली जबकि महाराज और मार्कराम के अलावा वर्नन फिलेंडर, थ्यूनिस डि ब्रून और मुथुस्वामी बाहर रहे।

रोहित खेल रहे हैं 117 रन पर

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी: मयंक अग्रवाल का एल्गर बो रबादा 10, रोहित शर्मा खेल रहे हैं 117, चेतेश्वर पुजारा पगबाधा बो रबादा 00,विराट कोहली पगबाधा बो नोर्टजे 12, अजिंक्य रहाणे खेल रहे हैं 83,**अतिरिक्त:** 02, **कुल:** 58 ओवर में तीन विकेट पर: 224 रन, **विकेट पतन:** I-12, 2-16, 3-39, **गेंदबाजी:** रबादा 14-5-54-2,एनगिडी 11-4-36-0, नोर्टजे 16-3-50-I, लिंडे 11- I-40-0, पीट 6-0-43-0

दूसरे दिन बारिश की भविष्यवाणी

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले जा रहे तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को भी बारिश का खलल पड़ सकता है। स्थानीय मौसम विभाग ने शनिवार को यह भविष्यवाणी की। खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण शनिवार को पहले दिन भी 58 ओवर का ही खेल हो पाया जिससे भारत ने तीन विकेट पर 224 रन बनाए। रांची में भारतीय मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया, रांची में कुछ जगहो पर आंधी और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। सोमवार के बाद से ऐसा होने की संभावना कम है। लगभग पूरे दिन आज बादल छाए रहे और सूरज आंख मिचौली खेलता रहा। रोहित शर्मा ने दूसरे सत्र में 45वे ओवर में डेन पीट पर छक्के के साथ जब अपना छठा शतक पूरा किया तो कुछ देर के लिए बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने इसके लिए मध्य प्रदेश के पूर्वी-मध्य क्षेत्र और आसपास के इलाकों मे साइक्लोनिक सर्कुलेशन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

रबादा ने दो खिलाडियों का आउट किया

बिजली गिरने से पूर्व फुटबालर की मौत, दो खिलाड़ी घायल

धनबाद (झारखंड)। पूर्व संतोष ट्राफी खिलाड़ी अभिजीत गांगुली की बिरसा मुंडा स्टेडियम में दैनिक अभ्यास सत्र के दौरान बिजली गिरने से मौत हो गई जबकि दो अन्य फुटबालर घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। 53 साल के गांगुली धनबाद रेलवे डिविजन के फुटबाल कोच है, वह स्टेडियम में लड़कों और लड़कियों को कोचिंग दे रहे थे जब सुबह साढ़े सात बजे के करीब बारिश शुरू हो गई और उन पर व दो अन्य खिलाड़ियों पर बिजली गिर गई। मौजूदा राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि लाल हेम्ब्राम और चंदन टुडू इससे उबर गए जबकि गांगुली बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। गांगुली के परिवार में एक बेटा, पत्नी और मां है, उन्होंने 1993 में संतोष ट्राफी राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप में बिहार टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

यूनिस ने आस्ट्रेलिया दौरे से पहले गेंदबाजों का विशेष शिविर लगाया

कराची। पाकिस्तानी गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने आस्ट्रेलियाई दौरे के लिए विकेट चटकाने वाले गेंदबाज ढूंढने की मुहिम के अंतर्गत दो स्पिनरों सहित 15 गेंदबाजों को विशेष शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह उल हक तथा यूनिस दोनों ने जोर दिया कि आस्ट्रेलिया में आगामी टी20 और टेस्ट श्रृंखला के लिए उनके पास विकेट लेने वाले गेंदबाज हों। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय चयन समिति ने कायदे आजम ट्राफी और मौजूदा राष्ट्रीय टी20 कप में अच्छा कर रहे 15 गेंदबाजों को हफ्ते के अंत में लगने वाले शिविर के लिए आमंत्रित किया। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास और शाहीन शाह अफरीदी को भी बुलाया गया है।

सरफराज के पास सम्मानजनक तरीके से पद छोड़ने का मौका था: सूत्र

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बर्खास्त किए गए सरफराज अहमद को सभी तीनों प्रारूपों में कप्तानी छोड़कर सम्मानजनक तरीके से जाने की सलाह दी थी लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस सुझाव को ठुकरा दिया। विश्वसनीय

सूत्रों के अनुसार सरफराज जब बोर्ड के सीईओ वसीम खान से शुक्रवार को मिले तो उन्हें पद छोड़ने को कहा गया। वह 2017 से तीनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम के कप्तान थे। पीसीबी सूत्र ने कहा, सरफराज ने ऐसा करने से साफ तौर पर मना कर दिया और वसीम से कहा कि बोर्ड अगर चाहता है तो उन्हें बर्खास्त कर सकता है लेकिन वह स्वयं पद नही छोड़ेंगे। सूत्र ने साथ ही कहा कि सरफराज आस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान की टी20 और टेस्ट टीम का भी हिस्सा नही होंगे क्योंकि कोच-मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक ने अब विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मौका देने का फैसला किया है।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से कोहली को मिल सकता है आराम

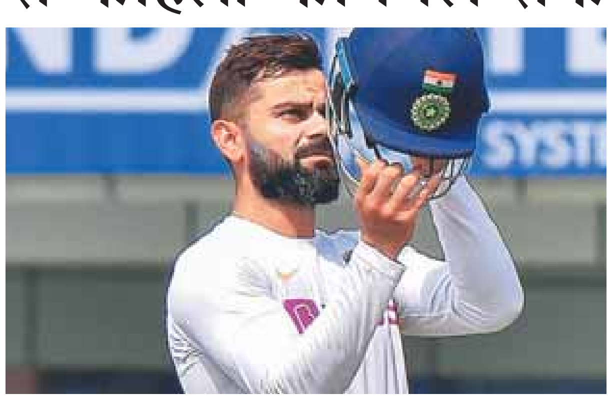

● तीन नवंबर से शुरू हो रही तीन टी20 मैचों की श्रृंखला

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान विराट कोहली को बांग्लादेश के खिलाफ यहां तीन नवंबर से शुरू हो रही तीन टी20 मैचों की श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है।

पिछले साल अक्टूबर से कोहली ने अधिकांश मैचों में हिस्सा लिया और इस दौरान वह भारत के 56 में से 48 मैचों में खेले। बांग्लादेश श्रृंखला के लिए टीम का चयन 24 अक्टूबर को किया जाएगा। चयन समिति के करीबी एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए संभावना है कि विराट को आराम दिया जा सकता है। सूत्र ने कहा, यह इस पर भी निर्भर करेगा कि कप्तान स्वयं कैसा महसूस करते हैं। वह अपने शरीर को सर्वश्रेष्ठ तरीके से समझता है और अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं भी चयनकर्ताओं से आराम की मांग कर सकता है। दिल्ली में पहले टी20 के बाद राजकोट और नागपुर में दूसरा और तीसरा मैच क्रमश: सात और 10 नवंबर को खेला जाएगा।दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 14 नवंबर से इंदौर में शुरू होगी जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। दूसरा और अंतिम टेस्ट कोलकाता में 22 नवंबर से खेला जाएगा। भारत दिसंबर में तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा।

रहाने 83 रन बनाकर खेल रहे

नोर्टजे को अच्छी शुरुआत के बाद भारत को वापसी करने देने का मलाल

एजेंसी। रांची

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्टजे को मलाल है कि यहां तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन शनिवार को भारत का स्कोर तीन विकेट पर 39 रन करने बाद उनकी टीम ने मेजबान टीम को वापसी करने दी। श्रृंखला में क्लीनस्वीप से बचने की कवायद में जुटे दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने तीन विकेट जल्दी चटकाकर अच्छी शुरुआत की लेकिन रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे ने 185 रन की अटूट साझेदारी करके 58 ओवर में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 224 रन तक पहुंचा दिया। इसके बाद खराब मौसम के कारण दिन का खेल रद्द करना पड़ा। नोर्टजे ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, पिछले टेस्ट की तरह

● हमने निश्चित तौर पर बेहतर प्रदर्शन किया

हमने निश्चित तौर पर बेहतर प्रदर्शन किया। हमने बस थोड़े बेहतर तरीके से मैच को नियंत्रित करने की कोशिश की। दुर्भाग्य से हम एक और विकेट हासिल नहीं कर पाए। उनके चार विकेट हासिल करना अच्छा रहता। उन्होंने कहा, एक या दो ओवर में हम हावी थे, बाद हमें हमने दोबारा वापसी की। शायद बीच में हम राह भटक गए लेकिन कुल मिलाकर सभी ने काफी अच्छा प्रयास किया। नोर्टजे ने कहा, कुल मिलाकर गेंदबाजों का प्रयास काफी अच्छा रहा। सुबह थोड़ी मदद मिल रही थी, इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने का प्रयास किया लेकिन एक या दो ओवर हमारे पक्ष में नहीं रहे। कागिसो रबादा ने 14 ओवर में 54 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि नोर्टजे ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को पवेलियन भेजा। नोर्टजे ने कहा, मैं विकेट की उम्मीद कर रहा था और उसे आउट करना अविश्वसनीय था लेकिन सब योजना को लागू करने का प्रयास किया। मैंने जितना अधिक संभव हो उतना दबाव डालने की कोशिश की और अंतत: विकेट मिला। रबादा के प्रयास पर उन्होंने कहा, उसने काफी अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगता है कि लुंगी एनगिडी ने उसका अच्छा साथ दिया। शुरुआती साझेदारी अच्छी थी इसलिए उन्हें पूरा श्रेय जाता है। नोर्टजे इस बात से भी सहमत नहीं हैं कि उनके गेंदबाजों को एसजी गेंद से गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही है।

नदीम को घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन का पुरस्कार मिला: राठौड़

रांची। शाहबाज नदीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट के लिए अंतिम एकादश मे शामिल किया जाना भले ही हैरान करने वाला फैसला रहा हो लेकिन भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने शनिवार को कहा कि इस बाएं हाथ के स्पिनर को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुना गया। चौदह घंटे पहले उन्हें चोटिल कुलदीप यादव की जगह शामिल किया गया था और मैच शुरू होने से पहले कप्तान विराट कोहली ने झारखंड के इस 30 साल के खिलाड़ी को टेस्ट कैप दी। इस तरह वह महेंद्र सिंह धोनी और वरूण आरोन के बाद भारतीय टेस्ट टीम मे जगह बनाने वाले झारखंड के तीसरे क्रिकेटर बन गए। राठौड़ ने कहा, उसके प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करीब 424 विकेट हैं। वह लगातार अच्छी गेंदबाजी करता रहा है और निश्चित रूप से यह उसके घरेलू मैदान की परिस्थितियां हैं। मुझे लगता है कि यह चयनकर्ताओं का फैसला था और मुझे लगता है कि यह सही भी था। हम यहां स्पिनर खिलाना चाहते थे। कुलदीप के कंधे में कुछ समस्या थी तो वह इस मैच में नही खेल पाया। चयनकर्ताओं ने नदीम को उसके प्रदर्शन के आधार पर चुना। पूर्व भारतीय विकेटकीपर से कमेंटेटर बने दीप दासगुप्ता को लगता है कि नदीम जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की स्पिन के मुफीद हालात में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बंगाल के पूर्व कप्तान ने कहा, उसने अपने ज्यादातर विकेट यही चटकाए है और वह हालात से भली भांति वाकिफ भी है। वह यहां अच्छा करेगा।

रोहित की सफलता का राज है उनकी मन: स्थिति : राठौड़

एजेंसी। रांची

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने शनिवार को रोहित शर्मा की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही श्रृंखला में टेस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर सफलता का श्रेय उनकी मन: स्थिति को दिया। रोहित ने शानदार लय जारी रखते हुए श्रृंखला में तीसरा शतक जड़ा जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम मैच के शुरूआती दिन खराब शुरूआत के बावजूद तीन विकेट पर 224 रन बना लिए। राठौड़ ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, वह इतना अनुभवी खिलाड़ी है। मुझे नहीं लगता कि आपको उसकी तकनीक में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। सिर्फ एकमात्र तालमेल, मेरे ख्याल से उसे सिर्फ खेल की योजना बनाना था। रोहित अभी 117 रन बनाकर खेल रहे हैं और अजिंक्य रहाणे (नाबाद 83) के साथ नाबाद 185 रन की भागीदारी निभा चुके हैं। राठौड़ ने कहा, मेरा हमेशा मानना है कि वह किसी भी प्रारूप के लिए बहुत बढ़िया खिलाड़ी है। उसे पारी का आगाज कराना बहुत अच्छा फैसला था। उन्होंने कहा, उस जैसा अनुभवी खिलाड़ी अगर शीर्ष क्रम में

● टेस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर चमक रहे

खेलता है तो इससे भारतीय टीम में सब कुछ बदल जाएगा, यहां तक कि जब आप दौरे पर होंगे तब भी। भारत ने 39 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जो भारत की श्रृंखला में सबसे खराब शुरूआत थी। इसके बारे में बात करते हुए राठौड़ ने कहा, शुरू में थोड़ी सी नमी थी और विकेट से मदद मिल रही थी। उन्होंने भी सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की लेकिन हमारा इन झटकों से उबरना शानदार रहा। दोनों ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और लंच के बाद विकेट थोड़ा आसान हो गया। रोहित जब सात रन पर थे तो उन्हें पगबाधा आउट दिया गया था लेकिन रिव्यू के बाद वह बच गए। टेस्ट में आपको इस तरह के कठिन स्पैल खेलने होते हैं। मुझे लगता है कि वह इस श्रृंखला में अच्छा कर रहा है। एक बार वह जम जाता है तो वह शानदार खिलाड़ी है और हम सभी जानते हैं कि वह गेंदबाजों को रौंद सकता है।

विजय हजारे नाकआउट में दिल्ली का सामना गुजरात से

● आज होगा मुकाबला
● अनुभवी धवन पर बड़ी पारी खेलने का दबाव

एजेंसी। बेंगलुरु

लंबे लीग चरण के बाद आठ टीमें रविवार से यहां विजय हजारे ट्राफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के नाकआउट चरण में हिस्सा लेंगी जिसमें दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। दिल्ली को उम्मीद होगी कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन बड़ी पारी खेलने और युवा बल्लेबाज क्रम को एकजुट करने में सफल रहेंगे। पार्थिव पटेल और प्रियांक पांचाल जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी वाले विरोधी टीम के बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ दिल्ली की नजरें तेज गेंदबाज नवदीप सैनी पर टिकी होंगी। गत चैंपियन मुंबई के लिए हालांकि खिताब बचाना

आसान नहीं होगा। मुंबई का सामना 21 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ से होगा जबकि ग्रुप सी में अपने सभी मैच जीतने वाला तमिलनाडु इसी दिन पंजाब के खिलाफ उतरेगा। मुंबई की टीम भाग्यशाली रही कि खराब मौसम के कारण दो मैच रद्द होने के बावजूद अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। छत्तीसगढ़ ने लीग चरण के बड़े स्कोर वाले मैच में मुंबई को हराया था और श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम हार का बदला चुकता करने को बेताब होगी। सभी की नजरें मुंबई के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (382 रन) पर टिकी होंगी जिन्होंने मुंबई के अंतिम लीग मैच में दोहरा शतक जड़ा और यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ को स्टार खिलाड़ी अमनदीप खरे और गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दिनेश कार्तिक की अगुआई वाली तमिलनाडु की टीम के पास अभिनव मुकुंद (513 रन), मुरली विजय, बाबा अपराजित (470 रन) और विजय शंकर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। कप्तान भी अच्छी लय में हैं और लीग चरण में 135.79 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बना चुके हैं। युवा बल्लेबाज एम शाहरूख खान ने भी अपनी बड़े शाट खेलने की क्षमता दिखाई है और कप्तान के साथ कुछ उपयोगी साझेदारियां कर चुके हैं। ग्रुप सी में अपने सभी नौ मैच जीतने वाले तमिलनाडु की राह पंजाब के खिलाफ आसान नहीं होगी जिसका गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। जयपुर में शानदार प्रदर्शन के बाद तमिलनाडु को बेंगलुरु में बिलकुल अलग हालात का सामना करना होगा जहां बारिश ने बड़ी भूमिका निभाई है। तमिलनाडु के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन और के विग्नेश जैसे गेंदबाज हैं जिन्हें अनमोलप्रीत सिंह (नौ मैचों में 462 रन) और गुरकीरत सिंह मान जैसे बल्लेबाजों की चुनौती का सामना करना पड़ा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में मनीष पांडे की अगुआई वाले कर्नाटक का सामना क्वार्टर फाइनल में पुडुचेरी की नई नवेली टीम से होगा। आठ मैच में 505 रन बनाने वाले पांडे और सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल अच्छी लय में है। टीम हालांकि पुडुचेरी को हल्के में नहीं लेगी जिसके पास कर्नाटक के पूर्व स्टार खिलाड़ी विनय कुमार हैं।

नाकआउट कार्यक्रम इस प्रकार है: 20 अक्टूबर : कर्नाटक बनाम पुडुचेरी और दिल्ली बनाम गुजरात, 21 अक्टूबर : तमिलनाडु बनाम पंजाब, छत्तीसगढ़ बनाम मुंबई

काश आप तब बोर्ड अध्यक्ष होते, जब यो-यो टेस्ट काफी प्रचलित था : युवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने शनिवार को सौरव गांगुली को भारतीय कप्तान से बीसीसीआई अध्यक्ष पद तक का सफर तय करने के लिए बधाई दी और मजाक में कहा कि उनके लिए अच्छा होता अगर वह तब बोर्ड की कमान संभालते जब यो-यो टेस्ट की काफी मांग थी। युवराज ने इस साल जून में संन्यास की घोषणा करते हुए खुलासा किया कि बीसीसीआई ने उन्हें यो-यो टेस्ट में विफल होने की हालत में विदाई मैच का वादा किया था लेकिन वह इस परीक्षण को पास करने में सफल रहे जिससे उन्हें यह विदाई मैच नहीं मिला। युवराज ने ट्वीट किया, जितना महान व्यक्ति, उतना ही शानदार सफर। भारतीय कप्तान से बीसीसीआई अध्यक्ष पद तक। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर का प्रशासक बनना शानदार होगा जिससे अन्य को भी खिलाड़ियों के हिसाब से प्रबंधन समझने का मौका मिलेगा। काश आप तब अध्यक्ष होते जब यो-यो टेस्ट की मांग थी। गुडलक दादा।

पायनियर
लखनऊ , रविवार, 20 अक्टूबर , 2019

सरकार चयन पर महासंघ को निर्देश जारी नहीं कर सकती: रिजीजू

● जरीन और मेरीकोम मामले को बेहतर तरीके से निपटाए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को स्पष्ट किया कि सरकार चयन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी लेकिन उन्होंने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को पारदर्शी होने की सलाह देते हुए कहा कि वह निकहत जरीन और एम सी मेरीकोम मामले को बेहतर तरीके से निपटाए। जरीन ने गुरुवार को रीजीजू को पत्र लिखकर चीन में अगले साल होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले मेरीकोम के खिलाफ ट्रायल मुकाबला आयोजित करने की मांग की थी।
बीएफआई ने कहा था कि मेरीकोम (51 किग्रा) के हाल में रूस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए वह छह बार की विश्व चैंपियन को चुनने का इरादा रखता है।
रिजीजू ने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के सम्मान समारोह के कार्यक्रम के मौके पर कहा, हमें एक चीज समझनी होगी, सरकार महासंघों को निर्देश नहीं दे सकती या फिर चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, अगर कहीं असमानता है और कुछ चीजें खेल के हितों के अनुसार नहीं हैं तो हम सलाह देते हैं। ओलंपिक चार्टर में स्पष्ट है कि सरकार को महासंघ के काम करने के तरीके और प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। रिजीजू ने कहा, हर किसी के पास अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ तरीके ढूंढने की स्वतंत्रता है और मंत्री के तौर पर हमें सकारात्मक जवाब देना होगा। इसलिए मैं महासंघ से पारदर्शी होने और देश के हित में फैसला करने के लिए कहूंगा। लेकिन हम इसकी बारिकियों में नहीं जाएंगे। प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संहिता के बारे में पूछने पर रिजीजू ने कहा, कल, मुझे सूचना मिली की कि अदालत ने कुछ निर्देश दिए हैं। मैंने खेल महासंघों से कहा, ऐसी परिस्थितियां मत बनाईए कि लोग अदालत का रूख करें। जैसे तीरंदाजी संघ की मान्यता रद्द है, जिम्नास्टिक महासंघ के साथ भी समस्या है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि खेल संस्थाओं को आईओसी से या फिर उनकी संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों से किसी समस्या का सामना करना पड़े। जब हम समस्या बनाते हैं तो फिर कोई तो हस्तक्षेप करेगा। खेल मामलों में अदालत को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए? रिजीजू ने कहा, जब महासंघ में गुटबाजी होती है, एक दूसरे के खिलाफ लड़ाईयां होती हैं और समानांतर चुनाव कराए जाते हैं तो ऐसी परिस्थितियों में अदालत हस्तक्षेप करेगी। इसलिए समस्याएं मत खड़ी कीजिए।

ट्रायल्स में जरीन से लड़ने से नहीं डरती: मेरीकोम

नई दिल्ली। छह बार की महिला विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एम सी मेरीकोम ने कहा कि वह ओलंपिक क्वालीफायर के लिए ट्रायल्स मे निकहत जरीन से भिड़ने से नही डरती क्योंकि यह महज एक औपचारिक्ता भर होगी। जरीन ने चीन मे अगले साल होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले मेरीकोम (51 किग्रा) के खिलाफ ट्रायल मुकाबला आयोजित करने की मांग की। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा था कि मेरीकोम (51 किग्रा) के हाल मे रूस मे विश्व चैंपियनशिप मे कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को ध्यान मे रखते हुए वह छह बार की विश्व चैंपियन को चुनने का इरादा रखता है। मेरीकोम ने यहां एक सम्मान समारोह के दौरान कहा, यह फैसला बीएफआई द्वारा लिया जा चुका है। मै नियम नही बदल सक्ती। मै सिर्फ प्रदर्शन कर सक्ती हूं। वो जो भी फैसला करेंगे, मै उसका पालन करूंगी। मै उससे (जरीन) से भिड़ने से नही डरती, मुझे ट्रायल्स से कोई परेशानी नही है। उन्होने कहा, मैने सैफ खेलो के बाद से उसे कई बार हराया है लेकिन वह फिर भी मुझे चुनौती देती रहती है। मेरा मतलब है कि इसकी क्या जरूरत है? यह महज एक औपचारिक्ता है। बीएफआई भी जानता है कि ओलंपिक मे कौन पदक जीत सक्ता है। मेरीकोम ने कहा, लोग मुझसे ईर्ष्या करते है। उन्होंने कहा, यह पहले भी मेरे साथ हो चुका है। रिंग मे प्रदर्शन करो, यही सही चीज है। बीएफआई हमे विदेशी दौरो पर भेजता है इसलिए स्वर्ण पदक के साथ लौटो और खुद को साबित करो। मेरीकोम ने कहा, मै उसके खिलाफ नही हूं। वह भविष्य मे अच्छी हो सक्ती है, उसे अनुभव लेना चाहिए और उच्च स्तर के लिए तैयारियो पर ध्यान लगाना चाहिए। मै पिछले 20 वर्षो से रिंग मे लड़ रही हूं। पुरूष टीम के चयन के लिए बीएफआई ने फैसला किया कि विश्व चैम्पियनशिप के पदकधारियों को सीधे पहले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भेजा जाएगा। वही महिला वर्ग मे बीएफआई ने पहले कहा था कि विश्व चैंपियनशिप मे स्वर्ण और रजत पदक विजेता मुक्केबाजो का ही फरवरी मे होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए सीधे चयन होगा। हालांकि बीएफआई ने अब जरीन की मांग पर अगले हफ्ते चयन समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है। मेरीकोम ने कहा कि चयन मानदंड मे पुरूष और महिला वर्गो मे नियम अलग अलग नही होने चाहिए। उन्होने कहा, मै इसकी परवाह नही करती। बीएफआई को फैसला करना चाहिए। इसमे लैंगिक समानता होनी चाहिए, पुरूषो और महिला वर्गो के लिए अलग नियम नही हो सक्ते।

मुक्केबाजी में बिंद्रा को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए: मेरीकोम

नई दिल्ली। भारतीय स्टार महिला मुक्केबाज एम सी मेरीकोम ने शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के निकहत जरीन की मांग का समर्थन करने को लेकर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हे मुक्केबाजी मे हस्तक्षेप नही करना चाहिए। गुरूवार को बिंद्रा ने जरीन की छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज के खिलाफ ट्रायल कराने की मांग का समर्थन किया था लेकिन ओलंपिक कांस्य पदकधारी मेरीकोम को यह बात पसंद नही आई। मेरीकोम ने कहा, बिंद्रा ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके है लेकिन मैने भी विश्व चैम्पियनशिप मे कई स्वर्ण पदक जीते है। मुक्केबाजी में हस्तक्षेप या दखल देना, उनका इससे कोई लेना देना नही है। मै निशानेबाजी के बारे मे बात नही करती इसलिए उनके लिए बेहतर यही होगा कि वह मुक्केबाजी पर चुप रहे। वह मुक्केबाजी के नियम नही जानते। साथ ही उन्होंने कहा, वह मुक्केबाजी के बारे मे कुछ नही जानते। इसलिए बेहतर होगा कि चुप रहे। मुझे नही लगता कि अभिनव भी हर निशानेबाजी टूर्नामेंट से पहले ट्रायल्स के लिए जाते होंगे। बिंद्रा और जरीन दोनो अलग अलग क्षमताओं मे जेएसडब्ल्यू से जुड़े हुए हैं। बिंद्रा ने ट्वीट किया था, मेरीकोम का मै पूरा सम्मान करता हूं लेकिन खिलाड़ी को अपने कैरियर मे बार बार सबूत देने पड़ते है। यह सबूत कि हम आज भी कल की तरह खेल सक्ते है। कल से बेहतर और आने वाले कल से बेहतर। खेल मे बीता हुआ कल मायने नही रखता।

एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में कोर्स रिकार्ड पर लगी हैं भारतीय मैराथन धावकों की निगाहें

नई दिल्ली। महिलाओ मे कोर्स रिकार्डधारी एथलीट एल सूर्या सहित भारत के शीर्ष एलीट मैराथन धावको ने शनिवार को कहा कि वे रविवार को यहां एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन मे कोर्स रिकार्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। सुरेश कुमार पटेल, श्रीनू बुगथा, प्रदीप चौधरी पुरूष वर्ग मे जबकि सूर्या, पारूल चौधरी और प्रीति लाम्बा महिला वर्ग मे शीर्ष घरेलू मैराथन धावक है जो इस प्रतिष्ठित आईएएएफ गोल्ड स्तर की रेस मे सम्मान हासिल करना चाहेंगे। इस रेस मे 23 महिलाएं और 22 पुरूष भारतीय एलीट एथलीट भाग ले रहे है। सूर्या ने 2017 मे एक घंटे। मिनट 21 सेकेंड के समय से कोर्स रिकार्ड बनया था और वह फिर से इस रिकार्ड को तोड़ना चाहती है। एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन मे विजेताओं को कोर्स रिकार्ड तोड़ने के लिए एक लाख रूपए का बोनस पुरस्कार दिया जाएगा। प्रदीप चौधरी ने कहा कि शुक्रवार से मौसम बदल गया है और उम्मीद है कि रविवार को धावको के लिए परिस्थितियां मुफीद होंगी।

सिंगापुर ने विश्व टी२० क्वालीफायर में स्काटलैंड को हराया

दुबई। स्काटलैड की टीम 2020 ट्वेटी20 विश्व कप के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के पहले दिन सिंगापुर के खिलाफ उलटफेर का शिकार हो गई। दुनिया की 12वे नंबर की टीम स्काटलैड को 169 रन का लक्ष्य दिया गया था लेकिन टीम को दो रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि अंतिम ओवर मे उसे सिर्फ आठ रन की दरकार थी। दुनिया की 21वे नंबर की टीम सिंगापुर ने सुरेंद्र चंद्रमोहन की 51 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर मे छह विकेट पर 168 रन बनाए। स्काटलैड की टीम इसके जवाब मे तीन विकेट पर 123 रन बनाकर अच्छी स्थिति मे थी लेकिन सेलाडोर विजयकुमार (16 रन पर तीन विकेट), सिद्धांत सिंह (27 रन पर दो विकेट) और अमजद महबूब (36 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 166 रन ही बना सकी। स्काटलैड की ओर से जार्ज मुन्से ने 46 जबकि कैलम मैक्लियोड ने 44 रन की पारी खेली। अमजद के अंतिम ओवर मे तीन विकेट गिरने से हालांकि स्काटलैड की टीम पांच रन ही बना सकी।

डाक्टर से सलाह लेने फ्रांस जाएंगे अनवर

मुंबई। हृदय की तकलीफ से जूझ रहे प्रतिभावान युवा डिफेंडर अनवर अली आगे की चिकित्सा सलाह लेने के लिए फ्रांस जाएंगे। मुंबई सिटी एफसी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्लब के अधिकारी ने पीटीआई को बताया, उसका (अली) ख्याल रखा जाएगा और क्लब तथा अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे है। अली आईलीग मे एआईएफएफ की डेवलपमेंटल टीम इंडियन एरोज की ओर से पिछले दो सत्र मे 34 मैच खेले। वह मुंबई सिटी से ऋण पर इस टीम से जुड़े थे। वह 2017 मे भारत मे हुए अंडर 17 विश्व कप मे भारत के तीनो ग्रुप मैचो मे खेले थे।

राज्य स्तरीय खेलकूद 22 से

लखनऊ। डा. ए पी जे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के तत्वावधान में राज्य स्तरीय खेलकूद बाबू बनारसी दास एजुकेशनल ग्रुप के लखनऊ कैंपस में 22 एवं 23 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। प्रदेश के सभी 8 मंडलों के 1000 से अधिक विद्यार्थी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, चेस, खो.खो, फुटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिताएँ हों। उद्घाटन समारोह की प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय पाठक करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल निदेशक आर पी सिंह होंगे।

मुक्केबाज पंघाल ने जीत से शुरूआत की

● विश्व सैन्य खेल

एजेंसी। वुहान

विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदकधारी अमित पंघाल ने शनिवार को यहां पुरूषों के फ्लाइवेट (52 किग्रा) वर्ग के पहले दौर के मुकाबले में जीत हासिल की जिससे मुक्केबाजों ने भारत को सातवें सीआईएसएम विश्व सैन्य खेलों में अच्छी शुरूआत कराई। पंघाल ने ब्राजील के डगलस एंड्राडे को

जबकि चिराग (56 किग्रा) ने जाम्बिया के कटांगा क्रिस्टोफर को 5-0 से मात दी। पुरूष लाइट फ्लाइवेट वर्ग (49 किग्रा) में दीपक ने ईरान के अबासजादेह अली को जबकि सतीश कुमार ने सुपर हेवीवेट वर्ग (91 किग्रा से अधिक) के मुकाबले में ब्राजील के नाशिमेंटो कोस्मे को 3-2 से मात दी।
हालांकि संदीप कुमार 64 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के रासुलोव जाखोंगिर से हार गए। भारत ने इन खेलों की नौ स्पर्धाओं -तीरंदाजी, मुक्केबाजी, गोताखोरी, आधुनिक पेंटाथलान, निशानेबाजी, ट्रैक एवं फील्ड, जिम्नास्टिक्स और टेनिस- में 54 प्रतिभागियों का दल भेजा है। भारत ने 2015 चरण में छह पदक जीते थे।

चौरसिया संयुक्त 23वें और शुभंकर संयुक्त 41वें स्थान पर

रोम। भारतीय गोल्फर एसएसपी चौरसिया शनिवार को अमुंडी ओपन डि फ्रांस के तीसरे दिन 15 होल में एक ओवर के कार्ड से बीती रात संयुक्त 13वें स्थान से खिसककर संयुक्त 23वें स्थान पर पहुंच गए। चौरसिया ने 14वें होल में ही महज एक बोगी की। शुभंकर शर्मा ने एक अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 41वें स्थान पर चल रहे हैं, हालांकि अभी गोल्फर खेल रहे हैं। गगनजीत भुल्लर ने पहले दौर के बाद हैमस्ट्रिंग चोट के कारण हटने का फैसला किया था।

चयन में निरंतरता से सदस्यों को एक दूसरे को समझने में मदद मिली: रानी

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान रानी ने कहा कि ओलंपिक क्वालीफायर से पहले चयन में निरंतरता से उनकी टीम की सदस्यों को एक दूसरे को समझने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि आगामी एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में जब उनकी टीम खेलेगी तो घरेलू समर्थन उनके लिए मनोबल बढ़ाने वाला होगा। शुक्रवार को मुख्य कोच सोर्ड मारिन ने 18 सदस्ईय महिला टीम की घोषणा की जिसमें उन्होंने इस महीने के शुरू में इंग्लैंड के अभ्यास दौरे पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ियों को बरकरार रखा। रानी ने कहा, हमारा खिलाड़ियों का ग्रुप काफी समय से एक दूसरे के साथ खेल रहा है और इससे निश्चित रूप से सभी टीम सदस्यों को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली। हम एक दूसरे को मैदान के अंदर बाहर अच्छी तरह जानते हैं इसलिए मेरा मानना है कि इससे हमें काफी मदद मिली। हम यहां क्वालीफायर में अमेरिका से भिड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ होने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मरे 2017 रोलां गैरां के बाद पहले सेमीफाइनल में पहुंचे

एंटवर्प (बेल्जियम)। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे रोमानिया के मारियस कोपिल पर तीन सेट में मिली जीत के साथ 2017 फ्रेंच ओपन के बाद पहले सेमीफाइनल में पहुंचे। ब्रिटेन का 32 साल का खिलाड़ी साल के शुरू में कूल्हे की सर्जरी के बाद वापसी कर रहा है। उसने क्वालीफायर और 92वीं रैंकिंग के कोपिल को 6-3 6-7 6-4 से शिकस्त दी। अब उनकी विश्व रैंकिंग 243 है, उनका सामना फ्रांस के उगो हम्बर्ट से होगा जिन्होंने अर्जेंटीना के पांचवें वरीय गुइडो पेला को 5-7 6-4 6-4 से मात दी। इटली के युवा जानिक सिनर भी सेमीफाइनल में पहुंचे जहां उनकी भिड़ंत तीन बार के मेजर विजेता स्टान वावरिंका से होगी।

मनमोहन भार्गव ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक

● मेजबान खिलाड़ियों ने दूसरे दिन जीते 7 स्वर्ण, 4 रजत, छह कांस्य
● 16वीं मास्टर्स नेशनल पुरुष व महिला एक्वेटिक चैंपियनशिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

16वीं मास्टर्स नेशनल पुरुष व महिला, एक्वेटिक चैंपियनशिप के दूसरे दिन गोताखोरी की विभिन्न स्पर्धाओं में दिग्गज खिलाड़ियों ने अपना जलवा दिखाया। वहीं

मनमोहन भार्गव ने तरणताल में कमाल दिखाते हुए अपना दूसरा स्वर्ण पदक पुरुष ग्रुप 80ए 100 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक के साथ कांस्य पदक पुरुष ग्रुप 80, 50 मी.फीस्टाइल भी जीता।
भारतीय खेल प्राधिकरण क्षेत्रीय केंद्र सरोजनीनगर में तैराकी के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने हाथ दिखाए। दूसरे दिन यूपी के खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण, 4 रजत, छह कांस्य पदक जीते। इसी के साथ यूपी के खातें में अब तक 11 स्वर्ण, 11 रजत व 16 कांस्य सहित कुल 38 पदक हो गए है। आज 100 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक पुरुष ग्रुप 80, में मनमोहन भार्गव व 100 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक महिला ग्रुप 50, अंजली जायसवाल ने स्वर्ण पदक जीते। 50 मी.फ्रीस्टाइल ;पुरुष ग्रुप 80 में लखन लाल अरोरा, 100 मी.बैक स्ट्रोक में पुरुष ग्रुप 75, में इंद्र दत्त शर्मा व 100 मी.बैक स्ट्रोक में महिला ग्रुप 25 में लक्ष्मी निषाद ने रजत पदक जीते। कांस्य पदक विजेताओ में 50 मी.फ्रीस्टाइल पुरुष ग्रुप 80, में मनमोहन भार्गव, 50 मी.फ्रीस्टाइल, पुरुष ग्रुप 65, में जगदीश सिंह दीक्षित, 50 मी.फ्रीस्टाइल ,महिला ग्रुप 30 में ज्योति निषाद, 100 मी.बैक स्ट्रोक में पुरुष ग्रुप 65, में प्रकाश अवस्थी,100 मी.बैक स्ट्रोक में महिला ग्रुप 50 में अंजली जायसवालए 100 मी ब्रेस्ट स्ट्रोक पुरुष ग्रुप 30 में अनुभव मिश्रा ने कांस्य पदक जीते।

डाइविंग में यूपी की गरिमा कपूर ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक

केडी सिंह बाबू स्टेडियम के तरणताल में आज दूसरे दिन हुई हाईबोर्ड डाइविंग की स्पर्धा में यूपी के लिए गरिमा कपूर ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

80 साल से ज्यादा उम्र के वेटरन दिग्गज वेटरन हुए सम्मानित

भारतीय खेल प्राधिकरण क्षेत्रीय केंद्रए सरोजनीनगर में आयोजित एक सम्मान समारोह में चैंपियनशिप में भाग लेने वाले 80 साल से ज्यादा उम्र के वेटरन खिलाड़ियों को आज दूसरे दिन प्रोग्राम में यूपी स्विमिंग एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया गया। इन दिग्गजों को मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक धवन निदेशक, आईआईटीआर व कर्नल प्रभात रंजन ने सम्मानित किया। प्रोफेसर आलोक धवन ने कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर इन लोगों ने जो कमाल दिखाया हैए उससे आज की युवा पीढ़ी को सीखने की दरकार है। आज सम्मानित होने वाले 80 साल से ज्यादा उम्र के दिग्गज इस प्रकार हैं: मनमोहन भार्गव 81 साल,लखन लाल अरोरा ,80 सालए यूपी,भगवती मनवंतरम 83 साल, गुजरात,विश्वनाथ बेहरे ,84 सालए गुजरात,दुलाल कुमार गुकंडू ,82 साल पश्चिम बंगाल, रामकृष्ण अरांके 88 साल, महाराष्ट, अनंत जोग 89 साल, महाराष्ट्र, राम कंवर सांगवान, 81 सालए हरियाणा, मुथु कुमारस्वामी 83 साल, तमिलनाडु, मनबीर सिंह मलिक ,80 साल दिल्ली, दयानंद शर्मा 80 सालए दिल्ली, ओम सेठ 84 साल तेलंगाना।

शौर्य व ओम यादव और यती व शगुन युगल चैंपियन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एल्डिको कप आइटा चैंपियनशिप में लड़कों का डबल फाइनल शौर्य व ओम यादव व लड़कियों का फाइनल यती व शगुन ने जीत लिया। लामर्टीनियर के एसडीएस एकेडमी में बालकों अंडर-16 के खिताबी मुकाबले में शौर्या सिंह व ओम यादव ने सिद्धार्थ यादव व अंशुमान सिंह को हराया। बालिका फाइनल में यती सिंह व शगुन कुमारी ने सासा कटियार व सान्वी मौर्या को 6-2, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

''बाबू'' स्मारक आमंत्रण पुरूष हाकी 20 से

लखनऊ। खेल विभाग के तत्वाधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ द्वारा 39वीं अखिल भारतीय केडीसिंह ''बाबू'' स्मारक आमंत्रण पुरूष हाकी प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 25 अक्टूबर, तक पद्मश्री मो.शाहिद हाकी सिन्थेटिक स्टेडियम, विजयन्तखण्ड गोमतीनगर लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। जिसमें देश की जानी मानी 12 टीमें प्रतिभाग कर रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन आरपी सिंह, निदेशक खेल, करेंगे।

एसएसएस लीगल की जीत

लखनऊ। मैन ऑफ़ द मैच अब्दुल्लाह नाबाद 80 रन के अर्धशतक से एसएसएस लीगल ने डे ग्लोब पार्क ट्विन ट्राफी टी20 कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में सुपर क्रिकेट क्लब को रोमांचक मैच में 4 रन से हराया।
चौक स्टेडियम में एसएसएस लीगल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट गंवाकर 177 रन बनाए। सुपर क्लब से समी व सुरेंद्र सिंह ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में सुपर क्रिकेट क्लब मो.जीशान सफ ीक-47, समी 39, व अभिलाष पाण्डेय 26 की पारियों के बावजूद निर्धारित ओवर में 9 विकेट गंवाकर 173 रन ही बना सका। एसएसएस लीगल से गगन मेहता ने तीन जबकि सत्यभान सिंह व अनिल गौतम ने दो.दो विकेट चटकाए।

लाइफकेयर की जीत में चमके अविश व विवेक

चौक स्टेडियम पर ही दूसरे मैच में मैन ऑफ़ द मैच अविश शुक्ला 4 विकेट व व विवेक पठानिया दो विकेट की गेंदबाजी से लाइफ केयर इलेवन ने ट्रिपल नाइन को 73 रन से हराया। लाइफ केयर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक मिश्रा 41, श्याम नारायण 34, व आदिल पाशा 24 की पारियों से आठ विकेट गंवाकर 167 रन बनाए। ट्रिपल नाइन क्लब से नितिन यादवए अनिल सिंह व ओम प्रकाश ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में ट्रिपल नाइन क्लब लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.5 ओवर में 94 रन ही बना सका। टीम से सुनील चैहान 33 व दीपक सिंह 23 ही टिक कर खेल सके।

शिया व क्रिश्चियन कालेज क्वॉटर फाइनल में

लखनऊ। सीबी गुप्ता अमित सिंह चौहान ट्राफ क्रिकेट के प्रीक्वार्टर में शिया कालेज ने जेएनपीजीसी को 21 रनों व क्रिश्चियन कालेज ने बीएसएनवी को 4 विकेट से हराकर क्वॉटर फाइनल में जगह बनाइ।
पहले मैच पहले खेलते हुए शिया ने 199 रन बनाए। हसन ने 110, निखिल-41 व शाद ने 22 रन बनाए। विकास व हर्षित ने 3-3 विकेट लिए।
जवाब में उतरी जेएनपीजी की टीम 178 रन पर ढेर हो गई। विकास दीप-53 व जितेंद्र ने 31 रन बनाए। मुर्तजा व शाद ने 2-2 विकेट लिया। दूसरे मैच में पहले खेलते हुए बीएसएनवी ने 78 रन जोड़े। प्रियांशु-20 व अविरल ने 18 रन बनाए। रवि ने 3 व रोहित ने 2 विकेट लिए। जवाब में उतरी क्रिश्चियन कालेज ने रोहित-29 व वैभव के 18 रन की मदद से जीत प्राप्त की। हर्षित ने 3 व अभिषेक ने 2 विकेट लिए।

गाजियाबाद सेमीफाइनल में

लखनऊ। स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट के क्वार्टरफाइनल में हरिसिंह क्रिकेट क्लब गाजियाबाद ने इलाहाबाद को 28 रनों से हरा दिया। पहले खेलते हुए गाजियाबाद ने 198 रन बनाए। प्रगम-31, पुरु-72 व अभिषेक ने 44 रन बनाए। ध्रुव ने 5 व अम्बेकेश्वर ने 2 विकेट लिया। जवाब में उतरी इलाहाबाद की टीम 170 रन बना सकी। मुकेश ने 3 जबकि हर्षित, सिद्धांत व प्रगम ने 2-2 विकेट लिया। यादवेंद्र-42, अमर-38 व यश ने 24 रन जोड़े।

लखनऊ रेंजस चमका

लखनऊ। उत्तर रेलवे स्टेडियम चारबाग लखनऊ में आयोजित द्वितीय सरदार पटेल टी-20 कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ चैम्पियन इलेक्ट्रीकल एण्ड इंडस्ट्री के प्रोपाइटर एसके अग्रवाल ने किया।
बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ हंटर्स की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 151 रन बनाये। सुफ्यिान ने 83 रन व यासीन ने 16 तथा फखरू ज़मा ने 14 रनों का योगदान किया। रामप्रकाश ने ग तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ रेंजर्स की टीम ने 6 विकेट खोकर 153 रन बनाकर 04 विकेट से जीत दर्ज की। हिमांशु ने 30 , रामप्रकाश ने 48 रन एवं राशिद ने 17 रनों का योगदान दिया ।

हौसला स्पेशल गेम्स 22 से

लखनऊ। सरस्वती एजुकेशनल फांउण्डेशन पांचवीं बार राज्य स्तरीय हौसला् स्पेशल गेम्स का आयोजन 22 व 23 अक्टूबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में करेगा।।
इसमें एथलेटिक्स, बोची और पावर लिफ्टिंग खेल की प्रतियोगिताएं होंगी। पहली बार प्रयोग के तौर पर रोलर स्केटिंग खेल को भी शामिल किया जा रहा है।
मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह होंगे।

शर्मिला नियोगी टी-20 कॉरपोरेट क्रिकेट

लखनऊ। मैन ऑफ़ द मैच जमाल-40 रन, तीन विकेट के हरफ नमौला प्रदर्शन से अपना वर्ल्ड ने सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमीए बख्शी का तालाब के तत्वावधान में खेली जा रही शर्मिला नियोगी टी.20 कॉरपोरेट क्रिकेट प्रतियोगिता में तूलिका आर्ट को 94 रन से हराया। सीएसडी सहारा मैदान में खेले गए मैच में अपना वर्ल्ड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जमाल 40,योगेश जोशी नाबाद 33, व नवीन 32 की पारियों से निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 163 रन बनाए। तूलिका आर्ट से गुरमीत व इरशाद ने दो.दो विकेट चटकाए। जवाब में तूलिका आर्ट लक्ष्य का पीछा करते हुए 12०5 ओवर में 69 रन ही बना सका। टीम से आयुष ;30द्ध ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। अपना वर्ल्ड से जमाल ने तीन व सन्नी ने दो विकेट चटकाए।

क्विक न्यूज

नेपाल में हत्या के आरोप में एक भारतीय गिरफ्तार

भैरवा। नेपाल के रूपानदेही जिले में पिछले महीने हुई एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में एक भारतीय को गिरफ्तार किया गया है। हिमालयन टाइम्स ने रूपानदेही जिला पुलिस कार्यालय के हवाले से खबर दी है कि नेपाली नागरिक महेंद्र प्रसाद कुर्मी की हत्या के सिलसिले में 16 अक्टूबर को मनीष हरिजन (40) को गिरफ्तार किया गया जो उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के मायरी गांव का रहने वाला है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी हरिजन ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस अधीक्षक हेम कुमार थापा ने कहा, हमने मुख्य निशानेबाज को गिरफ्तार किया है लेकिन मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

आत्मसमर्पण नहीं करने पर भारतीय मूल के व्यक्ति की कैद की अवधि बढ़ी

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को सजा काटने के लिए आत्मसमर्पण करने में विफल रहने पर नौ महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई गई है। अमेरिकी अटॉर्नी एमडोगेर स्कॉट ने कहा कि लॉस एंजिलिस के 34 वर्षीय दमनप्रीत सिंह को पिछले हफ्ते अमेरिकी जिला न्यायाधीश गारलैंड बैल ने सजा सुनाई थी। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक पिछले साल सितंबर में सिंह को रिश्वत लेने की साजिश करने, पहचान में धोखाधड़ी और कंप्यूटर तक अनधिकृत पहुंच के मामले में दो साल कैद की सजा सुनाई गई थी। उसे इस साल जनवरी से शुरू हो रही सजा के लिए आत्मसमर्पण करने को कहा गया था। हालांकि सिंह ने आत्मसमर्पण करने की बजाए हिरासत से बाहर रहने की कोशिश की।

एफएटीएफ की कार्रवाई योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि वह वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की कार्रवाई योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने यह बयान तब दिया है जब आतंकवाद को मुहैया कराए जाने वाले धन की निगरानी करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था एफएटीएफ ने शुक्रवार को उसे चेतावनी दी कि यदि उसने आतंकवाद को मिल रहे धन को अगले साल फरवरी तक नियंत्रित नहीं किया तो उसे काली सूची में डाल दिया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे को उठाने पर भारत ने की पाकिस्तान की खिंचाई

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के एक मंच पर उठाने पर पाकिस्तान को फटकार लगाते हुए कहा कि देश अपने विकृत एजेंडे को चलाने के लिए खाली बयानबाजी करता है और लगातार आरोप गढ़ने में लगा रहता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन में मंत्री दीपक मिश्रा ने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजदूत मलीहा लोधी के एक बयान की प्रतिक्रिया में थी, जिन्होंने पिछले सप्ताह विश्व निकाय के एक मंच पर बोलते हुए जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर फिर से राग अलापा था। लोधी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को रद्द करने के भारत के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे के समाधान के बिना संयुक्त राष्ट्र का अनौपनिवेशीकरण को खत्म करने का एजेंडा अधूरा रहेगा। मिश्रा ने बुधवार को कहा, मंच पर जानबूझकर विषय से भटकाने की कोशिश की जा रही है और अनुचित टिप्पणियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा, वह अपने विकृत एजेंडे को चलाने के लिए खाली बयानबाजी करते रहते हैं और घटिया तथा बेबुनियाद आरोपों को फैलाने में लगे रहते हैं। मिश्रा ने समिति को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से, 80 से अधिक पूर्व उपनिवेशों ने स्वतंत्रता प्राप्त की है और संयुक्त राष्ट्र के परिवार में शामिल हुए हैं।

सुरक्षा परिषद को आईसीजे से ज्यादा से ज्यादा मदद लेनी चाहिए

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय विवादों के न्यायिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए, किसी अन्य माध्यम को चुनने की बजाए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से ज्यादा से ज्यादा मदद लेनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के प्रथम सचिव कानूनी सलाहकार वाई. उमाशंकर ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक अंग, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, राष्ट्रों के बीच विवाद पर निर्णय कर अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाता है। उमाशंकर ने कहा, देश शांतिपूर्ण तरीके से अपने विवाद सुलझाने के लिए बाध्य हैं जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर का एक मूलभूत सिद्धांत है।

चार्टर का अनुच्छेद 33 इस कर्तव्य को और मजबूत करता है और वे जरिए उपलब्ध कराता है जो विवाद में शामिल पक्ष स्वतंत्र रूप से चुन सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर महासभा की छठे समिति सत्र में उमाशंकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के छठे चैप्टर के तहत सुरक्षा परिषद को न्यायिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए अन्य कोई विकल्प चुनने की बजाए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख बार-बार करना चाहिए।

लंदन के डाउनिंग स्ट्रीट के पास शनिवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनके शीर्ष सलाहकार डोमिनिक कमिंग्स का पुतला

अफगानिस्तान की मस्जिद में विस्फोट में मारे गए 66 लोगों को दफनाया गया

एजेंसी। काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान की एक मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए बम विस्फोट में मारे गए 66 लोगों को दफना दिया गया है। अंतप्रिंट में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। नांगरहार प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता अताउल्ला खोगानी ने कहा कि जोड़ारी गांव स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए बम विस्फोट में 36 लोग घायल भी हुए हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि मस्जिद पर आत्मघाती हमला हुआ या किसी अन्य प्रकार का हमला। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या 66 है। उन्होंने कहा कि 10 घायलों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

हस्कीमीना जिले के आसपास के ग्रामीणों ने कहा कि मस्जिद में बम विस्फोट के समय सौ से अधिक नमाजी थे। गुलाब शिनवारी नाम के एक ग्रामीण ने कहा कि जब वह अन्य स्थानीय लोगों के साथ विस्फोट स्थल पर पहुंचा तो उन्हें दिल दहला देने वाला दृश्य दिखा। हमले की अभी किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन तालिबान और इस्लामिक स्टेट समूह दोनों ही पूर्वी अफगानिस्तान, खासकर नांगरहार प्रांत में सक्रिय हैं। वहीं, तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान जारी करके नांगरहार में हमले की निंदा की और इसे एक गंभीर अपराध बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमले की कड़ी निंदा की है और कहा है कि हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। एमनेस्टी इंटरनेशनल के दक्षिण एशिया के उप निदेशक उमर वारैक ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन, नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने जैसी चीजों की कोई अनदेखी नहीं कर सकता। यह हिंसा ऐसे समय हुई है, जब संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में युद्ध में रिकार्ड संख्या में अफगान नागरिक मारे जा रहे हैं।

बिलावल भुट्टो ने पूरे पाकिस्तान में सरकार विरोधी प्रदर्शन करने की घोषणा की

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के विपक्षी नेता बिलावल भुट्टो-जरदारी ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री इमरान खान पर इस्तीफा देने का दबाव बनाने और देश में वास्तविक लोकतंत्र बहाल करने के लिए, उनकी पार्टी देश में व्यापक स्तर पर सरकार विरोधी प्रदर्शन करेगी।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि सरकार से लोगों का विश्वास उठ चुका है क्योंकि उसने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने पार्टी की एक रैली में अपने संबोधन में कहा, हमारी मांग देश में फिर से लोकतंत्र बहाल करने की है।

बिलावल ने कहा, हम यह कृत्रिम लोकतंत्र स्वीकार नहीं करते हैं...लोगों के लोकतांत्रिक और सामाजिक आर्थिक अधिकार बहाल किए जाएं...और इसके लिए इमरान खान को इस्तीफा देना होगा।

उन्होंने कहा, हमारा सरकार विरोधी आंदोलन कराची से शुरू हो चुका है। बिलावल ने प्रधानमंत्री पर कश्मीर मुद्दे से समझौता करने का आरोप लगाया।

तुलसी गबार्ड ने हिलेरी क्लिंटन को युद्ध भड़काने वाली रानी करार दिया

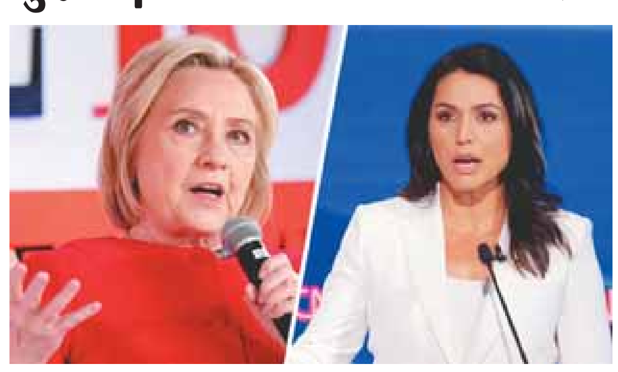

एजेंसी। वाशिंगटन

डेमोक्रेट सांसद तुलसी गबार्ड ने शुक्रवार को पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन को युद्ध भड़काने वाली रानी करार दिया। क्लिंटन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रूस तीसरे पक्ष के उम्मीदवार के रूप में गबार्ड को तैयार कर रहा है।

गबार्ड ने पिछले साल खुद को राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दौड़ में शामिल करने का निर्णय लिया था और हिंदू होने की वजह से वह भारतीय-अमेरिकी लोगों की पसंदीदा उम्मीदवार हैं। क्लिंटन ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार के दौरान गबार्ड पर आरोप लगाया था कि रूस उनकी मदद कर रहा है, ताकि वह राष्ट्रपति चुनाव में तीसरे पक्ष के उम्मीदवार के रूप में उभर सकें। पूर्व विदेश मंत्री ने जाहिर तौर पर गबार्ड का हवाला देते हुए कहा, मैं कोई भविष्यवाणी नहीं कर रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि उनकी नजर (रूस की) ऐसे व्यक्ति पर है जो फिलहाल डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों में प्राइमरी दौड़ में हैं और रूस उनकी मदद कर रहा है।

हिलेरी क्लिंटन के ईमेल जांच मामले में 38 व्यक्ति नियम उल्लंघन के दोषी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के निजी ईमेल इस्तेमाल मामले की जांच पूरी कर ली है और पाया है कि 38 लोगों ने नियमों का उल्लंघन किया। इन लोगों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

श्रीलंका एफएटीएफ की संदिग्ध सूची से बाहर

कोलंबो। आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन एफएटीएफ ने श्रीलंका को संदिग्ध सूची से बाहर कर दिया है। मीडिया में आई खबर में यह बात कही गई है।

कोलंबो गजट समाचार पत्र की खबर के अनुसार श्रीलंका अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की वैश्विक धन-शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण (एएमएल सीएफटी) अनुपालन की जारी प्रक्रिया के तहत निगरानी में नहीं होगा। खबर के अनुसार एफएटीएफ ने शुक्रवार को पेरिस में संपन्न हुई अपनी पांच दिवसीय बैठक के बाद कहा कि श्रीलंका ने रणनीतिक एएमएलसीएफटी कमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पेरिस स्थित संगठन एफएटीएफ ने अक्टूबर 2016 में घोषणा की थी कि श्रीलंका आतंकी वित्तपोषण को लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय सहयोग समीक्षा समूह (आईसीआरजी) की निगरानी में होगा, जो श्रीलंका में एएमएलसीएफटी की प्रभावशीलता का आकलन करेगा। श्रीलंका को अक्टूबर 2017 में संदिग्ध सूची (ग्रे लिस्ट) में शामिल किया गया था।

भारत-अमेरिका का रक्षा कारोबार इस साल 18 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद : पेंटागन

एजेंसी। वाशिंगटन

भारत-अमेरिका रक्षा तकनीक एवं कारोबार नवोन्मेष (डीटीटीआई) की अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली सामूहिक बैठक से पहले शनिवार को पेंटागन ने कहा कि इस साल के अंत तक दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय रक्षा कारोबार 18 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रक्षा खरीद एवं प्रमाणन उपमंत्री एलेन एम लॉर्ड ने कहा कि दोनों देश की सेनाओं के बीच संबंध एवं सहयोग को आगे बढ़ाते हुए अमेरिका भारत के साथ अपनी साझेदारी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पेंटागन में संवाददाताओं से कहा, द्विपक्षीय रक्षा कारोबार जो कि 2008 में शुरुआत शून्य पर था, उसके इस साल के अंत तक 18 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना है। लॉर्ड यहां अगले सप्ताह होने वाली डीटीटीआई की बैठक की सह अध्यक्षता करेंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल भारत को इंडिया स्ट्रैटजिक ट्रेड अथॉरिटी टियर। का दर्जा दिया था। जो कि भारत को नाटो सहयोगी जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जितने ही अधिकार देता है।

स्पेन के बार्सिलोना में पुलिस के साथ संघर्ष के दौरान पत्थर फेंकते हुए कैटेलोनिया के स्वतंत्रता-समर्थक प्रदर्शनकारी

तुर्की ने कुर्द बलों पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया

इस्तांबुल। तुर्की ने शनिवार को कुर्द बलों पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। सीमा के पास के सुरक्षित क्षेत्र से पीछे हटने की स्थिति में तुर्की सीरिया में अभियान रोकने को राजी हुआ था।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तुर्की के सशस्त्र बल समझौते से बंधे हैं। इसके बावजूद, आतंकियों ने पिछले 36 घंटे में 14 हमले किए। मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी-पूर्वी सीरिया के सीमाई शहर रास अल ऐन से 12 हमले किए गए। इसके अलावा ताल अबयाद और तल तम्र क्षेत्र से भी हमले किए गए। हमले में हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तुर्की पांच दिनों के लिए सीरिया में अपना अभियान रोकने पर राजी हुआ था लेकिन राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शुक्रवार को चेताया था कि कुर्द बल सुरक्षित क्षेत्र से नहीं हटे तो सीरिया में उनके खिलाफ तुर्की फिर से अपना अभियान शुरू करेगा।

साइबेरिया में बांध टूटने से सोने की खदान में 15 लोगों की मौत

एजेंसी। मॉस्को

साइबेरिया के क्रासनोयार्स्क क्षेत्र में शनिवार को एक बांध टूटने की वजह से सोने की एक खदान में 15 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जन भर से ज्यादा लापता है। रूस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में सीबा नदी पर बना बांध शनिवार तड़के टूट गया जिससे श्रमिकों के कई केबिन पानी में डूब गए। इनमें श्रमिक रह रहे थे। जांच अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्रीय गवर्नर एलेक्जेंडर उस ने टीवी पर एक टिप्पणी में कहा कि करीब 80 लोग क्रासनोयार्स्क के दक्षिणी क्षेत्र में अस्थाई बस्ती में रह रहे थे। अस्थाई बस्ती में रहने वाले लोगों की संख्या लगभग 180 है। आपातकाल मंत्रालय ने बताया कि 270 लोग तलाश और बचाव अभियान में जुटे हुए हैं।

कोविंद ने भारत में यकृत प्रतिरोपण कराने वाले शिशुओं के परिजनों से बातचीत की

एजेंसी। मनीला

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने फिलीपीन में उन शिशुओं के माता-पिता से शनिवार को बातचीत की जिनका भारत में सफल यकृत प्रतिरोपण किया गया। उन्होंने दक्षिणपूर्व एशिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के संवाद पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पिछले 28 महीनों में फिलीपीन के 35 शिशुओं का भारत में सफल यकृत प्रतिरोपण किया गया। यह फिलीपीन-भारत बाल चिकित्सा यकृत प्रतिरोपण कार्यक्रम के तहत हुआ। पांच दिन के आधिकारिक दौरे पर बृहस्पतिवार को फिलीपीन आए राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, भारतीय चिकित्सा संस्थान फिलीपीन के चिकित्सा संस्थानों के साथ यह देखने के लिए काम कर रहे हैं कि इसी तरह के प्रतिरोपण की सफलता दर फिलीपीन में भी हो और यहां कीमत कम की जा सके। कोविंद ने कहा कि वह खुश हैं कि फिलीपीन के साथ भारत के मिल कर काम करने से लोगों की समस्याएं एवं जीवनदाई परियोजनाएं उसके दायरे में आई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने एक ट्वीट में कहा कि राष्ट्रपति ने यकृत प्रतिरोपण के लिए फिलीपीनी शिशुओं की सर्जरी की कहानियां सुनी। उन्होंने ट्वीट किया, राष्ट्रपति ने बाइलरी आर्ट्रेसिया के इलाज के लिए भारतीय चिकित्सकों द्वारा मैक्स और अपोलो अस्पताल में फिलीपीन के शिशुओं के यकृत प्रतिरोपण किए जाने की कहानियां सुनी। फिक्की की फिलीपीन इकाई गरीब मरीजों के उपचार के लिए मदद उपलब्ध करा रही है।

मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक फिलीपीन में यकृत प्रतिरोपण जैसे विशिष्ट उपचार की लागत बहुत ज्यादा है जिसके चलते मरीजों को सस्ते इलाज के लिए भारत जैसे देशों की तरफ देखना पड़ता है।

हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद चिली के राष्ट्रपति पिनेरा ने आपातकाल की घोषणा की

एजेंसी। सैंटियागो

चिली के राष्ट्रपति ने सैंटियागो में आपातकाल की घोषणा कर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। मेट्रो के किराए में वृद्धि को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है।

राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा ने कहा, मैंने आपातकाल की घोषणा कर दी है और हमारे देश के आपातकालीन कानून के प्रावधानों के अनुसार, मेजर जनरल जेवियर इटुरियागा डेल कैंपो को राष्ट्रीय रक्षा प्रमुख नियुक्त किया है। शुक्रवार को, प्रदर्शनकारियों की शहर के कई हिस्सों में दंगा पुलिस के साथ झड़प हुई और कई स्टेशनों पर हमलों के बाद मेट्रो सेवा को बंद कर दिया गया शहर में कई जगहों पर हुई हिंसा के दौरान करीब 16 बसों को आग लगा दी गई और एक दर्जन मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

राष्ट्रपति ने आधी रात को आपातकाल लगाने की घोषणा की। पिनेरा ने एक बयान में कहा, आपातकाल लगाने का मकसद बहुत सरल लेकिन बहुत गंभीर है : सैंटियागो के निवासियों के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना। आपातकाल शुरुआती तौर पर 15 दिनों के लिए लगाया गया है और इस दौरान गतिविधियों और सभा करने पर प्रतिबंध रहेगा। आपातकाल के कारण, नेशनल फुटबॉल एसोसिएशन ने इस सप्ताहांत के मैचों को रद्द कर दिया है।

जनरल इटुरियागा ने कहा कि सेना 70 लाख आबादी वाले शहर के संकटग्रस्त स्थलों पर गश्त करेगी, लेकिन वर्तमान में कर्फ्यू नहीं लगाएगी। उन्होंने कहा, हम अभी किसी भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिबंधित नहीं करने जा रहे हैं।

पिनेरा ने अव्यवस्था फैलाने को लेकर प्रदर्शनकारियों की निंदा की उन्होंने एक रेडियो साक्षात्कार में कहा, हर चीज को क्षति पहुंचाने की यह इच्छा कोई विरोध नहीं, बल्कि अपराध है। गुरुवार को, मेट्रो स्टेशनों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 133 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

जी7 सम्मेलन का आयोजन ट्रंप के रिजॉर्ट में होने से रोकने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे डेमोक्रेट्स

वाशिंगटन। फ्लोरिडा स्थित अपने गोल्फ रिजॉर्ट में अगले जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया देने वाले डेमोक्रेट्स सांसदों ने उनकी इस योजना को रोकने के लिए शुक्रवार को एक प्रस्ताव पेश किया।

सांसदों ने कहा, ट्रंप्स हौस्ट अंडरमाइन्स द जी-7 (टग) एक्ट उस कदम के लिए, सभी संघीय वित्तपोषण को बंद कर देगा जिसके तहत सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को अगले साल जून में ट्रंप के मियामी स्थित नेशनल डोरल गोल्फ क्लब में एकत्र करने की घोषणा की गई है। इस प्रस्ताव के चलते व्हाइट हाउस को सभी संबंधित दस्तावेजों को भी खंगालना होगा जो यह दिखाते हों कि प्रशासनिक अधिकारी डोराल (गोल्फ क्लब) में सम्मेलन के आयोजन के फैसले तक कैसे पहुंचे। सदन की गृह सुरक्षा संबंधी समिति के प्रमुख बेनी थॉम्पसन ने एक बयान में कहा, यह आशंका है कि ट्रंप प्रशासन जी7 सम्मेलन के आयोजन का फैसला लेकर राष्ट्रपति की जेब भरने के लिए संविधान को दरकिनार कर देगा। डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा में ट्रंप की निंदा के प्रस्ताव के रूप में यह आसानी से पारित हो सकता है।

उत्तरी सीरिया में संघर्ष विराम का पहला दिन सकारात्मक रहा: पोम्पिओ

एजेंसी। ब्रसेल्स

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तरी सीरिया में तुर्की और कुर्द लड़ाकों के बीच की लड़ाई में तय किए गए पांच दिन के संघर्षविराम में पहला दिन सकारात्मक रहा।

उन्होंने ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में हुई बैठक के बाद कहा, आज कुछ गतिविधि हुई, लेकिन हमने सकारात्मकता भी देखी। हालांकि उत्तरी सीरिया में अब भी अलग-अलग स्थानों पर छिट-पुट संघर्ष जारी है लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री का कहना है कि संघर्षविराम शुरू हो चुका है। अमेरिका के अनुरोध पर तुर्की ने बृहस्पतिवार को इसकी

घोषणा की थी। दरअसल कुर्द सीमा से लगे क्षेत्र में कुर्द बलों को 32 किलोमीटर पीछे जाने को कहा गया है। संघर्षविराम की यह समय सीमा मंगलवार रात तक है। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शुक्रवार को चेताया कि कुर्द बल सुरक्षित क्षेत्र से नहीं हटे तो सीरिया में उनके खिलाफ तुर्की फिर से अपना अभियान शुरू करेगा।

सीरिया से सैनिकों को हटाने का ट्रंप का फैसला रणनीतिक गलतीः मैकोनेल

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटर मिच मैककोनेल ने सीरिया से सैनिकों को वापस बुलाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की शुक्रवार को आलोचना करते हुए इसे एक रणनीतिक गलती बताया। मैककोनेल ने कहा कि ट्रंप के इस कदम से अमेरिका के शत्रुओं को मदद मिलेगी तथा उसके सहयोगी दलों को नुकसान होगा। अमेरिकी कांग्रेस में शीर्ष रिपब्लिकन मैककोनेल ने लिखा, हमने देखा कि तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के पीछे हटने के बाद इराक में इस्लामिक स्टेट फूला फला।

पायनियर
रविवार, 20 अक्टूबर, 2019
एजेण्डा

कमजोरी एक ऐसी चीज़ है जिसे हम स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। हम इसे लोगों के खिलाफ बनाए रखते हैं, जब तक कि उसका अनुभव नहीं करते, और तब हम इसके प्रति और दयावान हो जाते हैं।
- ओलिविया वाइल्ड

नया ट्रैफिक कानून - एक अच्छी पहल

मोटर वाहन अधिनियम में हालिया संशोधनों से ट्रैफिक नियम अधिक सख्त हो गए हैं, और वे उल्लंघन की स्थिति में भारी चालान कर रहे हैं। बढ़ा हुआ जुर्मानों ने किस प्रकार परिणामों में भारी बदलाव लाया है, इस पर विस्तृत जानकारी देती है मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

गड्ढों व खुले मेनहोल वाली बदतर रख रखाव वाली सड़कें, एक ट्रैफिक सिगनल जिसकी लाल बत्ती हमेशा जलती रहती है, जेब्रा क्रासिंग पर भारी मात्रों में वाहनों का कब्जा, अपनी मर्जी मुताबिक कहीं से कभी भी सड़क पार करते पैदल यात्री और एक खाली ट्रैफिक पुलिस स्टैंड, भारत में रोज आने-जाने वाले राहगीरों के लिए यह रोजमर्रा का नजारा है। इस समूची उथल पुथल के बीच नये चालान नियम किसी के वरदान बनकर आते हैं तो किसी के लिए अभिशाप।

नये नियमों के तहत, जुर्माना कई गुना बढ़ा दिया गया है। सामान्य उल्लंघनों पर, पहले जुर्माना 100 रूपए था जो अब पांच सौ रूपए है। बगैर लाइसेंस गाड़ी चलाने पर जुर्माना था 500 रूपए जो अब बढ़ा कर 5000 रूपए कर दिया गया है, सीट बेल्ट न लगाने पर जहां 100 रूपए देने पड़ते थे, अब 1000 देने पड़ते हैं, तेजगति से वाहन चलाने पर जो जुर्माना 400 रूपए था वो अब बढ़कर 1000 व उससे भी अधिक हो गया है। यह बेतहाशा वृद्धि दिखाती है कि हमारे देश ने उन ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है जिन्हें पहले नजरंदाज कर दिया जाता था। नए नियम निश्चित रूप से ट्रैफिक हालात को सुधार रहे हैं, अगर तत्काल बदल नहीं रहे तो बेहतर अवश्य बना रहे हैं।

श्री रवीन्द्र कुमार वशिष्ठ, ट्रैफिक इंचार्ज, नोएडा कहते हैं कि अधिनियम में संशोधनों ने भारी नतीजे सामने लाए हैं। वह कहते हैं, ''ट्रैफिक हालात नोएडा में सुधरे हैं। अब, लोग जेब्रा क्रासिंग पर खड़े होने में झिझकते हैं, वे सीट बेल्ट पहनते हैं और कभी भी लाल बत्ती क्रास नहीं करते हैं भले ही कोई पुलिस वाला सड़क पर खड़ा हो या नहीं। ''

वह बताते हैं कि यमुना एक्सप्रेस वे समेत, नोएडा में लगभग हर कहीं सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जब से जुर्माना बढ़ाया गया है, लोगों ने चालान से बचने के अनेक बहानों के साथ निकलना शुरू कर दिया है, लेकिन वशिष्ठ कहते हैं कि कानून तो कानून है और इससे कोई छुटकारा नहीं है।

वह बताते हैं, '' हमें लोग विभिन्न प्रकार के बहाने बनाते मिलते हैं, उदाहरण के लिए कुछ कहते हैं कि हम तो हमेशा पेपर अपने साथ रखते हैं आज भूल गए सर, या हमारे घर में कोई बीमार है इस बार छोड़ दो सर। लेकिन कानून तो कानून है और इससे कोई भी बच नहीं सकता है। यदि कोई नियम उल्लंघन का दोषी है तो हमें कानून का पालन करना पड़ता है और उसे सजा देनी पड़ती है।''

चालान से बचने का बहाना बनाता व्यक्ति, (नीचे) ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेल्मेट पहले दो बाइक सवारों को रोका था
फोटो : रंजन दिमरी

सेफ रोड फाऊंडेशन के संस्थापक, मोहम्मद इमरान, जिन्होंने सड़कों व संकेतों पर अनेक शोधकार्य किए हैं, कहते हैं कि जुर्माना बढ़ाने का सरकार का कदम प्रशंसनीय है लेकिन और भी काफी कुछ है जो सरकार को करना चाहिए।

इमरान कहते हैं, ''कुछ लोगों का मानना है कि सड़कों की स्थिति को दिमाग में रखते हुए, जुर्माना बढ़ाना एक अच्छा विचार नहीं है। लेकिन मेरा अलग मानना है। वे सारी मौतें, जो सड़कों पर होती हैं, केवल 3000 मौतें ही बुरी हालत के कारण होती हैं जबकि लगभग एक लाख मौतें सड़क दुर्घटना का परिणाम हैं। जिसका कारण ड्राइवरों का प्रशिक्षित न होना है।

हममें से कई लोगों ने अपने घर के लोगों से गाड़ी चलाना सीखा है, कुछ ने इसे अपने आप सीखा है जबकि कुछ ही लोग होंगे जो ड्राइविंग स्कूल गए होंगे। इसीलिए हम केवल ड्राइविग की मूल बातें जानते हैं जबकि यह नहीं जानते कि उचित ड्राइविंग होती क्या है। हममें से कई लोग विभिन्न संकतों का अर्थ तक नहीं समझते हैं। अनेक ड्राइविंग स्कूलों के पास तो प्रशिक्षित ड्राइवर तक नहीं होते हैं। वे बस यही करना सिखाते हैं कि क्लच, एक्सीलेटर, गीयर और ब्रेक को कैसे लगाएं। बस इतना ही। वे खुद संकेतों के बारे में नहीं जानते हैं। यहां आवश्यकता है ड्राइवरों के प्रशिक्षण की और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता फैलाने की। ड्राइविंग स्कूल कर्मचारियों के लिए उचित प्रशिक्षण कोर्स होने चाहिए। सरकार को उन ड्राइविंग स्कूलों पर निगरानी रखनी चाहिए जो 20-25 दिनों के भीर ड्राइविंग सिखाने का दावा करते हैं और हर गली नुक्कड़ पर नजर आते हैं। कई लोगों को तो जेब्रा क्रासिंग के उद्देश्य तक का पता नहीं होता है। यह सब लोगों को सिखाया जाना चाहिए और तभी इन चालानों से कोई बदलाव आ सकता है।''

ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने में ढिलाई भी एक चिंता का विषय है। बकौल इमरान, ''भारत में, कोई भी ड्राइविंग लाइंसेस पा सकता है। न कोई सख्त नियम हैं और न ही उचित परीक्षाएं ली जाती हैं। यह भी एक कारण बन जाता है कि क्यों सड़कों पर इतने अधिक अप्रशिक्षित वाहन चालक हैं। '' वह बताते हैं कि ई-चालान प्रणाली अपेक्षित परिणाम लेकर नहीं आएगी।

''जुर्माना ठोंकने या चालान करने का उद्देश्य है कि लोगों को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से रोका जाए और जिससे दुर्घटनाओं पर रोक लगे। लेकिन, ये ई-चालान सिर्फ लोगों पर जुर्माना लगाने तथा पैसा कमाने का काम ही करते हैं। अगर कोई व्यक्ति, बगैर यह ध्यान दिए, तेज गति से गाड़ी चला रहा है कि कैमरे उसकी फोटो ले लेंगे और उसे मैसेज के जरिए ई-चालान भेज देंगे। लेकिन दुर्भाग्यवश, यदि उसकी दुर्घटना हो जाती है तो चालान जारी करने का उद्देश्य को बेकार हो जाता है। बेहतर तरीका यहां यह है कि प्रत्यक्ष चालान जारी किया जाए।

पुलिस को उल्लंघनकर्ताओं को रोकना चाहिए और उसे चालान की प्रति देनी चाहिए।

> **भारत में, कोई भी ड्राइविंग लाइंसेस पा सकता है। न कोई सख्त नियम हैं और न ही उचित परीक्षाएं ली जाती हैं। यह भी एक कारण बन जाता है कि क्यों सड़कों पर इतने अधिक अप्रशिक्षित वाहन चालक हैं।**
> **- मोहम्मद इमरान, संस्थापक सेफ रोड फाऊंडेशन**

इससे लोगों में अहसास जागृत होगा कि उन्हें निर्धारित गतिसीमा में गाड़ी चलानी चाहिए वर्ना उन पर जुर्माना लग सकता है।''

नए ट्रैफिक नियमों को असरकारी बनाने के लिए, लोगों की मानसिकता को बदलना पड़ेगा। इमरान कहते हैं, ''कई लोग जानते हैं कि उन्हें हेलमेट पहनना चाहिए लेकिन वे विभिन्न कारणों से नहीं पहनते हैं, मसलन यहीं पास में तो जा रहे हैं, कोई पुलिस वाला नहीं होगा या यह कि उन्हें हेलमेट में असुविधा महसूस होती है। यही बात सीटबेल्ट लगाने के संदर्भ में है। इसे बदलना होगा। हमें अनुशासित होना होगा। इसे जमीनी स्तर पर करना पड़ेगा। माता पिता व स्कूलों को अपने बच्चों को हेलमेट पहनने तथा सड़क सुरक्षा उपायों की महत्ता को सिखाना चाहिए। अनेक छात्र बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाकर स्कूल जाते हैं और जब आप इस मामले को स्कूल स्टाफ के पास लेकर जाते हैं तो वे यही कहते हैं कि उन्हें केवल उसी की चिंता है जो स्कूल परिसरों के भीतर हो रहा है। कहा जाता है कि स्कूल के बाहर बच्चा कैसे आ रहा है, ये हमारी चिंता का विषय नहीं है। इस सोच का बदलना पड़ेगा। हममें से हर एक को जिम्मेदारी उठानी होगी और तभी कोई कानून सफल हो सकता है।''

वकील पूजा सरीन का मानना है कि ऐसे भारी जुर्माने कुछ भी भला नहीं करेंगे सिवाय इसके कि वे आम आदमी के लिए अभिशाप बन जाएंगे जो पहले से अनेक करों व कर्जों के बोझ से दबा हुआ है। सरीन सवाल उठाती हैं, ''सरकार को पहले गड्ढों से मुक्त बेहतर व सुरक्षित सड़कें बनाने पर ध्यान देना चाहिए तथा वर्तमान प्रणाली को सुधारना चाहिए। ऐसी बुरी सड़कों की स्थिति में, जुर्माना बढ़ाना और कुछ नहीं, आम आदमी पर बोझ लादना है। यह एक घातक हमले के रूप में लगता है।

>> पेज 3

क्या नियम तोड़ना उचित है ?

15 हजार की स्कूटर पर 23 हजार का चालान

दिल्लीवासी दिनेश मदन पर विभिन्न ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 23 हजार का जुर्माना ठोंका गया। मदन को गुरुग्राम में हेल्मेट न पहनने के कारण रोका गया। पुलिस ने उन्हें अपने कागज दिखाने के लिए कहा, जो न दिखा पाने पर उन्हें विभिन्न नियमोल्लंघन के लिए भारी जुर्माना अदा करने के लिए कहा गया और उनके वाहन को जब्त कर लिया गया। मदन को कागजात दिखाने के लिए दस मिनट दिए गए, जिसमें वह उन्हें नहीं दिखा पाय क्योंकि वह दिल्ली वासी था और उसे गुरुग्राम में रोका गया।

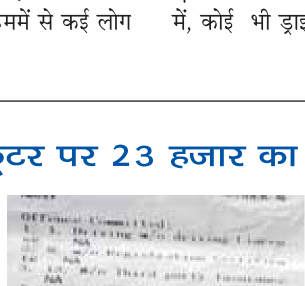

23 हजार रूपए चालान की रसीद

उन पर 5000 रूप बगैर लाइसेंस गाड़ी चलाने पर, 5000 रूपए पंजीकरण दस्तावेज अपने साथ न रखने पर, 2000 बगैर बीमा कराए गाड़ी चलाने पर, 10000 प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने पर, तथा 1000 रूपए हेल्मेट के बिना गाड़ी चलाने का जुर्माना ठोंका गया। इन सभी ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का कुल जुर्माना 23000 रूपए था। उन्होंने जब्त वाहन को सरेंडर का फैसला किया क्योंकि उनका कहना था कि उनके पुराने खरीदे गए स्कूटर की कीमत केवल 15000 है।

अब, कार के लिए हेल्मेट

एक और विचित्र घटना में , अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के पीयूष वार्ष्णेय को चौपहिया वाहन चलाने के दौरान हेल्मेट न पहनने पर पांच सौ रूपए का ई-चालान भेजा गया । वार्ष्णेय का कहना है कि प्रेषित चालान स्पष्ट रूप से उनकी कार का नंबर तथा किए गए जुर्माने के कारण का उल्लेख करता है। घटना के विरोध में, वार्ष्णेय ने अब अपनी कार चलाते समय हेल्मेट पहनना शुरू कर दिया है। वह कहते हैं कि ऐसी घटनाएं आम आदमी के लिए एक बदतर उदाहरण पेश करने जा रही हैं क्योंकि वे ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से नहीं लेंगे।

हेल्मेट पहनकर कार चलाते हुए पीयूष वार्ष्णेय

अलीगढ़ पुलिस ने कहा है कि यदि चालान गलत पाया जाता है और जांच संख्या गलत है तो वह स्थिति को सुधार लेंगे और उसे तत्काल रद्द कर देंगे।

हालांकि, ये मामले व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में संदेह के बीज बोने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसी गलतियां न केवल पुलिस की छवि को दागदार करती है बल्कि तमाम सवाल खड़े करने का मौका भी देती हैं।

ट्रक ड्राइवर पर 1.41 लाख का जुर्माना

5 सितंबर, 2019 को राजस्थान के एक ट्रक ड्राइवर पर नए मोटर वाहन अधिनियम 2019 के तहत ओवरलोडिंग व पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा पर्मिट नियम के उल्लंघन पर दिल्ली में 1.41 लाख का जुर्माना ठोंका गया।

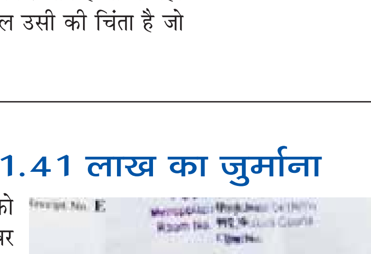

1.41 लाख रूपए चालान की रसीद

ट्रक मालिक , हरमन राम भांभू, जो बिकानेर के रहने वाले हैं, ने कहा कि उनका ड्राइवर एक ग्राहक को सिल्लिका मिट्टी पहुंचाने दिल्ली गया था जब उस पर जुर्माना लगाया गया और ट्रक को दिल्ली पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया। पैसा इंतजाम करने में उन्हें पांच दिन लगे तभी वाहन को छुड़ा पाया गया। भांभू ने कहा कि पुलिस ने पहले एक टन ओवरलोड पर 20000 और फिर प्रत्येक अतिरिक्त टन पर 2000 का जुर्माना लगाते हुए जुर्माना राशि को 48000 रूपए बना दिया। पंजीकरण कागजात एवं पर्मिट उल्लंघन पर 10000 जुर्माना लगा। इससे राशि 70800 हो गयी। ट्रक मालिक पर उतनी ही राशि का अतिरिक्त जुर्माना लगाते हुए कुल जुर्माना धनराशि 1.41 लाख कर दी गयी। उससे पहले 3 सितंबर, को उड़ीसा के एक ट्रक ड्राइवर पर 86500 रूपए का जुर्माना लगाया गया।

यह राशिफल पाठक का अधिकार है कि वो पीछे लौटे, आगे जाए या पगडंडी पर भी जाए
- साशा ग्राहम

स्वस्थ खुराक से घट सकता है अवसाद का जोखिम

एक अध्ययन के अनुसार फल, सब्जियां, मछली व मीट से भरपूर स्वस्थ खुराक खाने से अवसाद का खतरा कम हो सकता है। प्लोस वन पत्रिका में प्रकाशित शोध ने पाया कि अवसादगसित युवकों की खुराक, जो आम तौर पर अस्वास्थ्यकर है, ने उल्लेखनीय ढंग से अवसाद के कम होते लक्षण दिखाए हैं जब उन्हें तीन सप्ताह तक स्वस्थ खुराक का सेवन किया। आस्ट्रेलिया में मेक्युअरी युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं व सहकर्मियों ने 17

से 35 आयुवर्ग के 76 विश्वविद्यालय छात्रों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने बेतरतीब ढंग से भागीदारों को ''नियमित खुराक'' तथा ''परिवर्तित खुराक'' के दो समूहों में विभाजित किया। परिवर्तित खुराक समूह को अपनी खुराक सुधारने संबंधी संक्षिप्त निर्देश दिए गए साथ ही साथ एक स्वस्थ खाद्य उपहार तथा भावी सब्जियों के मद में साठ डॉलर दिए गए।

प्रत्येक समूह सदस्य को फोन काल के जरिए दो उत्तरवर्ती चेकइन्स भी प्राप्त हुए। नियमित खुराक समूह को खुराक संबंधी कोई निर्देश नहीं दिए गए, उन्हें बस तीन सप्ताह बाद आने के लिए कहा गया। प्रयोग से पहले और बाद में, शोधकर्ताओं ने भागीदारों में अवसाद, बैचेनी व कुल मिलाकर मन:स्थिति, तथा विभिन्न शिक्षण व तार्किक कार्यों पर उनके प्रदर्शन अंकों का आंकलन किया। तीन सप्ताहों के समापन पर, परिवर्तित खुराक समूह ने सफलतापूर्वक एक स्वस्थ खुराक कायम रखी थी और मूड में विशिष्ट सुधार प्रदर्शित किया जिसमें अवसाद के अंक सामान्य दायरे में प्रवेश कर गए थे। जबकि नियमित खुराक समूह का अवसाद स्कोर लगभग पूर्वावस्था में बना रहा था। इस छोटे सेंपल में शोधकर्ताओं ने पाया कि इन भागीदरो में से केवल 21 फीसदी ने स्वस्थ खुराक पूरी तरह कायम रखी। इसके कारण उनकी मन:स्थिति में सुधार बरकरार रहा ।

ध्यानाकर्षण से अच्छा महसूस होता है

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि लेकिन कुछ ही लोग ध्यानाकर्षण को बेहतर संभालते हैं। व्यक्ति को हमेशा इस बारे में सजग रहना चाहिए कि वह कौन है जो ध्यान हासिल कर रहा है

यह कोई आश्चर्य नहीं कि ध्यानाकर्षण की सर्वाधिक मांग है। कुछ लोग ध्यान अर्जित करने के लिए पागलपन की हद तक चले जाते हैं। पुराने जमाने में, राजा कुछ लोगों को अपना गुणगान करने के लिए रखा करते थे। उनके आगमन आदि की जोरशोर से घोषणा की जाती थी। आज भी कुछ लोग अपने इर्दगिर्द चापलूसों को रख लेते हैं। इसमें उनका पैसा खर्च होता है लेकिन उन्हें लगता है कि यह धन का उचित खर्च है।

हम अपने अच्छे या बुरे, कर्मों के कारण ध्यानाकर्षण प्राप्त करते हैं। यह आलेख इस संबंध में है कि सही ढंग से ध्यानाकर्षण कैसे हासिल करें। यह वो ध्यानाकर्षण नहीं है जो एक आतंकवादी संगठन का मुखिया हासिल करता है। अच्छे कर्म भी दो प्रकार के होते हैं– एक अपने पूर्वजन्मों में हमारे कर्मो का फल होता हे, और दूसरा वर्तमान में हमारे द्वारा किए जा रहे कर्मों का प्रतिफल होता है। कुछ लोगों में दोनों होते हैं। लता मंगेशकर का उदाहरण इसमें उल्लेखनीय है। उनके पिता एक उत्कृष्ट संगीतकार थे। उन्होंने लता को बचपन से प्रशिक्षित किया, साथ ही अपनी अन्य दोनों बेटियों –आशा और उषा– को भी प्रर्शिक्षित किया। लता गंभीर थी, उन्हें अभ्यास पर अभ्यास किया। उन्होंने गायन में करियर के लिए अपना जीवन समर्पित करने का फैसला किया। उन्होंने विवाह तक नहीं किया। परिणाम क्या है? उन्हें गायन कोकिला का खिताब हासिल है। उन्होंने अनेक भाषाओं सभी प्रकार के गाने गाए हैं।

इसके विपरीत उदाहरण एक महिला का है जो एक गरीब परिवार में जन्मी थी। उसमें गाने की थोड़ी प्रतिभा थी जो अनेकों में होती है। फिर भी, वह अपने रहने की जगह के करीब रेलवे प्लेटफार्म पर गाने की अपनी योग्यता का उपयोग करती थी। लोग उसे खाने के लिए कुछ दे देते थे और कुछ उसे भीख के रूप में पैसे दे देते थे। यह क्रम कई साल तक जारी रहा जब तक कि एक भली आत्मा ने उसका एक वीडियो नहीं बना दिया और उसे सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट नहीं कर दिया। जल्द ही उस पर ध्यान दिया गया और उसे पापुलर रीयलिटी शो में आमंत्रित किया गया जहां उसे एक प्रसिद्ध संगीत निर्देशक के लिए गाने का अवसर प्रस्तावित हुआ, सालों के गायन ने उसकी प्रतिभा को स्वीकार लिया था। कई लोग अपने पूर्वजन्म में अच्छे कर्मों के कारण सौभाग्यशाली जन्मते हैं। यह उन्हें अच्छे परिवारों, अच्छे चेहरों, त्वरित बुद्धि आदि में शानदार जन्म का हकदार बनाता है। लेकिन हर कोई उनको सदुपयोग नहीं करता है जैसा कि लता मंगेशकर ने किया। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति एक बड़े साम्राज्य के मुकुट का उत्तराधिकारी, राजकुमार के रूप में जन्म लेता है। उसके पास दो विकल्प होते हैं। एक, वह एक योग्य राजा बनने के लिए अपनी पढ़ाई व प्रशिक्षण पर ध्यान दे सकता है या वह तानाशाह बनने का फैसला कर सकता है। चुनाव उसका है। उसे दोनों रूपों में ध्यानाकर्षण हासिल होगा। विश्वस्तरीय ध्यानाकर्षण हासिल करने का एक शास्त्रीय उदाहरण हैं न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री। मस्जिद में एकत्रित लोगों पर नफरती हमला होने के तत्काल बाद, उन्होंने अत्यंत सख्त शस्त्रनियंत्रक कानून पारित किया। लोगों का ध्यान गया और अन्य देशों में वही कदम उठाने के लिए उनका मिसाल दी गयी।

प्रारब्ध या पूर्वजन्म के कर्म उसी स्तर पर फैसला करें जिस स्तर पर व्यक्ति इस जीवन में मौजूद होगा। एक शाही परिवार का बच्चा सूची में बहुत ऊंचा है। उसके दरबारी उसकी तुलना में बहुत नीचे होंगे। यद्यपि ध्यानाकर्षण अच्छी बात है लेकिन बहुत कम लोग इसे संभाल पाते हैं। कई लोग अपनी चुनी राह से भटक जाते हैं। फिर व्यक्ति को हमेशा इस बारे में सजग रहना चाहिए कि वह कौन है जो लोगों का ध्यानाकर्षण हासिल कर रहा है। लड़कियों को बचपन से इस महत्वपूर्ण पहलू के बारे में सिखाया जाता है। लड़कों को भी बहुत सावधानी से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, इस मामले में अजनबी लोग सर्वोत्तम व्यक्ति नहीं होते हैं। केवल भले लोगों का ही स्वागत किया जाना चाहिए। आम तौर पर, हम गलत कारणों से ध्यानाकर्षण प्राप्त करते हैं।

समझदार लोग ध्यानाकर्षण के लिए नहीं पगलाते हैं। क्योंकि ज्यादातर अहंकार इसे संचालित करता है। व्यक्ति हमेशा दूसरों के आगे खुद को साबित करने की कोशिश कर रहा है। करीबी व प्रियजन ध्यानाकर्षण पाने के सर्वोत्तम व्यक्ति हैं। लेकिन उसके लिए हमें उन पर ध्यान देना पड़ेगा। एक स्थान है जहां ध्यानाकर्षण का सर्वाधिक स्वागत होता है। यदि आपने पहले से अनुमान नहीं लगाया है तो वह ईश्वर है। व्यक्ति जबरदस्त लाभ प्राप्त होगा यदि वह ऐसा कर लेता है। हालांकि, यह आसान काम नहीं है, लेकिन यह बहुत कठिन काम भी नहीं है, जैसा कि अनेक लोगों को लग सकता है। यहीं पर हमारा कल्याण है, दूसरों का ध्यानाकर्षण प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छाएं पूर्ण न करके। सृष्टि विधान इस मामले में आत्मसक्षम होने के लिए है। हमारी सर्वोत्तम सेवा होती है यदि हमारे पास हमारे सर्वोत्तम मित्र में रूप में ईश्वर होता है।

48 प्रतिशत अधिक सड़क-सुरक्षा देगी-मोतियाबिन्द सर्जरी

दृष्टि सुधार के लिए मोतियाबिंद सर्जरी की क्षमता सर्वज्ञात है और नया अध्ययन बताता है कि यह सड़क पर लोगों को 48 फीसदी अधिक सुरक्षित बना सकती है। मोतियाबिन्द बुढ़ापे का सामान्य दुष्परिणाम है। ये सालों के दौरान धीरे धीरे होता है, जब आखों के भीतर का साफ लेंस धुंधला पड़ जाता है। मोतियाबिन्द सर्जरी से धुंधले लेंस को एक कृत्रिम लेंस से बदल दिया जाता है। युनिवर्सिटी

आफ वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के अध्ययन लेखक जोनाथन एनजी ने कहा, ''ये नतीजे, बुजुर्ग वाहन चालकों में आत्मनिर्भरता व निरंतर गतिशीलता व सुरक्षा कायम करने के लिए, समय पर मोतियाबिन्द सर्जरी की महत्ता को रेखांकित करते हैं।'' अमेरिकन ऐकेडमी आफ ओफ्थाल्मोलाजी की 123वीं सालाना बैठक में प्रस्तुत जानकारियों के लिए शोध टीम ने मोतियाबिन्द सर्जरी कराने से पहले, 44 मरीजों के ड्राइविंग प्रदर्शन का परीक्षण किया। मरीजों को उनकी पहली सर्जरी के बाद ड्राइविंग सिमुलेटर पर रखा गया और दूसरी नेत्र सर्जरी के बाद दुबारा। ड्राइविंग सिमुलेटर ने विभिन्न प्रकार के पहलुओं का आंकलन किया मसलन समायोजित गतिसीमा, ट्रेफिक सघनता, बेलगाम आवाजाहियां व पैदल मार्ग आवागमन। पहली सर्जरी के बाद लगभग बचने या टकराने की दर में 35 फीसदी की कमी आई, दूसरी सर्जरी के बाद यह संख्या 48 फीसदी पर आ गयी। अध्ययन लेखक ने कहा कि दृष्टि स्पष्टता भी एक महत्वपूर्ण संकेतक है। उन्नत विपरीत संवेदनशीलता तथा बेहतर रात्रि दृष्टि सड़क पर वाहन चालकों की सुरक्षा में वृद्धि करती है।

शुरुआत से बच्चे के आचरण पर रखें नजर

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

अपने जिद्दी बेटे को लेकर चिंतित एक पिता ने एक दिन आकर सवाल किया: '' उसके भाग्य में क्या लिखा है? वह कब समझदारी से व्यवहार करेगा? वह अपने बुजुर्गों की बिलकुल परवाह नहीं करता और उसमें समझदारी की कोई भावना नहीं है। यदि उसका मौजूदा रवैया जारी रहा, तो मुझे डर है कि वह अकेला पड़ सकता है। अगर कभी मैं उसे अपने तरीके सुधारने के लिए समझाने की कोशिश करता हूं तो वह चिल्ला पड़ता है और मैं अपमानित महसूस करता हूं। कृपया कोई उपचारक उपाय बताएं जो उसे बदलने में सहायता कर सके।''

आपके लिए उसे किसी भी रूप में समझाने में अब बहुत देर हो चुकी है। अगर आप उसके बचपन के दौरान उसे गढ़ने को लेकर सजग रहते, उसकी प्रवृत्तियों पर नजर रखते, और तदानुसार संभावित बदलाव करते, तो इससे प्रभाव पड़ गया होता। इसके अलावा अपने जीवन में उलझे रहने के कारण, आपने कभी भी उस दौर की परवाह नहीं की। जिस चीज ने और नुकसान पहुंचाया, वो था तुच्छ घरेलू वातावरण, जिसने उसके मन व मनोजगत पर निराशाजनक प्रभाव डाला है। इसलिए, भावनात्मक संबंध, स्वाभाविक तौर पर पिता और पुत्र के बीच बनना था, कभी भी स्थापित नहीं हो पाया और जो है वो उसी का स्वाभाविक खामियाजा है। वह अब बड़ा हो गया है, अपनी खुद की कमाई से अपनी मर्जी से जीवन जीता है।

मान लिया, आपके बेटे में दृष्टिकोणगत समस्याएं हैं। ये समस्याएं उसकी सोच में मौजूद हैं, और इसलिए, वही इच्छित बदलाव ला सकता है। इस संदर्भ में मैं उसकी सहायता कर सकता हूं, बशर्ते आप उसे कौंसिलिंग के लिए यहां लेकर आएं। बुजुर्ग ने स्वीकार किया, '' वह मेरी नहीं सुनता और इसलिए, उसे यहां लेकर आना कठिन है। मुझे बताएं, अगर मैं उसके लिए कुछ कर सकता हूं।'' आप किसी भी प्रकार से अपने बेटे के मानसिक जगत में दखल नहीं सकते हैं, न ही कोई पंडित, किसी आस्था आधारित पूजा के माध्यम से, दे सकता है। अगर आपका बेटा सजगतापूर्वक खुद को नहीं बदलता है, तो शिक्षणकारी सबक, जिनसे होकर वह गुजरेगा, उसे अपने में बदलाव लाने के लिए मजबूर करेंगे। लेकिन आपके लिए भी एक सबक है। कर्म का सिद्धांत किसी को नहीं बख्शता है। यदि आपने अपने वाजिब कर्तव्यों को नजरंदाज किया है जब आपका बेटा एक बच्चा था और उस समय आपने उसमें संस्कार डालने की परवाह नहीं की, तो आपको उसका खामियाजा तो भुगतना ही पड़ेगा।

याद रखें, ज्योतिष सुनिश्चित तौर पर जीवन का भावी क्रम परिभाषित नहीं करता है। यह मौजूदा जीवन के दौरान विभिन्न कार्यों से प्रभावित होता है, जिसमें वो परिवेशगत हालात शामिल होते हैं जिनसे व्यक्ति का सामना होता है। आपका बेटा अपने समूचे बाल्यकाल से परिवार में घटती अप्रत्याशित घटनाओं का साक्षी था जिन्होंने उसमें अपने बुजुर्गों के प्रति उचित सम्मान व प्रेम की भावना जागृत नहीं होने दी।

आइए अब उसके व्यक्तित्व संबंधी समस्याओं के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते है। अड़ियल राहु कन्या लग्नराशि पर काबिज है। लग्न स्वामी बुध छठें घर में अस्थायी निवासी है, जो उसके लिए शुभ नहीं लगता है। बुध की स्थिति यूरेनस के विपरीत है। यह सबकुछ एक साथ दर्शाता है कि वह स्वच्छंद है, जो तयशुदा सामाजिक नियमों की बिलकुल भी परवाह नहीं करता। वह अड़ियल व पूर्वाग्रही दिखता है जो स्वकेन्द्रित प्रवृत्तियों का शिकार है। वह अकसर अनुत्पादक कार्यों में अपनी ऊर्जा का दुरुपयोग कर सकता है। वह ''केवल मैं ही सही व्यक्ति हूं'' वाली सोच से संचालित रहेगा, मानो बाकी सभी लोग मूर्ख हों। वह दूसरों को कमतर समझ सकता है। वह अपनी खुद की विशेष शर्तों पर जीना चाह सकता है और अगर चीजें अपेक्षित स्तरों पर आगे नहीं बढ़तीं तो प्रतिक्रिया भी कर सकता है।

सूर्य का शनि के साथ समन्वय, पूर्वजन्म से चली आ रही, उसके सख्त रवैय्ये से जाहिर होती, नकारात्मक सोच का संकेत करता है। उसने उसमें पहचान के संकट की भावना पैदा की है, जो उसे, अगर आवश्यक हो तो हर मामले में खुद को साबित करने हेतु, बवाल करने के लिए उकसाती है।

यह आवेग की भावना का संकेतक है जो शायद उसे समय पर पहल नहीं लेने देती, और इसलिए वह अकसर हाथ में आए अवसर खो बैठता है। साथ ही, यह पिता से अलगाव की भावना का संकेतक है। सूर्य का मंगल के समन्वय में होना, मगर वीनस के प्रति दुर्बल भाव में रहना, भावनात्मक असंतुलन व आत्ममोहग्रसित प्रवृत्तियों का उल्लेख करता है। वह मामूली बातों को अनावश्यक तूल दे सकता है और गुस्से में चिल्ला सकता है।

मन संकेतक चन्द्रमा की स्थिति यूरेनस व वरुण के प्रति पतनशील अवस्था में है। यह सबसे पहले, उसके चिड़चिड़े स्वभाव तथा विद्रोही प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार है। दूसरा, वह, जमीनी सच्चाइयों से परे, आत्ममोह ग्रसित अवधारणों का शिकार हो सकता है और अगर कोई कभी सलाह भी दे तो पुनर्विचार के लिए बिलकुल भी तैयार नहीं होगा। उसमें पलायनकारी प्रवृत्तियां हैं, जो प्रथम दृष्टया सच्चाई को स्वीकार नहीं सकता,बल्कि अपनी खुद की सोच को अहमियत देना पसंद करेगा जब तक कि पूरी तरह खारिज नहीं कर दिया जाता। इतना ही काफी नहीं है, मंगल और शनि का मेल उसे गुस्सैल, विद्वेषकारी व दूसरों के पति शंकालु बनाता है। सबसे महत्वपूर्ण है यूरेनस और वरुण का मेल जो उसे बेचैन, अराजक व भ्रमित बनाता है। इसी का नतीजा सबके सामने हैं। मुझे उम्मीद है माता पिता अपने बच्चे का ध्यान रखेंगे और उसे समय पर राह पर ले आएंगे।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

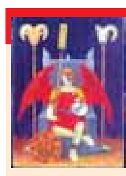

इस सप्ताह आप अपने स्वास्थ्य में पूर्ण बदलाव देखेंगे। गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों को अपनी जांच में सुधार से संबंधित अप्रत्याशित बदलाव मिलेंगे। अनुशासित व संयमित जीवनशेली हमेशा स्वागतयोग्य है। मीठे व तले भोजन की अपने शौक पर नजर रखें। करियर मोर्चे पर, अपने धन कमाने के स्रोत के प्रति सजग रहें। त्वरित सफलता के लिए अनुचित सौदे करने से कानूनी कार्रवाई में फंस सकते हैं।

शुभ अंक: 33 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

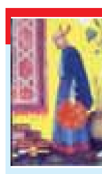

आपको इस सप्ताह अपनी सेहत पर ध्यान देने की जरूरत है। अपने पारिवारिक डाक्टर व अपने स्थानीय क्षेत्र से बाहर के उपचारों पर विचार करें। आपको सचमुच अवकाश या परिवेश में बदलाव की आवश्यकता है। अपने सपनों पर ध्यान दें। आपको ऐसे आध्यात्मिक उत्तर मिलने वाले हैं जो आपकी काफी सहायता करेंगे। करियर मोर्चे पर, नए अवसरों पर आपका ध्यान जाएगा। नए सौदे, परियोजनाओं पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरुवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

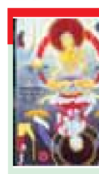

मेडिकल जांच या परिणाम को लेकर थोड़ा भ्रम हो सकता है। अंतिम निर्णय लेने से पहले सलाह ले लें। किसी स्वास्थ्य बदलाव के धीरे धीरे घटित होने के आसार हैं। और यह आपके भले के लिए है। पेशेवर रूप से, आप अपनी योग्यता व बुद्धिमानी से कोई भी स्थिति में जीत हासिल कर सकते हैं। आपकी तार्किक एवं विश्लेषणकारी योग्यताएं किन्हीं भी कठिनाइयों का काबू पाने में सहायता करेंगी। संबंधों में विवाद उत्पन्न हो सकता है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** मंगलवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आपके स्वास्थ्य में बदलाव अपरिहार्य है। आप आध्यात्मिक उत्तर तलाशेंगे जिन्होंने कुछ समय से आपको उलझाए रखा है। इस सप्ताह आप उच्च ऊर्जा व आत्मविश्वास महसूस करेंगे। अवकाश तथा प्राकृतिक वादियों में समय बिताने की योजना के संकेतक हैं। अप्रत्याशित के लिए तैयार रहें। करियर स्तर पर, आप नौकरी बदलने के लिए स्वयं प्रयास कर रहे होंगे। कला क्षेत्र के लोग अपने करियर को बुलंदी देने वाली परियोजना में साझीदार होंगे।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

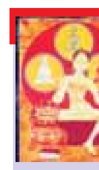

अच्छी सेहत के लिए आराम व शांत रहें। मसालेदार व बाजारू खाद्यों से दूर रहें। इस सप्ताह, आप किसी खास अपरिहार्य कारकों के कारण तनाव अनुभव करेंगे। अपने प्रति उदार रहें। शांत रहें व क्रोध व आक्रामकता से दूर रहें। अपनी परेशानी को अपने भीतर दबाए रखने के बजाय उसे व्यक्त करें। पेशेवर तौर पर, आप लंबे समय बाद स्थिरता हासिल करेंगे। नौकरी बदलने के इच्छुक जनों को चाहिए कि वर्तमान कंपनी से खुद को दूर रखें।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सरसों **शुभ दिन:** शनिवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

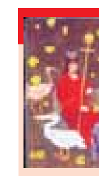

अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखें। खयाल व संवेदना के साथ अपना खयाल रखें। बीमार लोगों को डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए और उस पर भरोसा करना चाहिए। स्वास्थ्य मामलों से निपटने में कोई बुजुर्ग आपकी सहायता करेंगे व आपको फिटनेस योजना लागू करने के लिए प्रेरित करेंगे। अपने लक्ष्य हासिल के लिए दृढ़ हों। लोग आपकी क्षमताएं सीमित करने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किसी भी विरोध के लिए तैयार रहें।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग :** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

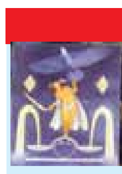

अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। इस सप्ताह ऐसे अवसर होंगे जब परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ होंगी। युवाओं को पैतृक संपत्ति, धन या अमूल्य सलाह के रूप में उपहार मिल सकते हैं। करियर मोर्चे पर, आप दूरदर्शिता व मानसिक स्पष्टता अच्छे नतीजे प्रदान करेंगे। आप पदोन्नति प्राप्त करने वाले हैं। अपने लक्ष्य हासिल करने व काम करने का यह अच्छा समय है। प्रेम संबंध में गहराई आएगी और ये विवाह में बदल सकते हैं।

शुभ अंक: 23 **शुभ रंग :** हरा **शुभ दिन:** रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

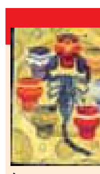

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हर चीज अपने ठिकाने पर होगी। आप सही जगह पर हैं, सही काम कर रहे हैं। आप अपना मनचाहा हासिल करेंगे। सप्ताह में ऐसी शुरुआतें हैं जो स्वाभाविक तौर पर अपने क्रम में उभरती हैं। अपनी क्षमताओं को संतुलित करने के लिए, गरिष्ठ भोजन व अति निद्रा से बचें। इस सप्ताह करियर शायद बहुत संतोषप्रद न हो। आप अपने कार्य वातावरण में असहज महसूस करेंगे।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

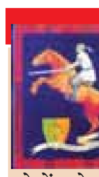

स्वस्थ रहने के प्रति काम करने में आपके धैर्य व कड़ी मेहनत को प्रतिफल मिलेगा। आपका आत्मविश्वास चुंबक की तरह लोगों को आपसे जोड़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर चिंतित व्यक्तियों को आराम करने की सलाह है। चीजें उतनी बुरी नहीं हैं जितना कि आप डरते हैं। अंतर्निहित आध्यात्मिक क्षमता आपके स्वास्थ्य को बनाए रखेगी। करियर स्तर पर अच्छे समाचार मिलने की संभावना है। परियोजना में सफलता के संकेतक हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

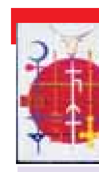

अपने नकारात्मक पक्ष का मुकाबला करें। अपने भयों, सीमाओं व हानिकारक जुड़ावों को जानने का यह अच्छा समय है। आप बुरी लतों का पुन:शिकार हो सकते हैं और अपने चिंताओं को भूलने के लिए भौतिक सुखों में लिप्त हो सकते हैं। इन सबसे परहेज रखना सुनिश्चित करें। करियर स्तर पर, परियोजना की शुरुआत के संकेतक है। यह समय है जब आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है।

शुभ अंक : 11 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

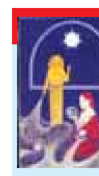

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने तनाव स्तर को नियंत्रित करने की जरूरत है। समस्याओं से दूर भागने के बजाय उनका मुकाबला करें। आध्यात्मिक उपचार की इच्छुक पर्याप्त आराम करना सुनिश्चित करें। लालसाओं या किसी प्रकार की लतों से दूर रहें। आप सकारात्मक रूप से व्यस्त होते जाएंगे। आपमें से कुछ लोगों को ऐसे पद मिल सकते हैं जहां आप अपने अधिकार लागू कर सकते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

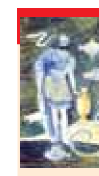

स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकती है। जांच परिणामों के प्रतीक्षारत लोग शांत रहें। चीजें उतनी बुरी नहीं हैं जितना कि आपको डर है। आध्यात्मिक क्षमता आपका मार्गदर्शन करेगी। गहन आनंद व प्रेमपूर्ण जीवन से जुड़ें। प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास करें। करियर मोर्चे पर, काम या तो कठिन या खयाली हो सकता है व आप गतिरोध महसूस कर सकते हैं। आपको ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहिए जो आपके लिए अस्वास्थ्यकर है।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** बुधवार

आध्यात्मिक पथ सरलतया अपना जीवन जीने की यात्रा है। हर कोई आध्यात्मिक पथ पर है, अधिकांश लोग इसे जानते ही नहीं हैं
- मेरियन विलियमसन

क्षमाशीलता की ताकत

स्वामी मुकुंदानंद का कहना है कि आत्म-सशक्तीकरण एवं आत्मोन्नति के लिए क्षमाशीलता एक अत्यावश्यक औजार है। यह असीम आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ने का पहला अत्यावश्यक कदम भी है

अपने जीवन के किसी मुकाम पर, हम सभी ने गलती, शर्मिन्दगी या छल महसूस किया है। परिणामस्वरूप, हमने उदासी, दुख, क्रोध या आहत अनुभव किया है.... असलियत में, यह अनुमानित है कि नब्बे फीसदी लोग अपने जीवन में किसी न किसी पड़ाव पर किसी न किसी प्रकार का भावनात्मक सदमा महसूस करते हैं। इसलिए, यदि ऐसे लोग हैं जो दुखी थे तो हमें ऐसा व्यक्ति क्यों नहीं बनना चाहिए जो क्षमा करे? खास तौर पर, अगर दोषी यादोषियों की ओर से गलत करने पर कोई पछतावा, कोई क्षमा भाव या गलत करने की कोई भावना न हो?

इसका उत्तर देने के लिए, हमें क्षमा कर देना चाहिए क्योंकि यह हम दूसरों के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए कर रहे होंगे ।

क्या है क्षमाशीलता?

क्षमाशीलता का अर्थ अलग अलग लोगों के लिए अलग अलग है। सारत:, इसका अर्थ क्रोध, असंतोष, आहत भावनाओं या पापी या पापियों के प्रति प्रतिशोध की भावना का त्याग करना है। घटना या कर्म जो हमें दुख दे, शायद वो हमेशा हमारे साथ रहे, लेकिन दुख अपनी पकड़ खो देता है, दुष्ट में अब हमें और प्रभावित करने की शक्ति नहीं होती है, क्षमाशीलता हमें अपने जीवन के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। हम उन भावनाओं में अपने विचार व ऊर्जा को लगाना बंद कर देते हैं और उन्हें अधिक सकारात्मक, रचनात्मक, उत्पादक एवं प्रगतिशील विकल्पों के लिए प्रस्तुत कर देते हैं।

क्षमाशीलता को परिभाषित करने में, हमें याद रखना चाहिए कि क्या क्षमाशीलता नहीं है। क्षमाशीलता कोई बहाना, भूलना, नकार देना या खुद को पुन: दुखी होने के लिए कमजोर बना लेना नहीं है।

यह उससे उभर कर आना है, उसे सबक तथा आगे बढ़ने के रूप में देखना है। क्षमाशीलता आत्म-सशक्तीकरण एवं आत्मोन्नति का एक अत्यावश्यक औजार है। सदियों से सभी धर्मो के संतों ने क्षमाशीलता को आध्यात्मिक पथ पर अत्यावश्यक सर्वोच्च गुण के रूप में व्याख्यायित किया है।

आप कैसे और क्यों क्षमा करते हैं?

मन का अपना स्थान होता है और अपने आपमें, नर्क को स्वर्ग, और स्वर्ग को नर्क बना सकता है। - जॉन मिल्टन

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ने के लिए क्षमा करना अत्यावश्यक है। हमें समझना होगा कि हम कहां से आ रहे हैं। हम एक भौतिक दायरे में रहते हैं। यह अशुद्ध आत्माओं से भरा है, उनमें से कई अनेकों जन्मों से ईश्वरीय चेतना से अंजान रही हैं। ऐसे लोग, यदि वे स्वार्थी ढंग से आचरण करते हैं तो उनमें हमें दुख देने की शक्ति नहीं होनी चाहिए। हमें लोगों से जुड़ी अपनी अपेक्षाओं को समायोजित करना चाहिए केवल तभी हम किसी अन्य व्यक्ति की दुखकारी कर्म या आचरण से हम पर पड़ने वाले प्रभाव की गहराई को सीमित कर सकते हैं। जब हम अपने परिप्रेक्ष्य को समायोजित करते हैं तो दूसरों के प्रति हमारी अपेक्षाएं घट जाती हैं, और दुख भी कम या विलुप्त हो जाता है।

हमें याद रखना होगा कि हम दूसरों को समर्थन के रूप में क्षमा नहीं करते हैं, हम स्वयं को समर्थन के रूप में क्षमा करते हैं। हम अपनी भलाई के लिए क्षमा करते हैं, न कि उस व्यक्ति के लिए जिसमें हमें दुख दिया है। क्षमाशीलता एक वैयक्तिक उपहार है जो हम स्वयं को देते हैं।

शोध हमें दिखाता है कि क्षमाशीलता एक प्रतिक्रिया है जो हमारी सांस्कृतिक, संज्ञानात्मक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक मान्यता व आचार हैं। क्षमाशीलता एक सकारात्मक एवं प्रगतिशील पथ प्रदान कर सकती है जो उस गलत कार्य या अन्याय की घटनाओं व हालात के विश्लेषण व सहज चिंतन से उपजा है।

क्षमाशीलता को दया के रूप में देखा जा सकता है जो उदारता, करुणा एवं परानुभूति जाहिर करती है, जो किसी आध्यात्मिक यात्रा में शक्ति का भावनात्मक स्तंभ हैं।

क्षमाशीलता राहत देती है तथा मानसिक, भावनात्मक तथा कुछ मामलों में शारीरिक बेचैनी को बाहर निकालती है और वैयक्तिक पुनर्स्थापना, पुन:प्रगति व कल्याण की ओर ले जाती है। जब हम क्षमा कर पाते हैं तो हम अधिक उदारमना, वस्तुगत, करुणामय हो जाते हैं, आघात से उबरने में सक्षम होते हैं और खुशहाली व पुन: आध्यात्मिक प्रगति में संलिप्त हो जाते हैं। हम गलत कार्य या अन्याय या दुष्ट कार्य की तनावपूर्ण प्रतिक्रिया को कम करने की भावनात्मक एकाग्रता वाली रणनीति के रूप में क्षमाशीलता का उपयोग कर सकते हैं। जब हम स्वयं को क्षमा करने तक ला पाते हैं, हमारा नजरिया व व्यक्ति के प्रति कार्रवाई जो कष्ट का कारण रही है, बदल जाती है और हम अधिक सकारात्मक, उदार, दयालु व अधिक शिष्ट हो जाते हैं। हम घटना या दुखकारी स्थिति के प्रति कम प्रतिक्रियावादी व आंकलनवादी बनते हैं और नतीजतन, कम नकारात्मक, कम क्रोधित तथा कम आक्रामक बन जाते हैं।

क्षमाशीलता को दया के रूप में देखा जा सकता है जो उदारता, करुणा एवं परानुभूति जाहिर करती है, जो किसी आध्यात्मिक यात्रा में शक्ति का भावनात्मक स्तंभ हैं।

क्या होगा, यदि हम क्षमा न करें ?

18वीं सदी के कवि हनोह मोर ने लिखा था- ''क्षमाशीलता हृदय की अर्थव्यवस्था है... क्षमाशीलता क्रोध के व्यय, घृणा की लागत, व आत्माओं की बर्बादी से बचाती है। ''

आइए उन दुष्परिणामें पर विचार करें। जब हम क्षमा नहीं करते हैं, तो हम असंतोष पालते हैं। असंतोष को पालना अपने मन में विषाक्त कचरा भरने जैसा है। हम किसी बाहरी को आने व अपने घर में कूड़ा फेंकने देंगे , लेकिन हम अपने साथ यही कर रहे हैं जब हम गलत को याद करते रहते हैं और निरंतर असंतुष्ट रहते हैं।

हमें अक्षमाशीलता को महज क्षमाशीलता की अनुपस्थिति के रूप में नहीं समझना चाहिए, यह लंबित, नकारात्मक भावनाओं, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं व क्रोध, दुख, अनास्था एवं अविश्वास का एक जटिल सम्मिश्रण है। अक्षमाशीलता की जटिल लंबित नकारात्मक मानसिक प्रक्रिया एक तनावपूर्ण प्रतिक्रिया को जन्म दे सकती है और अनचाही व असंतोष, कड़वाहट, घृणा, क्रोध, अविश्वास और कभी कभी भय आदि की हानिकारक भावनाओं को बनाए रख सकती है।

अक्षमाशीलता चेतना में एक तनावपूर्ण अवस्था है और इसीलिए हमारे वैयक्तिक स्वास्थ्य पर रोगी चेतनाएं सहती हैं। उम्र भर के क्रोध, असंतोष, निराशा व दुख के प्रभाव हमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर पहुंचा जा सकते हैं जिसमें बेचैनी, अवसाद, उच्च रक्तचाप तथा हार्ट अटैक का खतरा ही नहीं अनेक अन्य रोग शामिल हो सकते हैं।

यदि क्षमाशीलता लंबी खिंच जाती है और नकारात्मक भावनाएं बनी रहती हैं तो नकारात्मक भावनाएं हमारे शारीरिक व मानसिक अस्तित्व को विषाक्त कर देती है। लगातार बना रहने वाला क्रोध, असंतोष एवं प्रतिहिंसा विष को स्वयं पचाने के समान है। '' यह जहर पीने और दूसरे व्यक्ति के मरने की अपेक्षा करने जैसा है।''

क्षमाशीलता, अक्षमाशीलता की विरोधी के रूप में, हमारे वैयक्तिक मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली नकारात्मक भावनाओं के प्रभावों का शमन कर सकती है। क्षमाशीलता भूल जाना या मान्यता देना या हार मानना या स्वीकार कर लेना नहीं है। बल्कि यह नकारात्मक विचारों, भावनाओं व आचरणों को सकारात्मक, उदार, सौम्य प्रतिक्रियाओं के साथ बदलते हुए गलत करने वाले को जिम्मेदार बनाने की एक प्रक्रिया है। यह आध्यात्मिक पथ पर निरंतरता के साथ आगे बढ़ रही एक अत्यावश्यक प्रक्रिया है। ईश्वर के लिए दिव्य प्रेम प्राप्ति के लिए हमें उस सारी नकारात्मकता को खारिज करने तथा उस पर लगाम लगाने में सक्षम होना होगा जो अक्षमाशीलता लाती है। यह कभी कभी कठिन व श्रमसाध्य प्रक्रिया हो जाती है, लेकिन यही है जो हम अपने लिए करते हैं। यह पापी या गलत करने वाले नहीं बदलती है, यह हमें बेहतरी के लिए बदलती है।

''जो हमें मारती नहीं है, हमें मजबूत बनाती है।'' क्षमा करने में सक्षम होने से यही होता है कि यह हमारे फैसलों को मजबूती देती है, जीवन को देखने का हमारा नजरिया ऊंचा करती है, और एक हमें मुक्त करती है जिससे कि हम एक उच्चतर आध्यात्मिक यात्रा पर जाने के लिए प्रेरित हों। क्षमाशीलता हमें अपने बाह्य हालातों से स्वतंत्र करती है, कोई अंतर नहीं पड़ता कि कोई क्या करता है, यह हमें अपनी भावनाओं के चयन का अवसर देती है। जब तक हम क्षमा नहीं करते, हम हालात से बंधे होते हैं। जैसे ही हम क्षमा करते हैं हम मुक्त हो जाते हैं और यह मन को साधने की प्रक्रिया के साथ आगे की ओर बढ़ने का पहला कदम है। यह परम आध्यात्मिक यात्रा में जाने का पहला अत्यावश्यक कदम है।

- लेखक योगी, आध्यात्मिक शिक्षक एवं जेके योग के संस्थापक हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

उन्माद की दुनिया

हम जिस प्रकार की दुनिया में रह रहे हैं ,उसके बारे में इन दिनों अंग्रेजी का एक आम आदिवर्णिक शब्द वूका यानी वी यू सी एबार बार दिमाग में घूम रहा है। वी यानी वोलेटाइल यानी अस्थिरता, अनसर्टेन यानी अनिश्चितता, कांप्लेक्स यानी जटिल एवं एंबीगुअस यानी अस्पष्ट। चाहे कुछ भी हो जाए इसे ऐतिहासिक विचार तलाशने से जोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि दुनिया हमेशा ऐसी रहती आई है। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए अस्थिरता पर जोर निश्चित रूप से काफी महत्व रखता है। हालांकि अनिश्चितता, जटिलता व अस्पष्टता हमेशा से थे, मगर अस्थिरता का स्तर इतना प्रबल नहीं था। सचमुच एक विध्वंस का युग। उन्माद बढ़ना इसकी तार्किक परिणति है। यह उन्माद ही है जो इस दुनिया की सेहत पर सुनाया जा रहा है। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य यहां तक कि वित्तीय स्वास्थ्य। असलियत में, वे भी परस्पर जुड़े हैं। उन्माद आत्ममुग्धता का कारण बनता है और आत्ममुग्धताएं विश्व वंचित समाज में उभर रही हैं क्योंकि लोग एक दूसरे के साथ नकाब और खंजर का खेल खेल रहे हैं। ऐसा क्यों है इसका पता लगाना कठिन नहीं है। जब हर व्यक्ति एक संभावित प्रतिस्पर्धी हो तो इसी की संभावना बन सकती है। एक गहन प्रतिस्पर्धी सामाजिक दायरे की मूल खामी यह पूर्वानुमान है कि आप दूसरों को कुचल कर ही जीत हासिल कर सकते हैं। इसीलिए, हर व्यक्ति का ध्यान दूसरों पर है। दूसरे क्या कर रहे हैं, दूसरे क्या सोच रहे हैं, दूसरे क्या सोच रहे हैं? ऐसी स्थिति में जब कोई घर से खतरा महसूस करता है तो शांति पहला शिकार होती है। और यही है जिसने इंसानों में एक प्रकार का मानसिक असंतुलन बढ़ा दिया है। देखिए क्या हो रहा है। गुस्सा, अवसाद, घृणा, हिंसा और हर प्रकार की बुराइयां बढ़ रही हैं। लगता है मानो दुनिया अवमानना के कगार पर है। एक तनावग्रस्त दुनिया, एक सदमाग्रस्त दुनिया और साथ ही एक नाटकीय दुनिया। नाटकीय इसलिए कि हर चेहर पर एक नकाब है। मानवजाति खुद के साथ शर्त लगाने की कोशिश कर रही है। मानसिक स्वास्थ्य इसी कारण एक वैश्विक मसला बन गया है। भारत में और भी ज्यादा, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अवसादग्रसित मामलों की संख्या में सबसे आगे हैं। विडंबना यह है कि यह वंचना के कारण नहीं है। सर्वे बताते हैं कि लगभग पचास फीसदी पेशेवर, अमीर व धनाढ्य लोग तनाव से पीड़ित हैं। टकराव कहां पर है? तनाव व बेचैनी, फिर अनिवार्यतया वंचितों को ही प्रभावित नहीं कर रहे हैं। बल्कि, वे भ्रष्टों को ज्यादा प्रभावित कर रहे हैं। मन की यह भ्रष्टता इच्छाओं से दबी हुई है।

परिणाम किसी चीज की अनवरत इच्छा है। जैसा कि बुद्ध ने कहा था, जब कोई तलाशता है तो जो होता है वो केवल उसकी आंखें केवल वही देखती है, जो वह तलाशता है और वह कुछ भी पाने में सक्षम नहीं होता है, कुछ भी नहीं मिलता... क्योंकि वह हमेशा उस वस्तु के बारे में सोचता है जो वह खोज रहा है, क्योंकि उसका एक लक्ष्य है क्योंकि वह अपने लक्ष्य में डूबा हुआ है, ,खोजना यानी लक्ष्य रखना। लेकिन पाने का अर्थ है मुक्त होना, खुल जाना और कोई लक्ष्य न होना। यह लक्ष्य संबंधी पागलपन ही है जो मन पर सवार हो जाती है, जो हमेशा अस्थिर बनाती है। जरा चिंतित हूं, कि दुनिया में मानसिक रोग बढ़ रहे हैं जिनसे सामाजिक बेचैनी बढ़ रही है। आत्महत्याएं बढ़ रही हैं, तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, अमरीका जैसे समृद्ध समाजों में बंदूकधारियों की संख्या का अंधाधुंध बढ़ना आम बात हो रही है- हम कहां जा रहे हैं? चेताना कठिन, लेकिन निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है। इसका उत्तर यह महसूस करने में है कि, ''अंत में, केवल तीन बातें महत्व रखती हैं: आप कितना अधिक प्रेम किया, कितनी सौम्यता से आप जीए और कितने गरिमामय ढंग से आपने उन चीजों का परित्याग किया, जो आपके लिए बेमानी थीं। ''

योग व बुद्धिमानी

जैकलीन तारा हेरोन का कहना है कि योग हमें उन स्वाभाविक सीमाओं के प्रति जागृत कर सकता है जिन्हें शायद हमने अपने भीतर निर्मित कर लिया हो, इससे हम अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं

मेरा हमेशा कहना है कि भारत से सबसे महान व सबसे मूल्यवान आयात है योग। दुनिया के प्रत्येक शहर में, छोटे नगरों व गांवों में, पर्वतीय ठिकानों तथा आरामदेह रिजॉर्ट्स में, आप जीवन और जीने के अत्यावश्यक तत्व के रूप में योग का जीन पाएंगे।

योग ऊर्जा, ताजगी, समन्वय, आंतरिक शांति, तनावमुक्ति, दबावमुक्ति, राहत व एकाग्रता जैसे शब्दों का पर्यायवाची बन गया है। यह एक विधा के लिए अनेक दावों सा प्रतीत होता है, फिर भी, विभिन्न मुद्राओं में शरीर की सचेत गति द्वारा रचित, योग का आंतरिक आयाम, हजारों नहीं तो सैंकड़ों सालों के शोध तथा ज्ञान की पुकार एवं कष्ट से मुक्ति की खोज से हासिल की गयी एक शक्तिशाली अखंड क्रिया है। शारीरिक काया में अपनी मानवता व अपनी उपस्थिति के प्रति जागृत होना।

सालों के दौरान निश्चित रूप से हुआ कि हमारी विविधतापूर्ण संस्कृतियां व समाज विकसित हुए हैं, योग अभ्यास के लिए लोगों की शुरुआती प्रेरणा भिन्न हो सकती है, लेकिन यह मानव काया एवं मन को एक ही जगह पर ले जाएगी। प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न गुणों व गहनता का अनुभव करेगा कि योग कैसे लाभकारी हो सकता है, आपको बदल सकता है, फिर भी एक तत्व सबसे लिए सत्य व अटल है- यह बुद्धिमान होने का अनुभव है। योग का अभ्यास एक गतिविधि में तन व मन की सजग एकता में बसा है जो एक उन्नत जागरुकता व संवेदनशीलता लाती है कि आप कैसे असलियत में अपने मन की अवस्था को महसूस करते हैं।

योग आसनों या मुद्राओं का यदि विशिष्ट श्वांसकारी तकनीकों के साथ अभ्यास किया जाता है तो यह आक्सीजन के संचार तथा शारीरिक तंत्र में प्राण ऊर्जा को प्रभावित करता है, रक्त व लसीका तंत्र स्वाभाविक विषाक्त-मुक्ति का कारण बनता है। रक्त में बायोकेमिकल बदलावों के जरिए दिमाग व सेंट्रल नर्वस सिस्टम को नयी ऊर्जा मिलती है जब श्वांस उन हिस्सों में प्रवाहित होती है जो शायद तनाव या दुरुपयोग के कारण बाधित हो गए हों। यह बायोकेमिकल समायोजन आपकी अपनी आंतरिक फार्मेसी, इंडोक्राइम सिस्टम, द्वारा उत्पन्न होता है, जिसमें सात प्रमुख ग्रंथियां होती हैं, जो इंडोक्राइन क्रिया के बहुआयामी क्षेत्र है।

शरीर व मन का मूड व क्षमता आपकी इंडोक्राइन ग्रंथियों के प्रभाव से गहरे जुड़े हैं, क्योंकि ये ग्रंथियां रक्त प्रवाह में सीधे न्यूरो केमिकल व हार्मोन्स का स्राव करती है। यह स्रावण फिर आपके मन को प्रभावित करते हुए आपके शरीर में प्रवाहित होता है। योग अभ्यास इंडोक्राइन तथा नर्वस सिस्टम में बदलावों को परस्पर जोड़कर, शरीर के आंतरिक वातावरण, यानी आपके शारीरिक तंत्र को सुसंगत करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सेरेब्रल एवं सजग स्तर पर संपर्क निर्मित करता है जो फिर आपका मनो-शारीरिक तत्र बन जाता है। तन और मन के बीच संबंध अधिक सजग हो जाता है, स्वयं में अधिक जागृत और इसीलिए अधिक सकारात्मक। आप स्वाभाविक ढंग से अधिक समझदार तथा स्वयं में, यानी अपने संबंधों एवं अन्य गतिविधियों- सभी प्रकार की रचनात्मकता एवं काम के रूप में- दोनों में क्षण की वास्तविकता के संपर्क में आ जाते हैं। सकारात्मक ऊर्जा एकाग्रता, जागरुकता एवं कुछ इस तरह से व्यवहारिक गतिविधि की एकता का प्रतिफल है कि ऊर्जा का कुल उपयोग होता है और इसीलिए प्रजनन का। यह जेन माइंड या मन को खंगालने के लिए तैयार मन के रूप में विख्यात है। मानव चेतना तथा उसकी समस्त आलिंगनकारी क्षमता का अनुभव।

हम कह सकते हैं कि तनाव होता है जब हम गैरसमझदार होते हैं। जब हम एकाग्रहीन या नकारात्मक होते हैं, तो यह स्थिति व्यक्ति की एकाग्रता को खंडित करके उसके शरीर की महत्वपूर्ण ऊर्जा खत्म कर देती है। योग हमारे भीतर सभी पक्षों की एकता का एक अवसर निर्मित करता है और इसीलिए मन व बुद्धि को स्वीकार्यता की प्रक्रिया में भागीदार बनने का अवसर देता है ताकि बदलाव व रूपांतरण की गुंजाइश बन सके। यह समझदार होना है।

इंसानों के रूप में, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में रचनाशीलता की हमारी क्षमता असीम होती नजर आती है, लेकिन अचेतन अनुकूलन के जरिए तन-मन में जीववैज्ञानिक छवि शांति, खुशहाली, अच्छे स्वास्थ्य, व बेहतरी के लिए हमारी क्षमता को सीमित कर सकते हैं। योग हमें उन स्वाभाविक सीमाओं के प्रति जागृत कर सकता है जिन्हें शायद हमने अपने भीतर निर्मित कर लिया हो, इससे हम अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं।

- हेरोन एक लेखक, स्वास्थ्य पेशेवर, योग अभ्यासकर्ता व द इंपीरियल स्पा एंड सेलून के निर्देशक है

पेज एक का शेष

नया ट्रैफिक कानून - एक अच्छी पहल

कभी कभी जुर्माना वाहन की असली कीमत से भी ज्यादा होता है, ऐसे में कोई कैसे उम्मीद कर सकता है कि लोग ऐसे भारी जुर्माने भरने की स्थिति में होंगे?''

योगेश, जो 12 से अधिक सालों से प्राइवेट कैब चालक हैं, और दिल्ली एनसीआर में हर कहीं गाड़ी चलाते हैं, कहते हैं कि जब से नया मोटर वाहन अधिनियम 1 सितंबर, 2019 से लागू किया गया है, ट्रैफिक नियंत्रण में आया नजर आता है।

योगेश कहते हैं, ''लोग अब गाड़ी चलाते समय अधिक सजग हो गये हैं। अन्य कैब ड्राइवर भी पैसेंजर उतारने के लिए बीच सड़क में गाड़ी रोकने से पहले दो बार सोचते हैं। ट्रैफिक के मुक्त प्रवाह में बाधा डालने का जुर्माना अब पांच सौ की पेनल्टी पर जा सकता है जो कि पहले केवल पचास रूपए मात्र था। इसने उस अनावश्यक जाम में कमी लाई है जो अक्सर व्यस्त सड़कों पर लग जाता है। ये सख्त नियम निश्चित रूप से ट्रैफिक की सहज गति को सुनिश्चित करेंगे जिनसे सड़कों पर मारपीट या दुर्घटनाओं के खतरे दूर होंगे।'' कुछ दिन पहले योगेश पर निर्धारित गति से तेज गाड़ी चलाने पर 2000 रूपए का जुर्माना लगा था।

योगेश कहते हैं, ''मैं 53 किमी प्रति घंटे की गति से गाड़ी चला रहा था, जबकि उस क्षेत्र में गतिसीमा 50 किमी प्रति घंटा थी। मेरे नाम चालान जारी हुआ और मैंने इसे चुकाया। मैं मामले को ऊपर ले जा सकता था और इस पर बहस कर सकता था लेकिन मैंने इसे भरने का फैसला किया ताकि मैं आज से अधिक जिम्मेदारी के साथ गाड़ी चला सकूं। मैं जुर्माने में वृद्धि से संतुष्ट हूं क्योंकि इसने सकारात्मक परिणाम दिए हैं और लोगों ने इन ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है।''

नए ट्रैफिक नियमों के कारण, लोगों ने उस इलाके में हेल्मेट पहनना भी शुरू कर दिया है जहां पहले कभी किसी हेल्मेट नहीं पहना था।

बकौल योगेश, ''मयूर विहार फेस 3,

दिलशाद गार्डन व अन्य ऐसे इलाकों में कुछ ही लोग हेल्मेट पहना करते थे लेकिन आज लगभग साठ फीसदी लोगों ने हेल्मेट पहनना शुरू कर दिया है।'' योगेश रेखांकित करते हैं कि ट्रैफिक जाम का मुख्य कारण ई-रिक्शाचालक और ऐसे ड्राइवर हैं जो ऑनलाइन कैब बुकिंग एप्स से संबंधित हैं।

''ये लोग लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं। ई रिक्शा चालक बेखौफ होते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उनके वाहन के साथ कुछ नहीं हो सकता है और वे ऐसे गाड़ी चलाते हैं मानो सड़क उन्हीं की है। इससे आने जाने वालों के लिए अनेक समस्याएं होती हैं। ऑनलाइन कैब बुकिंग एप ड्राइव भी सड़कों पर भारी अराजकता पैदा करते हैं क्योंकि वे पूरी तरह नक्शों पर निर्भर होते हैं। जैसे ही उनकी डिवाइस काम करना बंद करती है वे बीच सड़क पर रुक जाते हैं और फैसला करते हैं कि अब आगे किस रास्ते पर जाएं। ''

इमरान का मानना है कि एक सरकार को ऐसे गैरजिम्मेदार ड्राइवरों का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए और उन्हें उचित ड्राइविंग परीक्षा के बाद ही दूसरा ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना चाहिए। ड्राइवर का पेशेवरपन का आंकलन करने के लिए प्रत्येक छह का कार्यक्रम होना चाहिए और फेल होने पर लाइंसेस को रद्द किया जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा उपायों पर समयबद्ध प्रशिक्षण भी ड्राइवरों को दिया जाना चाहिए। इस तरह ट्रैफिक घटेगा और सड़कें अप्रशिक्षित ड्राइवरों से छुटकारा मिल सकता है। एक अन्य कैब ड्राइवर, हरी ओम कहते हैं कि नए ट्रैफिक नियम कैब ड्राइवरों के लए खास किस्म की समस्याओं का कारण बन रहे हैं क्योंकि कोई भी उचित उतारने की जगह या स्टैंड नहीं होता है जहां वे यात्रियों को उतार सकें।

''अधिकांश स्थानों में, कोई भी उचित कैब स्टेंडिंग प्वाइंट्स नहीं हैं, साथ ही न यात्री सटीक स्थान पर उतारने का आग्रह करते हैं। वे बीस -तीस कदम तक पैदल नहीं चलना चाहते। ऐसी स्थितियों में कैब ड्राइवर मजबूर हो जाते हैं और उन्हें जहां यात्री उतरने के लिए कहता है, ऐसे अनुचित स्थानों पर गाड़ी रोकनी पड़ती है। अब यह हमें पांच सौ रूपए के चालान की ओर ले जा रहा है जिसे अदा करना कठिन है क्योंकि हम बमुश्किल रोजाना दो हजार से ढाई हजार कमा रहे हैं। इसलिए सरकार को पहले हमें उचित ढांचा प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए और तभी ऐसे भारी जुर्माने हम पर थोपने चाहिए। ''

सिमोन एक अदभुत फैशन डिजायनर है वो मेरे बचपन की प्रिय दोस्त भी है। मैं फैशन के क्षेत्र में उसकी उपलब्धियों को इंज्वाय करना और उसकी मदद करना चाहता हूं। उसके साथ मेरे बचपन की तमाम यादें जुड़ी हुई हैं।

- रणवीर सिंह

'जीवन के अनुभव किसी से ले नहीं सकते, ये जीने से ही मिलते हैं'

80 के दशक के किसी भी युवा के लिए अभिनेत्री, निर्देशिका और चित्रकार से लेकर फोटोग्राफर आदि के रूप में दीप्ति नवल के सिनेमाई योगदान को विस्मृत करना कठिन हैं। पायनियर संवाददाता सायमी सत्तार की एक रिपोर्ट-

बातचीत में उनके सह-अभिनेताओं का उल्लेख करते ही उनका खुल कर हंसना दिखाता है कि आज भी दीप्ति में वही जीवंतता है, जबकि दिल्ली और मुंबई के बीच की फोन लाइन में कुछ खराबी भी थी। लेकिन 1981 की फिल्म चश्मे बुद्दूर में चरित्र मिस चमको के रूप में उनकी एक सामान्य लड़की की भूमिका की सभी ने दिल खोलकर प्रशंसा की थी। उनकी मुस्कुराहट और सद्व्यवहार के सभी कायल थे। वो अभिनेत्री, पेंटर और फोटोग्राफी कला में भी सिद्धहस्त थीं। अभी हाल ही में उन्हें एक वेब सीरीज़ मेड इन हेवन में देखा गया था। वो बताती हैं, 'अपने वास्तविक जीवन में मैं सामान्य लड़की नहीं थी। मैंने तो न्यूयॉर्क से कला स्नातक उत्तीर्ण करके लौटी थी। मैं तो एंडी वॉरहॉल के पास ब्रॉडवे और म्यूजियम ऑफआर्ट्स में थियेटर किया करती थी। मेरी शांत छवि तो सिनेमा ने बनाई थी क्योंकि उस समय ऐसी ही भूमिकाओं की मांग रहा करती थी। उस समय ऐसा कुछ भी नहीं लिखा जाता था जिसमें महिला को सशक्त रूप में प्रस्तुत किया जा सके। मैं अपने अभिनय जीवन में ऐसा कोई चरित्र नहीं किया था जो मेरे तत्कालीन व्यक्तित्व के अनुरूप हो।'

अभी हाल ही में उन्हें जियो मैमी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में एक्सीलेंस इन सिनेमा अवार्ड प्रदान किया गया था। वो इस बात से सहमत हैं कि उस समय की समानांतर सिनेमा में काम करने वाली अभिनेत्रियों को अच्छी और बुरी भूमिकाओं के अनुसार बांट कर नहीं देखा जाता था। जबकि वाणिज्यिक सिनेमा ऐसी मानसिकता से ग्रस्त था। उन्होंने बताया, ''हमें अपने चरित्र के साथ नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता थी। मेरी पहली ही फिल्म एक बार फिर में तो मेरी भूमिका कुछ हद तक नकारात्मक ही थी। वो उसमें कल्पना नाम की एक लड़की बनी थीं जिसका विवाह एक अभिनेता से हुआ था लेकिन जो एक संघर्षशील पेंटर से प्यार कर बैठती है। वो बताते हैं, 'मेरे चरित्र को इसका भान था कि वो क्या कर रही है वो ये भी सोचती है कि जो वो कर रही है क्या वो सही है और क्या उसका एक विवाह के होते हुए भी अपने प्रेमी के साथ रहना नैतिक दृष्टि से उचित है। उन दिनों ऐसी भूमिका को नकारात्मक ही समझा जाता था। लेकिन हममें-शबाना, स्मिता और मुझमें से किसी को भी ऐसे रोल करने से शिकायत नहीं थी। वो अच्छा दौर था और आपने मुझे इसकी याद दिलाकर अच्छा किया। अपनी ऐसी स्मृतियों के बीच जाना उन्हें भी अच्छा लग रहा था। वो बताने लगती हैं, 'हम आपस में एक दूसरे के रोल पर बात किया करते थे। उस समय के निर्देशक बासु भट्टाचार्य और ऋषिकेश मुखर्जी तथा अन्य भी अपने काम में माहिर थे।'

उस समय की बात हो और फारुक़ शेख की बात न हो, क्या ऐसा हो सकता है। फारुख के साथ उन्होंने 1981 और 1982 की फिल्मों-कथा और साथ-साथ तथा चश्मे बुद्दूर की थीं।

दीप्ति बताने लगती हैं, 'वो बहुत ही हंसमुख सह-अभिनेता थे उनका मजाक करने की सामर्थ्य अद्भुत थी। लेकिन वो मुझे विषय बनाकर ही लोगों को हंसाया करते थे। वो संवेदनशील थे और मुझे सदा ही प्रेरित करते रहते थे, साथ ही वो आपकी कमियों और शक्तिशाली बातों को भी बताया करते थे। वो प्राय: कहा करते थे, 'डिप्स (वो मुझे इसी नाम से पुकारा करते थे) तुममें कुछ बात तो है, तुम्हें अपना काम गंभीरता से लेना चाहिये।' फारुख के उल्लेख से तो जैसे उनकी स्मृतियों का बांध ही टूट गया हो। वो बताने लगती हैं, 'फिल्म अंगूर में संजीव कुमार थे और कथा में मेरे साथ नसीररुद्दीन शाह थे। मुझे फिल्म में मेरी स्थिति काफी सटीक लगी थी क्योंकि मुझे उस समय के दो महान अभिनेताओं के साथ काम करने को मिल रहा था। ये बहुत ही शानदार अनुभव था।

वर्ष 2013 में चश्मे बुद्दूर का रीमेक जारी किया गया था लेकिन कहना होगा कि फिल्म जरा भी स्तरीय नहीं बनी थी। उन्होंने जारी रखा, 'यद्यपि मैंने इसे प्रोत्साहित किया था क्योंकि इसे मेरे मित्र डेविड धवन ने बनाया था लेकिन मैं इसे पूरा देख ही नहीं सकी। मैं मूल फिल्म के प्रभाव को बिसराना नहीं चाहती थी।'

इससे पहले तक कंटेंट को समानांतर स्थान दिया जाता था लेकिन आज ये मुख्यधारा बन चुकी है। ये पूछने पर कि क्या नवल को लगता है कि आज का समय फिल्मों के लिए अच्छा दौर साबित हो सकता है? उनका कहना था, 'निश्चित रूप से, आज आपको इन विषयों के लिए अच्छी संख्या में दर्शक मिल रहे हैं। हम भी अपने समय में काफी कुछ करना चाहते थे लेकिन हमारे सामने यही सवाल आ खड़ा होता था कि क्या ये बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी? लेकिन इसके बाद भी उस समय की फिल्मों में काफी कुछ दिखाया जाता था। आज जब हम इन विषयों को देखते हैं और जिस प्रकार से फिल्में बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन करती हैं, हम भी सोचते हैं कि काश हमें भी लाखों लोगों ने देखा होता, लेकिन तब हमें हजारों दर्शक मिलना भी कठिन होता था। मैं भी ऐसे विषयों पर प्रयोगों का हिस्सा बनना चाहती हूं जिसमें दर्शक भी हों और विषय की रोचकता भी। धवल फिल्म दो पैसे की धूप, चार आने की बारिश में मनीषा कोइराला को निर्देशित कर चुकी हैं। वो आजकल तीन विषयों पर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया, 'देखती हूं कि किस विचार पर धन की व्यवस्था हो सकती है।'

अभिनेत्री के रूप में उन्होंने हाल ही में आई फिल्म एनएच10 में सरपंच की भूमिका करके सबको चौंका दिया था जिसने अपनी ही बेटी को अन्यत्र विवाह करने पर मरवा दिया था। इसमें वो ऐसी महिला बनी थी जो सशक्त तो थी लेकिन उसकी मानसिकता पिछड़ी थी।

सामान्य रूप से उन्हें अभिनेत्री ही माना जाता रहा है जबकि एक तथ्य ये भी है कि वो एक सफल लेखिका और पेंटर के साथ ही फोटोग्राफर भी हैं। उनका कहना है कि उनके खून में ही ऐसा बनना लिखा था क्योंकि उनकी मां एक सफल पेंटर थीं और पिता लेखक, 'बचपन में मेरे पिता पुस्तकें पढ़ने को कहा करते थे जबकि मेरी मां डाइनिंग टेबल पर बैठकर मुझे चित्रकारी के गुर सिखाया करती थीं। ये मुझे विरासत में मिले थे और मुझपर ही निर्भर था कि मैं इन्हें कैसे आगे बढ़ाती।

इन चीजों का उनके जीवन में बहुत महत्व था, 'ये मेरे जीवन के अनुभव हैं। ये तभी हो सकते हैं जब आप इन्हें जीते हों। आप इन्हें किसी से ग्रहण नहीं कर सकते। ये आपके भीतर ही होती हैं। मैं सदैव से ही स्वयं को कुछ रचनात्मक करते देखा करती थी। लेखन और पेंटिंग मेरे स्कूल के दिनों की ही आदतें हैं। हां, फोटोग्राफी मुझे कॉलेज में अध्ययन के पश्चात आई।'

उन्होंने बताया कि ये सभी बातें उनके जीवन में समानांतर चलती रही हैं, 'जहांगीर आर्ट गैलरी में आयोजन के दौरान मुझसे कई बार लोग पूछा करते थे कि क्या आपने अभिनय करना छोड़ दिया है। मैंने किसी एक चीज के लिए दूसरी को छोड़ने के बारे में कभी नहीं सोचा।'

उनके लिए सभी तरह की कलाएं एक दूसरे से जुड़ी होती हैं, 'मुझे याद है कि मैं एक फिल्म 'मैं जिंदा हूं' में सुधीर मिश्रा के साथ शूटिंग कर रही थी। फिल्म को करते करते मुझे लगा कि मैं अपने ही जीवन के किसी हिस्से को जैसे जी रही हूं। फिल्म के चरमोत्कर्ष में मैं एक मानसिक शरणालय पहुंच जाती हूं और मुझे लगता है जैसे मैं अपने पिता से बात कर रही हूं। लेकिन चरित्र के लिए ये वास्तविकता थी। मैंने घर जाकर इस दृश्य को पेंटिंग द्वारा कैनवस पर उतारा जिसमें मैं अपनी दुनिया में खोई बैठी हूं और अपने पिता से बात कर रही हूं जो बहुत समय पहले गुजर चुके थे।' ये बताते बताते वो हमे एक और काम ब्लैक विंड के बारे में बताने लगती हैं जो पहले एक पेंटिंग थी लेकिन बाद में वो कविता बनीं, 'ये भी मेरा एक सघन अनुभव था। इसमें मैंने बड़ी उग्रता से अपने विचार लिखे और फिर बाद में उसकी पेंटिंग बनाई। फिर मुझे लगा कि इससे वांछित संदेश नहीं मिला तो फिर मैंने अंत में उसपर एक कविता लिखी।'

इसी प्रकार वो एक मानसिक अस्पताल गईं ताकि एक स्क्रिप्ट के लिए वो कुछ गृहकार्य कर सकें। ऐसा वो अपने एक चरित्र एक अभिनेत्री के लिए कर रही थीं जिसे एक मानसिक रूप से बीमार चरित्र करना था। उन्होंने बताया, 'इससे वापस आकर मैंने मानसिक रूप से विक्षिप्त महिलाओं पर 24 कविताएं लिखीं। यदि आप मेरे काम से परिचित हैं तो आप इन्हें समझ सकती हैं। अभी न सही तो कुछ साल बाद।'

लेखन और कला के प्रति अपने जुड़ाव के कारण ही वो प्रखर लेखिका अमृताप्रीतम के काफी निकट थीं। उन्होंने शेखर सुमन के स्टेज शो 'एक

मुलाकात' में उनका चरित्र भी निभाया था। सुमन इसमें साहिर लुधियानवी बने थे। वो बताने लगती हैं, 'मैं उनका बहुत सम्मान करती थी। उनका काम मुझे बहुत प्रिय था क्योंकि वो समय से आगे चलती थीं। पंजाबी काव्य में वो अकेली महिला कवि थीं। वैसे पंजाबी कवियों में सूफी का ही जोर होता था। लेकिन उन्होंने महिलाओं के अनुभवों को बेबाकी से लिखा। वैसे तो इसमें कुछ सनसनीखेज नहीं था लेकिन जिस तरह से उन्होने बिंदास लिखा था वही उनके लेखन की विशेषता थी। वो गहन चिंतक थीं। मैं उन्हें निकट से जानती थी और उनके साहित्य को पसंद करती थी। मैं जब भी दिल्ली जाती थी हर बार उनसे मिलने जाया करती थी वो हमेशा अपने बिस्तर पर आराम करते मिलती थीं। वो सिगरेट पीते हुए जीवन के बारे में अपने अनुभव साझा करती थीं। उस नाटक में मैंने उनका अभिनय पूरी शिद्दत से किया था। लोगों ने देखा तो कहे बिना नहीं रह सके, 'आपने तो अमृता जी को जिंदा कर दिया' मेरे लिए ये सबसे अच्छे शब्द थे।'

नवल का मानना है कि प्रीतम और इमरोज़ के बीच प्रेम था और वो उन्हें पसंद करती थीं, 'नाटक में उन्होंने साहिर के साथ उनका संबंध दिखाया था जो दोनों ही प्रतिभावान लेखकों के लिए काफी रोचक था। उनकी भावनाएं समान थीं यही कारण था कि वे एक दूसरे के प्रति काफी समय तक आकर्षित रहे।' बिलकुल वैसा ही ,जैसा कि हमारा मिस नवल के प्रति है।

माधुरी दीक्षित ने जेम सेलेक्शंस को भारत के सर्वश्रेष्ठ रत्न ब्रांड के रूप में किया सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के प्रीमियर रत्न और आभूषण ब्रांड जेम सेलेक्शंस को भारत का सर्वश्रेष्ठ रत्न ब्रांड के रूप में वैश्विक उत्कृष्टता पुरस्कारों के पहले और साथ ही दूसरे संस्करण से सम्मानित किया गया। ब्रांड को दुनिया भर में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और व्यापक ग्राहक आधार के लिए सम्मानित किया गया। जेम और डायमंड्स उद्योग में पारदर्शिता और गुणवत्ता के लिए मापदंड के रूप में खुद को स्थापित करने की अपनी विरासत के कारण, जूरी ने जेम सेलेक्शंस को भारत में सर्वश्रेष्ठ जेमस्टोन्स ब्रांड के रूप में चुना। यह कार्यक्रम 12 अक्टूबर, 2019 को ग्रैंड हयात, मुंबई में आयोजित ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स का दूसरा संस्करण था, जबकि पहला आयोजन 7 अक्टूबर, 2018 को फोर पॉइंट्स बाइ शेरेटन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

इस अवसर की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री माधुरी दीक्षित थीं। जबकि सेलेब्रिटी अतिथि गौहर खान, ग्रेसी सिंह, क्रिस्टेल डिसूजा और नकुल मेहता ने विभिन्न प्रमुख हस्तियों के साथ इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स के पहले संस्करण में, रवीना टंडन इस अवसर की मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर बोलते हुए, माधुरी दीक्षित ने कहा, ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स व्यवसायों, उद्यमियों और संगठनों को उनकी रचनात्मकता, नवाचार और गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने और पहचान देने के लिए एक मंच के रूप में बनाया गया है और यह इस तरह की पहल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

खन्ना जेम्स के बारे में : खन्ना जेम्स प्रा. लिमिटेड रत्न व्यवसाय में अग्रणी है और 100 प्रतिशत वास्तविक रत्न बेचने वाली एकमात्र फर्म है। 20 जनवरी 1997 को शुरू की गई, यह भारत की एकमात्र कंपनी है जो एक उपयुक्त सरकारी लैब सर्टिफिकेट के साथ रत्न बेचती है, चाहे वह ऑनलाइन मोड में हो या ऑफलाइन मोड में। खन्ना जेम्स खुदरा बिक्री, थोक वितरण, और रत्न, हीरे, आभूषण, हस्तशिल्प, रुद्राक्ष और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्यात में संलग्न है। खन्ना जेम्स का ध्येय गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित करना और रत्न, हीरे और आभूषण उद्योग में सबसे कड़ी कंपनी के रूप में उभरना है।

63 साल के हुए सनी देओल, करीबी दोस्त के लिए छोड़ दी थी आठ फिल्में

बॉलीवुड में अपने एक्शन और दमदार डायलाग्स के लिए मशहूर सनी देओल आज अपना 63वां जन्मदिन मना रहे हैं। बड़े पर्दे पर हमेशा गुस्से में दिखने वाले सनी देओल असल जीवन में बेहद सौम्य हैं। उनके करीबी दोस्त और निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी एक किस्सा साझा करते हुए बताते हैं कि सनी ने उनकी वजह से आठ फिल्मों को ना बोल दिया था। सनी के जन्मदिन के मौके पर उनके जीवन से जुड़े ऐसे ही कुछ रोचक किस्से और यादें साझा कर रहे हैं उनके करीबी।

चंद्रप्रकाश द्विवेदी, सनी के करीबी दोस्त व निर्देशक

फिल्म तो मैंने उनके साथ एक ही बनाई, पर उनसे मेरा ऐसा रिश्ता है कि उन्होंने मेरी वजह से आठ फिल्में छोड़ दी हैं। इन आठों मौकों पर उन्होंने मुझसे पूछा कि, भई! क्या तुम करना चाहते हो? हर बार मैंने कहा- नहीं! तो मेरे चलते उन्होंने भी फिल्में छोड़ दी। वे कहते हैं तुम्हें पसंद नहीं है, तो चलो मैं भी नहीं करता हूं। एक बार मैं उनके पास अमेरिका गया, तब उन्होंने पूछा कि तुम तो शुद्ध शाकाहारी हो, इधर जिंदा कैसे हो? फिर तो उन्होंने मुझे एक शाकाहारी होटल भी बताया। जहां आने-जाने के 80 डॉलर लगते थे पर सिर्फ 9 डॉलर में खाना मिल जाता था। मैंने उनके जैसा बालक मन वाला इंसान नहीं देखा। उनके साथ वाराणसी में शूटिंग कर रहा था, तब कुछ पुलिस कर्मचारी उनसे मिलने के लिए कहने लगे। मैंने उन्हें पूछा तो उन्होंने कहा कि सभी को बुला लो। 35-40 पुलिसवाले आए तो उन्होंने सबको होटल में भोजन कराया।

हमारे परिवार में किसी का भी जन्मदिन हो तो उसे सबसे पहले मॉम-डैड ही विश करते हैं। सनी भैया के जन्मदिन पर भी वही सबसे पहले करेंगे। वह हमें खुशियों का आशीर्वाद देने के साथ ही कड़ी मेहनत करने की सीख भी देते हैं। हमारे यहां हर जन्मदिन पर सुबह हवन होने की परंपरा है, इसके बाद पूरी फैमिली के लिए रूल है कि डिनर के लिए सभी एक साथ इकट्?ठा जरूर हों। सनी भैया के जन्मदिन पर भी हमेशा ऐसा होता रहा है। उनके जन्मदिन से जुड़ी कई सारी यादें मेरे जेहन में हैं। सबसे पहले हवन होता था फिर उसके बाद हम मक्खन लगे पराठों पर टूट पड़ते थे। इसके बाद सारा खाया पिया पचाने ट्रेकिंग पर निकल पड़ते थे। हम साथ-साथ कई आउटडोर गेम्स खेलते थे। वॉलीबॉल और क्रिकेट के खेल को खेलते हुए मैंने सनी भैया के साथ-साथ बहुत अच्छा वक्त बिताया है। इस बार उनके जन्मदिन को फैमिली खुशियों के साथ सेलिब्रेट करेगी। मैं इस समय हाउसफुल 4 मूवी के प्रमोशन के लिए दिल्ली में हूं। मैं शनिवार को अपना काम जल्द निपटाने की पूरी कोशिश करूंगा जिससे मैं भैया के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने जल्द से जल्द मुंबई पहुंच सकूं और अपनी पूरी फैमिली के साथ इस पल को एंजॉय कर सकूं।

अनिल शर्मा उनकी कई फिल्मों के डायरेक्टर

सनी देओल के साथ इतनी सारी फिल्में बनाई हैं, भगवान ने चाहा तो आगे भी बहुत सारी फिल्में बनाएंगे। मैं उन्हें जब से जानता हूं, कभी उनका पॉलिटिक्स में जाने का इरादा नहीं था। उनके जन्मदिन पर तो माहौल बेहद ही अच्छा होता है। घर पर लंगर लग जाता है। बहुत सारे लोग पंजाब से आते हैं। सुबह-सुबह पूजा-हवन होती है। पूरा परिवार एक साथ बैठकर हवन करता है। उनका तो गजब का परिवार है, जो फिल्म लाइन में रहकर भी इस तरह की परंपराओं को जिंदा रखे हुए हैं। शूटिंग के दौरान भी उनका कई दफा बर्थडे आया है, पर हमेशा वे पूजा हवन पूरा करके शूटिंग पर आते जरूर थे। हमने सेट पर भी उनके कई बर्थडे मनाए हैं। अब तो वे पॉलिटिक्स में आ गए हैं, पता नहीं चुनाव के माहौल में कैसे बर्थडे मनाएंगे। घर पर होंगे भी कि नहीं। हो सकता है चुनाव प्रचार के साथ ही अपना जन्मदिन मनाएं।

वह इतने सुलझे, समझदार और सादगी वाले व्यक्ति हैं कि यकीन नहीं होगा। सुबह 4:00 बजे उठते हैं। नौ-साढ़े बजे तक सो जाते हैं। शराब वगैरह छूते तक नहीं है। फैमिली मैन है। काम से काम रखते हैं। सबसे बड़ी बात देश को लेकर वे बहुत ही ईमानदार हैं और जितना हो सकता है, उतना कंट्री के लिए कंट्रीब्यूट करते हैं।

लीवर सिरोसिस बीमारी से जूझ रहे हैं अमिताभ बच्चन, इस तरह गला देती है शरीर को...

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं। हालत ज्यादा बिगड़ने के बाद अमिताभ बच्चन को मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमिताभ बच्चन यहां पिछले तीन दिनों से भर्ती हैं। अमिताभ बच्चन

की बीमारी नई नहीं है, अमिताभ लंबे समय से लीवर सिरोसिस से जूझ रहे हैं। अमिताभ बच्चन को फिल्म के शूट के दौरान चोट भी लगी थी जिसका दर्द आज भी कई बार उठ जाता है, लेकिन इस बार अमिताभ को चोट से नहीं बल्कि लीवर सिरोसिस से प्रोबलम हुई है। लीवर सिरोसिस के कारण अमिताभ बच्चन का केवल 25 प्रतिशत लीवर ही काम कर रहा है। लीवर सिरोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसमें लीवर की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। लीवर सिरोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से शरीर पूरी तरह से काम नहीं करता और धीरे-धीरे कमजोरी आने लगती है। भूख लगना कम हो जाती है साथ ही थकावट भी होती है खाना डायजेशन में भी काफी प्रोबलम होती है। इस बीमारी के पीछे आजकल का लाइफस्टाल जुड़ा हुआ है। इसके अलावा अल्कोहल, हेपेटाइटिस बी और सी इसके अलावा भी कई अन्य कारण होते हैं। इस बीमारी की वजह से शरीर में कमजोरी लगती है, भूख लगनी कम हो जाती है, स्किन का रंग हल्का पीला पड़ने लगता है, पीलिया हो जाता है, खुजली, मोटापा और त्वचा का रंग नीला भी पड़ सकता है।

33 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करेंगे शरत सक्सेना, राधाकृष्ण में निभाएंगे अहम किरदार

फिलहाल मैथोलॉजिकल शो राधाकृष्ण में दर्शकों को कई नए धमाके देखने को मिल रहे हैं। इसी कड़ी में अब इस शो में दर्शकों को एक नई एंट्री देखने को मिलने वाली है। जो बॉलीवुड के चर्चित एक्टर शरत सक्सेना निभाने वाले हैं। इनकी एक्टिंग के लिए उन्हें पहले भी कई बार सराहा गया है। एक्टर शरत सक्सेना ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया है, जिसमें अमिताभ बच्चन की अग्निपथ, बागवान और सैफ अली खान की एजेंट विनोद, रेस 3, फिर हेरा फेरी, थग्स ऑफ हिन्दोस्तान जैसी कई बड़ी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी अपने अभिनय का परचम लहराया है । एक्टर शरत सक्सेना ने साल 1988 में चर्चित टीवी माइथो शो महाभारत में काम किया था, जिसके बाद अब 33 साल बाद यह स्टार भारत के राधाकृष्ण शो में एक अहम् किरदार निभाने आ रहे हैं। शो के एक इम्पोर्टेन्ट ट्रैक के लिए यह एंट्री होने वाली है। इस किरदार कि कास्टिंग में कई बड़े नाम शामिल थे, जिसमें एक्टर शरत सक्सेना को फाइनल किया गया है। शरत राधाकृष्ण शो में प्रलंभासुर का किरदार निभाएंगे जो कृष्ण की जीवन में कई नई बाधाएं पैदा करेंगे।

शादी के बारे में अपनी मम्मी से पूछेंगे कार्तिक

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन आने वाले समय में 'पति पत्नी और वो' में नजर आएंगे, उनका कहना है कि फिलहाल उनके पास प्यार के लिए कोई वक्त नहीं है, अभी उनका पूरा ध्यान अपने करियर पर है। कार्तिक का नाम अकसर सारा अली खान और अनन्या पांडे संग जोड़ा जाता है, इन्हीं मीडिया रिपोर्ट्स के मद्देनजर उनकी यह बात सामने आई। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या हाल-फिलहाल में उनकी शादी करने की कोई योजना है? इस पर कार्तिक ने कहा, मुझे यह मम्मी से पूछना पड़ेगा। अभी मैं अपने करियर पर ध्यान लगा रहा हूं। उनकी अगली फिल्म 'पति पत्नी और वो' शादीशुदा जिंदगी की परेशानियों से ही जुड़ी हुई है, जिसकी शुरुआत किसी विवाहित शख्स की जिंदगी में तब होती है जब वह अपनी पत्नी को धोखा देने लगता है। कार्तिक ने कहा, हम जल्द ही फिल्म का ट्रेलर जारी करेंगे। कार्तिक और फिल्म में उनके सह-कलाकार भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने बुधवार को फिल्म के पोस्टर का अनावरण किया।

डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला के ब्राइडल कलेक्शन की लॉन्चिंग पर कार्तिक ने भूमि और अनन्या संग मीडिया से बात की। इस दिन, इन तीनों ने शादी के परिधान में सजकर रैम्प वॉक भी किया और अबू और संदीप के लिए शो स्टॉपर भी बने। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म साल 1978 में इसी नाम से आई बी.आर. चोपड़ा की फिल्म पर आधारित है। इस फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर मुख्य भूमिकाओं में थे।